दैनिक
कीर्तिप्रभा
खबरों के सच का निर्भीक आइना

■ रीवा ■ भोपाल से एक साथ
वर्ष : 28, अंक : 185 पृष्ठ 12, रीवा

शनिवार 28 मार्च 2026
मूल्य : 3.00 रुपए

अनियंत्रित स्कॉर्पियो ने ऑटो को मारी टक्कर, एक ही परिवार के 5 लोगों की मौत

ग्वालियर,मध्य प्रदेश के ग्वालियर में शुक्रवार की अलसुबह एक रोंगटे खड़े कर देने वाला सड़क हादसा सामने आया है। शहर के बस स्टैंड के पास परशुराम चौराहे पर एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो ने सवारियों से भरे ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। इस हृदयविदारक घटना में एक ही परिवार के पांच सदस्यों की जान चली गई, जबकि एक मासूम बच्चे सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हैं।
जानकारी के अनुसार, यह हादसा सुबह लगभग तीन बजे उस समय हुआ जब एक परिवार शीतला माता मंदिर में दर्शन कर ऑटो से वापस लौट रहा था। इसी दौरान तेज रफ्तार स्कॉर्पियो (एमपी 21 जेडई 5911) ने ऑटो को इतनी भीषण टक्कर मारी कि वह सड़क किनारे लगे नीम के पेड़ से जा टकराया।

खामेनेई के पोस्टरों पर गरमाया माहौल, विधायकों के बीच धक्का-मुक्की

श्रीनगर, जम्मू-कश्मीर विधानसभा में शुक्रवार को कार्यवाही शुरू होने से पहले ही माहौल तनावपूर्ण हो गया। दरअसल पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष और ईरान के पूर्व सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के मुद्दे पर नेशनल कॉन्फ्रेंस (एनसी) और पीडीपी (पीडीपी) के विधायकों ने जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारी विधायक हाथों में खामेनेई के पोस्टर और तस्वीरें लेकर सदन में पहुंचे और उनके समर्थन में नारेबाजी की। इसी बीच कुछ विधायकों के बीच धक्का-मुक्की भी हो गई, जिससे सदन की कार्यवाही बाधित हुई।
प्रदर्शन कर रहे विधायकों का कहना था कि किसी भी देश को दूसरे देश पर हमला करने का अधिकार नहीं है और इस घटना की अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर निंदा होनी चाहिए। नेशनल कॉन्फ्रेंस के विधायक तनवीर सादिक ने कहा कि

उनकी पार्टी और जम्मू-कश्मीर सरकार ईरान के साथ खड़ी है। उन्होंने यह भी याद दिलाया कि मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला पहले भी इस तरह की घटनाओं की निंदा कर चुके हैं। गौरतलब है कि 28 फरवरी को इजराइल द्वारा ईरान पर किए गए हमले में खामेनेई की मौत की खबर सामने आई थी, जिसके बाद अंतरराष्ट्रीय स्तर पर तनाव की स्थिति बनी हुई है। इसी मुद्दे को लेकर जम्मू-कश्मीर विधानसभा में भी राजनीतिक तापमान बढ़ गया और इसका असर सदन की कार्यवाही पर साफ दिखाई दिया।

कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच झड़प

इस बीच, विधानसभा के भीतर एक अलग मुद्दे पर कांग्रेस और बीजेपी विधायकों के बीच तीखी झड़प हो गई। बताया गया कि कांग्रेस विधायक इरफान हाफिज द्वारा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ नारेबाजी की जा रही थी। इसके जवाब में बीजेपी विधायक युद्धवीर सेठी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी पर टिप्पणी की, जिससे विवाद और बढ़ गया।

उच्च न्यायालय का ऐतिहासिक फैसला, सांकेतिक भाषा में दी गवाही को मान्यता

रायपुर, छत्तीसगढ़ उच्च न्यायालय ने महत्वपूर्ण फैसले में कहा कि सांकेतिक भाषा के दुभाषिए की सहायता से दर्ज किए गए बयान भी कानूनी रूप से मान्य हैं और इनके आधार पर दोषसिद्धि हो सकती है। यह टिप्पणी उस मामले में की गई, जिसमें एक व्यक्ति को शारीरिक रूप से सक्षम महिला के साथ यौन उत्पीड़न का दोषी मानकर दी गई आजीवन कारावास की सजा को बरकरार रखा। मुख्य न्यायाधीश रमेश सिन्हा और न्यायमूर्ति रविंद्र कुमार अग्रवाल की खंडपीठ ने निचली अदालत के मार्च 2023 के फैसले को सही ठहराते हुए आरोपी की अपील खारिज कर दी।

एचडीएफसी बैंक के पूर्व अध्यक्ष के इस्तीफे की जांच करेगी सेबी

नई दिल्ली भारतीय प्रतिभूति और विनिमय बोर्ड (सेबी) ने एचडीएफसी बैंक के पूर्व अध्यक्ष अतनु चक्रवर्ती के इस्तीफे के मामले की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई सूचीबद्ध कंपनियों के निदेशकों से जुड़े नियमों के संभावित उल्लंघन की आशंका के आधार पर की जा रही है। बताया जा रहा है कि चक्रवर्ती ने अपने इस्तीफे में बैंक की कार्यप्रणाली को मूल्यों और नैतिकता के विपरीत बताया था। मामले के बीच बैंक बोर्ड ने सुनीता माहेश्वरी को तीन वर्षों के लिए पुनः स्वतंत्र निदेशक नियुक्त किया है। सेबी अब पूरे प्रकरण की विस्तृत समीक्षा कर रही है।

देश के सभी पेट्रोल पंपों पर ई-20 पेट्रोल बेचना अनिवार्य

नई दिल्ली (ईएमएस)। केंद्र सरकार ने देशभर के सभी पेट्रोल पंपों पर ई-20 पेट्रोल की बिक्री अनिवार्य कर दी है। इस फैसले का उद्देश्य पेट्रोल में एथेनॉल की मात्रा बढ़ाकर कच्चे तेल के आयात पर निर्भरता कम करना और पर्यावरण संरक्षण को बढ़ावा देना है। ई-20 पेट्रोल में 20 प्रतिशत एथेनॉल और 80 प्रतिशत पेट्रोल का मिश्रण होता है। सरकार का मानना है कि इससे कार्बन उत्सर्जन में कमी आएगी और किसानों को भी फायदा होगा, क्योंकि एथेनॉल का उत्पादन मुख्य रूप से गन्ने और अन्य फसलों से किया जाता है।

हवाई यात्रा पर जाने वाले यात्री पहले पढ़ लें ये खबर...........

नई दिल्ली, संसदीय समिति ने भारतीय कमर्शियल एयरलाइन फ्लाइट्स की सुरक्षा और तकनीकी स्थिति पर चौंकाने वाली रिपोर्ट पेश की है। रिपोर्ट के अनुसार, बीते साल किए गए ऑडिट में 754 विमानों में से 377 यानी करीब 50 प्रतिशत में बार-बार तकनीकी खराबी मिली। सबसे ज्यादा ऑडिट और तकनीकी समस्याएं इंडिगो एयरलाइन की फ्लाइट्स में देखी गईं। 3 फरवरी तक 405 इंडिगो फ्लाइट्स में से 148 में खराबी थी। वहीं एअर इंडिया और एअर इंडिया एक्सप्रेस की फ्लाइट्स में भी गंभीर तकनीकी समस्याएं सामने आईं।

होर्मुज के बंद हो जाने से गैस और फर्टिलाइजर की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित

नई दिल्ली, ईरान युद्ध का असर अब सीधे दुनिया के किसानों और खाने की कीमतों पर पड़ने लगा है। स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के बंद हो जाने से गैस और फर्टिलाइजर की सप्लाई बुरी तरह प्रभावित हुई है, जिससे खेती पर बड़ा संकट खड़ा हो गया है। यह स्ट्रेट दुनिया के करीब 20फीसदी तेल के साथ-साथ लगभग एक-तिहाई फर्टिलाइजर ट्रेड के लिए अहम रास्ता है। ईरान द्वारा इस स्ट्रेट पर कड़ी पहरेदारी करने के बाद नाइट्रोजन और फॉस्फेट जैसे जरूरी पोषक तत्वों की सप्लाई रुकने लगी है। खास तौर पर यूरिया, जो फसलों की पैदावार बढ़ाने के लिए सबसे ज्यादा इस्तेमाल होता है, उसका स्टॉक तेजी से घट रहा है।
विशेषज्ञों के मुताबिक यह संकट ऐसे समय आया है जब दुनिया के कई हिस्सों में बुवाई का सीजन शुरू हो चुका है। वर्ल्ड फूड प्रोग्राम के डिप्टी एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर ने चेतावनी दी कि अगर हालात नहीं सुधरे तो अगले सीजन में पैदावार कम हो सकती है या फसलें खराब भी हो सकती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक भारत में भी इसका असर साफ दिख रहा है। एक रिपोर्ट में पंजाब के एक किसान के हवाले से कहा गया है कि इससे छोटे किसान सबसे ज्यादा प्रभावित होंगे। अगर सरकार जून में बढ़ने वाली मांग के दौरान सब्सिडी नहीं देती, तो कई किसानों के लिए खेती करना मुश्किल हो जाएगा। भारत पहले से ही अपनी उर्वरक जरूरतों के लिए आयात पर निर्भर है, और इस संकट ने स्थिति को और गंभीर बना दिया है।
रिपोर्ट के मुताबिक वैश्विक स्तर पर देखें तो करीब 30फीसदी यूरिया व्यापार इस संघर्ष की वजह से प्रभावित हुआ है। विश्लेषकों का कहना है कि गैस की कीमतें बढ़ने से यूरिया उत्पादन भी महंगा हो गया है, क्योंकि एलएनजी इसका प्रमुख कच्चा माल है। इसके अलावा, सऊदी अरब जैसे देश, जो दुनिया का बड़ा फॉस्फेट उत्पादक है, वहां से सप्लाई भी बाधित हो रही है। रिपोर्ट के मुताबिक अफ्रीका और एशिया के विकासशील देशों की स्थिति और ज्यादा नाजुक है।

दिग्गज नेताओं ने दी शुभकामनाएं, प्रभु राम के आदर्शों को किया याद

नई दिल्ली। धर्म, सत्य और मर्यादा के श्रेष्ठतम प्रतीक प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी का पर्व आज पूरे उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया गया है। इस पावन अवसर पर देश के प्रमुख राजनेताओं ने जनता को बधाई देते हुए भगवान राम के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया है। केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने सोशल मीडिया पर रामलला के प्राकट्य की चौपाइयां साझा करते हुए लिखा, समस्त देशवासियों को श्री रामनवमी के महापर्व की हार्दिक बधाई। हम सबके आराध्य मर्यादा पुरुषोत्तम प्रभु श्री राम की कृपा सब पर बनी रहे। हर घर में प्रेम, सौहार्द, मर्यादा और संस्कार के पुष्प पल्लवित हों, यही प्रार्थना है।
उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने रामनवमी को भारतीय चेतना का आधार बताते हुए कहा कि प्रभु श्री राम करुणा और कर्तव्य के अद्भुत संतुलन हैं। उन्होंने अपने संदेश में जोर दिया कि शक्ति का असली सौंदर्य मर्यादा में ही निहित है और विजय का वास्तविक अर्थ लोकमंगल है। मुख्यमंत्री ने जनता से अपने आचरण में सत्य और समाज में समरसता लाने का आह्वान किया।
बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भगवान राम के जीवन को पूरी मानव जाति के लिए प्रेरणा का स्रोत बताया। उन्होंने कहा कि उनका जीवन प्रेम, सहनशीलता और त्याग का प्रतीक है। मुख्यमंत्री ने प्रदेशवासियों से इस पर्व को आपसी भाईचारे और हर्षोल्लास के साथ मनाने की अपील की।

पत्रकारों की सुरक्षा और कल्याण के लिए नीति बनाने की मांग, लोकसभा में उठा मुद्दा

-सांसद चौधरी ने पत्रकारों के सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करने रखी मांग

नई दिल्ली, पत्रकारों की सुरक्षा और उनके कल्याण को लेकर लोकसभा में शुक्रवार को अहम मुद्दा उठाया गया। भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) के सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने सरकार से पत्रकारों के लिए एक समग्र और प्रभावी सुरक्षा एवं कल्याण नीति बनाने की मांग की।
मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम से सांसद दर्शन सिंह चौधरी ने कहा कि पत्रकारों को रिपोर्टिंग के दौरान कई तरह के जोखिमों का सामना करना पड़ता है, ऐसे में उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करना बेहद जरूरी है। उन्होंने मांग की कि पत्रकारों को यात्रा में पहले की तरह 50 प्रतिशत रियायत फिर से बहाल की जाए, जिससे उन्हें काम के दौरान सहूलियत मिल सके।
सांसद ने पत्रकारों और उनके परिवारों के लिए जीवन बीमा और स्वास्थ्य बीमा की व्यापक व्यवस्था करने पर भी जोर दिया। इसके साथ ही उन्होंने पत्रकारों के बच्चों के लिए शिक्षा में सहायता उपलब्ध कराने की मांग रखी। उन्होंने कहा कि यह कदम न केवल पत्रकारों के सामाजिक सुरक्षा ढांचे को मजबूत करेगा, बल्कि उनके मनोबल को भी बढ़ाएगा। सांसद चौधरी ने आवास से जुड़ी समस्याओं का भी जिक्र करते हुए कहा कि पत्रकारों को आवास या प्लॉट आवंटन की सुविधा दी जानी चाहिए। उनका मानना है कि स्थायी आवास व्यवस्था पत्रकारों के जीवन को अधिक सुरक्षित और व्यवस्थित बनाएगी।

टोल टैक्स में रियायत देने की मांग

इसके अलावा सांसद चौधरी ने नेशनल हाईवे और स्टेट हाईवे पर टोल टैक्स में रियायत देने की भी मांग की। उन्होंने कहा कि पत्रकारों को लगातार यात्रा करनी पड़ती है, ऐसे में यह राहत उनके लिए काफी उपयोगी साबित होगी।

भूकंप से डोली धरती, भारत में महसूस किए गए झटके, जानें कितनी रही तीव्रता

लेह,शुक्रवार सुबह लद्दाख के लेह इलाके में भूकंप के हल्के झटके महसूस किए गए। नेशनल सेंटर फॉर सीस्मोलॉजी (एनसीएस) के अनुसार भूकंप की तीव्रता रिक्टर स्केल पर 3.9 मापी गई। यह भूकंप सुबह 8:31 बजे (आईएसटी) आया। भूकंप का केंद्र लेह के पास था। लोग बताते हैं कि झटके हल्के थे, लेकिन कई जगहों पर उन्हें महसूस हुए। अभी तक किसी तरह के जान-माल के नुकसान या किसी बड़े नुकसान की कोई खबर नहीं है। एनसीएस ने अपनी रिपोर्ट में बताया कि भूकंप का केंद्र लेह के आसपास था। लेह-लद्दाख प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि वे शांत रहें और अगर आगे भी कोई झटका महसूस हो, तब सुरक्षित जगह पर चले जाएं। फिलहाल कोई अलर्ट या विशेष चेतावनी जारी नहीं की गई है और पूरे इलाके में सामान्य स्थिति बनी हुई है।लद्दाख हिमालय पर्वत श्रृंखला का हिस्सा है, जो भूकंप की दृष्टि से काफी सक्रिय क्षेत्र माना जाता है। यहां भारतीय प्लेट और यूरेशियन प्लेट आपस में टकरा रही हैं, इसलिए छोटे-मोटे भूकंप हमेशा आते हैं। 3.9 की तीव्रता को हल्का भूकंप माना जाता है, जो आमतौर पर ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचाता।

दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा तय करने डोजियर-आधारित लाइसेंस प्रणाली लागू

-पूरे देश में एक ही तरह के दस्तावेज जमा करने होंगे, लाइसेंसिंग में आएगी पारदर्शिता

नई दिल्ली,भारत सरकार ने दवाओं की गुणवत्ता और सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश भर में एकसमान डोजियर-आधारित लाइसेंस प्रणाली लागू की है। केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन के इस कदम से राज्यों की अलग-अलग व्यवस्था खत्म हो जाएगी। अब कंपनियों को एक ही बार में दवाओं की जांच रिपोर्ट, उत्पादन और गुणवत्ता से जुड़े दस्तावेज जमा करने होंगे। पूरे देश में एक ही तरह के दस्तावेज जमा करने होंगे, जिससे लाइसेंसिंग में पारदर्शिता आएगी। आवेदन को दो हिस्सों में बांटकर जांच की जाएगी।
मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक घटिया दवाओं के निर्माण पर रोक लगेगी और फार्मा कंपनियों की जवाबदेही बढ़ेगी। यह आदेश आयुष दवाओं, कॉस्मेटिक्स और मेडिकल डिवाइसेज पर लागू नहीं होगा। इस प्रक्रिया का मुख्य उद्देश्य दवाओं के निर्माण में एकसमान मानक सुनिश्चित करना है। यह बदलाव दवा उत्पादन की प्रक्रिया को अधिक पारदर्शी और नियंत्रित बनाने के लिए किया गया है। सीडीएससीओ ने 2026 में भारत में दवा लाइसेंसिंग प्रक्रिया को एक समान बनाने के लिए डोजियर आधारित प्रणाली लागू की है, जो कई राज्यों की अलग-अलग प्रक्रियाओं को समाप्त करती है। अब फार्मा कंपनियों को पूरे देश में दवा उत्पादन के लिए गुणवत्ता, सुरक्षा और प्रभाव से जुड़ी जानकारी एक साथ जमा करनी होगी। रिपोर्ट के मुताबिक अलग-अलग राज्यों के अलग-अलग नियम समाप्त हो गए हैं और अब पूरे देश में एक जैसे नियम लागू होंगे। कंपनियों को एक ही बार में, एक ही जगह विस्तृत दस्तावेज़ (डोजियर) जमा करने होंगे। डोजियर की गहराई से जांच के बाद ही स्थानीय औषधि नियंत्रक विभाग द्वारा लाइसेंस देने या न देने की सिफारिश करेगा। यह पहल दवा की गुणवत्ता सुनिश्चित करने और फार्मा कंपनियों की जवाबदेही बढ़ाने के लिए की गई है। कंपनियों को ऑनलाइन राष्ट्रीय दवा लाइसेंस प्रणाली पोर्टल पर विस्तृत डेटा जमा करना होगा। यह नियम आयुष दवाओं, सौंदर्य प्रसाधन और चिकित्सा उपकरणों पर लागू नहीं होता है। यह नई व्यवस्था देश भर में दवाओं की गुणवत्ता में एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन द्वारा की गई है, जो अब तक राज्यों के अलग-अलग नियमों के कारण भिन्न थी।

रामनवमी पर रामलला का सूर्य तिलक, फूलों से सजे मंदिर, गूंजी बधाइयां

अयोध्या रामनवमी के अवसर पर राम की नगरी अयोध्या में रामलला का जन्मोत्सव पूरे आस्था और श्रद्धा के साथ मनाया गया है। प्रभु श्रीराम के बाल स्वरूप रामलला का दर्शन करने के लिए अयोध्या में लगभग दस लाख भक्तों पहुंचे। राममंदिर सहित अयोध्या के सभी मंदिरों में प्रभु श्रीराम का जन्मोत्सव धूमधाम से मनाया गया। श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में दोपहर ठीक 12 बजे भगवान सूर्य की किरणों से प्रभु श्रीराम का तिलक हुआ।
शुक्रवार को मौसम खराब था। कभी धूप कभी बारिश। बादलों की चाल को देखते हुए श्रद्धालुओं में थोड़ी निराशा दिखी लेकिन निराशा पर भक्ति और आस्था भारी पड़ती रही। अंततः जब दोपहर 12 बजने को थे तभी सूर्य देव ने दर्शन दिए और भव्य राम मंदिर में स्थापित राम की प्रतिमा पर ठीक 12 पर उनके मस्तक पर सूर्य तिलक हुआ। प्रभु श्रीराम के ललाट पर जब सूर्य की किरणें सीधे पड़ी तो दृश्य मनोहारी एवं अद्भुत हो गया। गर्भगृह तक बधाइयां गूंजने लगीं।
शुक्रवार को रामनवमी पर सुबह से ही राम मंदिर समेत अन्य स्थानों में भगवान के अभिषेक, श्रृंगार, आरती के आयोजन शुरू हुआ। दोपहर 12 बजे शंख नाद व भजन से पूरी नगरी आह्लादित हो गयी। श्रीराम जन्मोत्सव को लेकर राम मंदिर में विशेष आयोजन 19 मार्च से चल रहे हैं। मंदिर के गर्भगृह में पुजारी की मौजूदगी में भगवान श्री राम के प्रतीकात्मक जन्मोत्सव का आयोजन संपन्न किया गया। राम मंदिर के ट्रस्ट विशेष आमंत्रित सदस्य, राम मंदिर दर्शन व्यवस्था के प्रभारी गोपाल जी राव ने बताया कि श्रीराम जन्मभूमि मंदिर में सुबह 5 बजे से दर्शन शुरू हुआ। जबकि सुबह 10 बजे से अभिषेक शुरू हुआ। दोपहर 12 बजे आरती होगी 56 भोग लगेगा और उसके साथ भगवान के माथे पर सूर्य का तिलक होगा। शाम को बधाई गीत शुरू रहेगा।

हाईवे किनारे खड़े ट्राला से भिड़ी पिकअप, आठ की मौत

कौशांबी यूपी के कौशांबी जिले के कानपुर-प्रयागराज हाईवे पर शुक्रवार को दर्दनाक सड़क हादसे में आठ लोगों की मौत हो गई। हादसे में 18 श्रद्धालु घायल हो गए। डोरमा पेट्रोल पंप के समीप उस समय हुआ जब सड़क किनारे खड़े ट्राला में पीछे से तेज रफ्तार पिकअप अनियंत्रित होकर जा भिड़ी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि पिकअप के परखचे उड़ गए और उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।
बताया जा रहा है कि पिकअप में करीब 25 लोग सवार थे, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल थे। सभी लोग फतेहपुर जिले के मलवां क्षेत्र के बड़ोखर गांव के रहने वाले बताए जा रहे हैं। वे लोग रामनवमी के अवसर पर शीतला धाम दर्शन करने के लिए पिकअप बुक कर सुबह आए थे और वापस लौटते समय दोपहर करीब पौने चार बजे यह हादसा हो गया। घटना के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सड़क पर घायलों की चीख-पुकार सुनकर स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलने पर पुलिस और स्वास्थ्य विभाग की टीम मौके पर पहुंची। घायलों को अस्पताल भेजने के लिए चार एंबुलेंस लगाई गईं। घायलों को अस्पताल ले जाते समय आठ लोगों की मौत हो गई, जबकि अन्य का इलाज जारी है।

एशियाई बाजार में गिरावट के साथ कारोबार

मुंबई। एशियाई बाजार शुक्रवार सुबह गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। यह गिरावट अमेरिका के बाजारों में गुरुवार को आई कमजोरी के असर को दिखाती है, जहां अमेरिका और ईरान के बीच सही तरीके से युद्धविराम होने को लेकर अनिश्चितता बनी हुई है। जापान का निक्केई 225 इंडेक्स लगभग 0.94 प्रतिशत और दक्षिण कोरिया का कोस्पी इंडेक्स करीब 2.7 प्रतिशत नीचे कारोबार कर रहा था। अमेरिका के बाजारों में भी गिरावट देखने को मिली। एसएंडपी 500 करीब 1.74 प्रतिशत और डॉव जोन्स इंडस्ट्रियल एवरेज 1.01 प्रतिशत नीचे बंद हुए।

दिल्ली हवाई अड्डा में विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित

नई दिल्ली। दिल्ली अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा लिमिटेड (डीआईएएल) ने पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में व्यवधान के बीच कुछ विदेशी एयरलाइनों को अस्थायी अतिरिक्त स्लॉट आवंटित किए हैं। यह कदम यात्रियों की बढ़ती मांग को पूरा करने और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों के संचालन में होने वाले व्यवधान को कम करने के उद्देश्य से उठाया गया है। सूत्रों के अनुसार ये अतिरिक्त स्लॉट अप्रैल और मई के महीने के लिए हैं। इन एयरलाइनों में केएलएम और एयर कनाडा शामिल हैं।

टीवीएस ने स्कूटर के तीन यूनिक आर्ट एडिशन किए लॉन्च

नई दिल्ली। अपने प्रीमियम इलेक्ट्रिक स्कूटर टीवीएस एक्स को टीवीएस मोटर कंपनी ने नए और रचनात्मक अंदाज में पेश किया। टीवीएस कंपनी ने 'कलेक्टर्स' सॉरी' नाम के विशेष इवेंट में इस स्कूटर के तीन यूनिक आर्ट एडिशन लॉन्च किए, जिन्हें प्रसिद्ध डिजाइनर मनोवीराज खोसला के साथ मिलकर तैयार किया गया है। इन एडिशन के जरिए स्कूटर को केवल एक वाहन नहीं, बल्कि कला और डिजाइन के प्रतीक के रूप में पेश किया गया है। इन खास एडिशन की डिजाइनिंग कर्नाटक की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत से प्रेरित है। हर स्कूटर में अलग-अलग कला शैलियों की झलक देखने को मिलती है।

इलेक्ट्रिक वाहनों में 'स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड' तकनीक बन रही ग्राहकों की पसंद

नई दिल्ली। भारतीय दो पहिया बाजार में इलेक्ट्रिक वाहनों में 'स्ट्रॉन्ग हाइब्रिड' तकनीक ग्राहकों की पहली पसंद बनती जा रही है। खासतौर पर 2025-26 के दौरान कई बड़ी कंपनियां इस सेगमेंट में अपनी नई एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी में हैं। बेहतर माइलेज, कम उत्सर्जन और स्मूद ड्राइविंग अनुभव के कारण हाइब्रिड गाड़ियों की मांग बढ़ रही है। इसी क्रम में रिनॉल्ट डस्टर का हाइब्रिड वर्जन सबसे ज्यादा चर्चा में है।

सिलेंडर, पैन कार्ड, बैंक एटीएम, नया कर कानून से लेकर रेलवे.....

1 अप्रैल से बदल जाएगा ये सबकुछ

नई दिल्ली। मार्च का महीना खत्म होने को हैं, और अगले कुछ दिन बाद अप्रैल माह शुरु होगा। हर महीने की तरह ये नया महीना भी देश में कई बड़े वित्तीय बदलावों के साथ शुरू होगा है और इन बदलावों का असर हर घर हर जेब पर पड़ेगा। कुछ बड़े बदलाव में मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध के चलते पहले से जारी एलपीजी संकट में बीत पहली अप्रैल से गैस सिलेंडर के दाम बदल सकते हैं, नया इनकम टैक्स एक्ट लागू लागू होने से टैक्स और सैलरी से जुड़े बदलाव होने वाले हैं। इतना ही नहीं पैन कार्ड को लेकर भी नियम बदलने होने जा रहा है।

1 अप्रैल 2026 की शुरुआत भी एलपीजी सिलेंडर की कीमतों में बदलाव के साथ हो सकती है। मिडिल ईस्ट में जारी युद्ध की शुरुआत के बाद गहराई एलपीजी किल्लत के बीच पहले ही तेल कंपनियां इनकी कीमतों में इजाफा करके महंगाई का झटका दे चुकी हैं और अब पहली तारीख को नए रेट जारी किए जा सकते हैं। इसके अलावा तेल की किल्लत के बीच हवाई ईंधन यानी एयर टर्बाइन फ्यूल की कीमतों में चेंज और सीएनजी-पीएनजी के रेट में बदलाव देखने को मिल सकता है। देश में दूसरा और सबसे बड़ा बदलाव अप्रैल की पहली तारीख से टैक्स से जुड़ा होने जा रहा है और आयकर अधिनियम, 2025 मौजूदा कानून की जगह लेगा, जो 1961 से लागू है। नया कर नियम के साथ ही टैक्स से जुड़े कई बदलाव देखने को मिलने वाले हैं। मोदी सरकार के मुताबिक, टैक्सपेयर्स पर अनुपालन का बोझ कम करने और कानून को आधुनिक आसान बनाने के लिए कई चेंज किए गए हैं।1 अप्रैल से आईटीआर भरने के लिए जिस फॉर्म 16 की आवश?यकता पड़ती है, अब आपको फॉर्म 16 नहीं मिलेगा, बल्कि इसकी जगह पर अब दूसरा फॉर्म दिया जाएगा और उसी फॉर्म का इस्तेमाल आप इनकम डॉक्यूमेंट के तौर पर कर सकते हैं।

फॉर्म 16 को टीडीएस का प्रमाणपत्र माना जाता है। यह सैलरी इनकम पर लगने वाला टीडीएस सर्टिफिकेट भी है। फॉर्म 16ए किराया, ब्याज, कारोबार और परामर्श शुल्क जैसी नॉन-सैलरी इनकम के लिए टीडीएस प्रमाणपत्र है। इसका नाम भी 1 अप्रैल से बदलकर फॉर्म 131 किया जाएगा।अगर आपका खाता एचडीएफसी, पीएनबी या फिर बंधन बैंक में है और आप इन बैंकों का एटीएम इस्तेमाल करते हैं, फिर आपके लिए भी 1 अप्रैल, 2026 से एटीएम नियम बदलने वाले हैं। एचडीएफसी बैंक फ्री एटीएम निकासी में अब यूपीआई निकासी को भी काउंट करेगा, अब तक ये अलग से गिनी जाती थीं। यानी एचडीएफसी बैंक के जो ग्राहक एटीएम पर यूपीआई का यूज करते हैं, एटीएम के जरिए मुफ्त लेनदेन लिमिट घट सकती है और इसके बाद विड्रॉल पर प्रति ट्रांजैक्शन 23 रुपये का शुल्क लग सकता है। वहीं पंजाब नेशनल बैंक (पीएनबी) ने अपने कुछ डेबिट कार्डों के लिए प्रतिदिन ट्रांजैक्शन की लिमिट में बदलाव का ऐलान किया है।

पेट्रोल पर तीन व डीजल पर 10 रुपए घटी एसाइज ड्यूटी, तेल कंपनियों को फायदा

- आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं, कच्चे तेल की कीमतों पर निर्भर रहेगा आगे का असर

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और एविएशन टरबाइन फ्यूल (एटीएफ) पर टैक्स और निर्यात नियमों में बड़ा बदलाव करते हुए एक्साइज ड्यूटी में भारी कटौती की है। हालांकि इस फैसले से आम उपभोक्ताओं को तुरंत राहत मिलने की संभावना नहीं है, क्योंकि पेट्रोल-डीजल के रिटेल दामों में फिलहाल कोई कमी नहीं की गई है।

सरकार का यह कदम ऊर्जा क्षेत्र में टैक्स ढांचे को सरल और तार्किक बनाने के उद्देश्य से उठाया गया है। केंद्र सरकार ने पेट्रोल और डीजल पर लगने वाली एक्साइज ड्यूटी में बड़ा बदलाव किया है। पेट्रोल पर एक्साइज ड्यूटी को 13 रुपये प्रति लीटर से घटाकर 3 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जबकि डीजल पर 10 रुपये प्रति लीटर की ड्यूटी को पूरी तरह समाप्त कर दिया गया है। वित्त मंत्रालय की अधिसूचना के अनुसार ये नए नियम तत्काल प्रभाव से लागू हो गए हैं। हालांकि इस कटौती के बावजूद आम लोगों को पेट्रोल-डीजल के दामों में किसी तरह की राहत नहीं मिलेगी। इसकी मुख्य वजह यह है कि तेल विपणन कंपनियां इस कटौती से होने वाले लाभ का उपयोग अपने नुकसान की भरपाई करने में करेंगी।

पिछले समय में कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल के कारण इन कंपनियों को नुकसान उठाना पड़ा था। ऐसे में अब लागत कम होने से उनके मुनाफे और कैश फ्लो में सुधार होगा। सरकार ने केंद्रीय उत्पाद शुल्क नियम, 2017 में भी संशोधन किया है। इसके तहत पेट्रोल, हाई-स्पीड डीजल (एचएसडी) और एटीएफ पर नियम 18 और 19 के प्रावधान लागू नहीं होंगे। हालांकि सार्वजनिक क्षेत्र की तेल कंपनियों को पड़ोसी देशों नेपाल, भूटान, बांग्लादेश और श्रीलंका को ईंधन निर्यात करने पर पहले की तरह छूट मिलती रहेगी। निर्यात के मोर्चे पर भी सरकार ने अहम बदलाव किए हैं। हाई-स्पीड डीजल के निर्यात पर विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क 18.5 रुपये प्रति लीटर तय किया गया है, जबकि पेट्रोल के निर्यात पर इस शुल्क को शून्य रखा गया है। इससे पेट्रोल निर्यात को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है।

कई कंपनियां 8-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ कार लॉन्च की तैयारी

नई दिल्ली । भारतीय ऑटोमोबाइल बाजार में आने वाले महीनों में कई बड़ी कंपनियां अपनी लोकप्रिय कारों को 8-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स के साथ लॉन्च करने की तैयारी में हैं। वर्तमान में यह सुविधा केवल महंगी और लग्जरी गाड़ियों तक सीमित थी, लेकिन अब मिड-रेंज सेगमेंट में भी इसकी एंट्री होने जा रही है। इस कड़ी में एमजी मोटर इंडिया अपनी नई प्रीमियम एसयूवी मेजेस्टर को लॉन्च करने की तैयारी में है, जिसमें 2.0 लीटर ट्विन-टर्बो डीजल इंजन के साथ 8-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स दिया जाएगा।

वहीं रिनॉल्ट डस्टर का नया हाइब्रिड वर्जन भी इसी तकनीक के साथ आने की उम्मीद है, जो बेहतर माइलेज और स्मूद ड्राइविंग का संतुलन पेश करेगा। इसके अलावा निसान मोटर की अपकमिंग टेक्टन एसयूवी और उसका 7-सीटर वर्जन भी 8-स्पीड हाइब्रिड गियरबॉक्स के साथ बाजार में उतर सकते हैं।

स्कोडा और फॉक्सवैगन भी अपने पोर्टफोलियो को अपडेट करते हुए नए गियरबॉक्स को शामिल करने की योजना बना रहे हैं। स्कोडा स्लाविया और कायलाक जैसे मॉडल्स के साथ-साथ फॉक्सवैगन टाइगुन और वर्टस में भी यह तकनीक देखने को मिल सकती है।

विशेषज्ञों के अनुसार, 8-स्पीड ऑटोमैटिक गियरबॉक्स से गियर शिफ्टिंग ज्यादा स्मूद होती है, जिससे न केवल ड्राइविंग आसान बनती है बल्कि फ्यूल एफिशिएंसी भी बेहतर होती है।

गोल्डमैन सैक्स ने निफ्टी-50 का टारगेट घटाकर 25,300 किया

- भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए

नई दिल्ली। अमेरिकी इन्वेस्टमेंट बैंक और फाइनेंशियल सर्विसेस कंपनी गोल्डमैन सैक्स ने भारत के शेयर बाजार पर अपनी राय बदल दी है। कंपनी ने भारत को पहले ओवरवेट से बदलकर मार्केटवेट कर दिया है। निफ्टी 50 का 12 महीने का टारगेट 29,500 से घटाकर 25,300 कर दिया गया है। इस बदलाव का मुख्य कारण पश्चिम एशिया में चल रहा इजराइल-ईरान संघर्ष और स्ट्रेट ऑफ होर्मुज में तेल की सप्लाई पर असर है।

इसके चलते तेल और गैस की कीमतों में वृद्धि की आशंका बढ़ गई है, जो भारत जैसे बड़े तेल आयातक देश के लिए महंगी साबित होगी। गोल्डमैन सैक्स ने भारत की कंपनियों की कमाई के अनुमान भी घटाए हैं। 2026 के लिए अर्निंग्स ग्रोथ 16 फीसदी से घटकर 8 फीसदी रह गई है, जबकि 2027 के लिए यह 14 फीसदी से घटकर 13 फीसदी रह गया है। इसके अलावा भारत की जीडीपी ग्रोथ का अनुमान 5.9 फीसदी किया गया है। महंगाई में 70 बेसिस पॉइंट का इजाफा और करंट अकाउंट डेफिसिट 2 फीसदी जीडीपी तक बढ़ने का अंदेशा है। रुपये पर दबाव और संभावित 50 बेसिस पॉइंट की दर वृद्धि भी बाजार पर असर डाल सकती है। सितंबर 2024 के बाद से विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों ने भारतीय शेयरों से 42 बिलियन डॉलर निकाले हैं।

कमाई में कटौती और एआई से जुड़े जोखिम के कारण, गोल्डमैन का मानना है कि विदेशी निवेशक जल्दी वापस नहीं आएंगे। कंपनी ने कुछ सेक्टर्स को पॉजिटिव माना है जैसे बैंक, स्टेपल्स, टेलीकॉम, डिफेंस और एनर्जी। घरेलू साइक्लिकल सेक्टर्स जैसे ड्यूरेबल्स, ऑटो और एनबीएफसीएस को मार्केटवेट किया गया है, जबकि ओएमसी को अंडरवेट कर दिया गया है।

गोल्डमैन सैक्स का यह डाउनग्रेड बाजार को सतर्क करने का संकेत है। बढ़ते तेल दाम, महंगाई और कमजोर विदेशी निवेश प्रवाह से निकट अवधि में बाजार में उतार-चढ़ाव बढ़ सकते हैं। निवेशकों को अपनी रिसर्च और विशेषज्ञ सलाह के आधार पर ही निर्णय लेना चाहिए।

एनसीआर में तीन गुना महंगी हो गई प्रॉपर्टी, सिर्फ तीन साल में बढ़े भाव

- वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना, प्लॉट की औसतन डेढ़ गुना वृद्धि

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र (एनसीआर) में रियल एस्टेट की डिमांड हमेशा उच्च रही है, लेकिन यमुना एक्सप्रेसवे के पास नोएडा और ग्रेटर नोएडा क्षेत्र विशेष रूप से निवेशकों के लिए आकर्षक बन गया है। एक रियल एस्टेट कंसल्टेंसी कंपनी की रिपोर्ट के अनुसार वर्ष 2020 से 2025 के बीच फ्लैट की कीमतें लगभग तीन गुना बढ़ी हैं, जबकि प्लॉट की कीमतों में औसतन डेढ़ गुना वृद्धि हुई है।

कुछ चुनिंदा इलाकों में यह वृद्धि 5 गुना तक पहुंच गई, जो निवेशकों की बढ़ती रुचि और बुनियादी ढांचे के विकास को दर्शाती है। रिपोर्ट में कहा गया है कि यह तेजी मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के जेवर में बन रहे अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से जुड़े बुनियादी ढांचा विकास के कारण है। कंपनी के अनुसार वित्त वर्ष 2026-27 के दौरान बाजार में स्थिरता आने की उम्मीद है, जिसमें फ्लैट की मांग में बढ़त और प्लॉट की कीमतों में सीमित वृद्धि देखने को मिल सकती है। पिछले वर्ष इस क्षेत्र में फ्लैट की औसत कीमत लगभग 9,600 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट की कीमत लगभग 2,500 रुपये प्रति वर्ग फुट थी। रिपोर्ट के अनुसार अगले दो वर्षों में यह बढ़कर फ्लैट के लिए 11,800 रुपये प्रति वर्ग फुट और प्लॉट के लिए 3,200 रुपये प्रति वर्ग फुट तक पहुंच सकती है। इससे अनुमान लगाया जा सकता है कि आगामी दो साल में कीमतों में वृद्धि लगभग 22 प्रतिशत के आसपास रहेगी। विशेषज्ञों के अनुसार, फ्लैट या प्लॉट में निवेश करने का यह समय उपयुक्त है। लंबी अवधि में रिटर्न की संभावना देखते हुए, निवेशकों के लिए यह अवसर सुनहरा कहा जा सकता है।

अल्ट्राटेक और जेपीएस विवाद खत्म, अडानी समूह को मिली राहत

- 10 साल से चले आ रहे पुराने विवाद का हुआ अंत

नई दिल्ली। दिग्गज कारोबारी गौतम अडानी के हाथों में जेपी एसोसिएट्स (जेपीएएल) आने के बाद 10 साल से चले आ रहे विवाद का अंत हो गया है। अल्ट्राटेक सीमेंट और जेपीएस के बीच उत्तर प्रदेश की डल?ला सुपर यूनिट और संबंधित खानों को लेकर विवाद का समाधान आउट ऑफ कोर्ट सेटलमेंट के जरिए हुआ।

इस फैसले से तीनों पक्षों को लाभ हुआ है। विवाद 2016 में शुरू हुआ, जब अल्ट्राटेक ने यूपी की डल?ला सुपर यूनिट और उसकी खानों को खरीदने के लिए जेपीएस से सौदा किया। डील के तहत यूपी, हिमाचल, उत्तराखंड, मध्य प्रदेश और आंध्र प्रदेश में स्थित 6 प्लांट और 5 ग्राइंड यूनिट बेची गई। कुल डील की वैल्यू 16,189 करोड़ रुपये थी। अल्ट्राटेक ने डल?ला सुपर यूनिट और खानों के लिए जेपीएस को 1 लाख तरजीही शेयर जारी किए, जिनकी कुल कीमत 1,000 करोड़ रुपये थी। ये शेयर एसक्रो अकाउंट में रखे गए और कुछ शर्तें पूरी होने पर ही रिडीम हो सकते थे। विवाद का कारण रिडेम्पशन में देरी और अप्रूवल पेंडिंग शर्त थी। अल्ट्राटेक ने बताया कि 26 मार्च, 2026 को मध्यस्थता और अंतिम निर्णय के बाद डल?ला सुपर यूनिट और खानों में सभी अधिकार अल्ट्राटेक को मिल गए। इससे जुड़े सभी दावे, आय और जिम्मेदारियां समाप्त हो गई हैं। अब 1,000 करोड़ रुपये के शेयर रिडीम किए गए और एसक्रो अकाउंट के जरिए सीधे कर्जदाताओं को पैसा मिलेगा। जेपीएस की खरीद के लिए अडानी समूह ने 14,535 करोड़ रुपये की बोली लगाई थी, जिसे एनसीएलटी ने मंजूरी दी। विवाद सुलझने के बाद अडानी समूह पर 1,000 करोड़ रुपये का कैश आउटफ्लो कम हुआ। हालांकि, अल्ट्राटेक की बढ़ी ताकत अब सीमेंट बाजार में अडानी के लिए चुनौती भी बनेगी। अल्ट्राटेक को विवाद के समाधान से डल्ला सुपर यूनिट और खानों पर पूर्ण अधिकार मिला।

भारत ने डब्ल्यूटीओ से विवाद निपटान प्रणाली को सक्रिय करने का आह्वान किया

- मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा

नई दिल्ली। कैमरून के याओन्डे में विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) के 14वें मंत्रिस्तरीय सम्मेलन (एमसी14) के पहले दिन वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने सदस्य देशों से विवाद निपटान प्रणाली को पूरी तरह से सक्रिय करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि अमेरिका द्वारा अपीलीय निकाय में नियुक्तियों में बाधा डालने के कारण यह प्रणाली 2009 से ठीक से काम नहीं कर रही है। मंत्री ने इसे स्वचालित और बाध्यकारी बनाने की आवश्यकता पर जोर दिया। गोयल ने कहा कि 1998 से इलेक्ट्रॉनिक ट्रांसमिशन पर सीमा शुल्क नहीं लगाने की डब्ल्यूटीओ सहमति को लेकर सावधानीपूर्वक पुनर्विचार जरूरी है। उन्होंने स्पष्ट किया कि इसके दायरे और संभावित राजस्व प्रभावों को ध्यान में रखते हुए ही स्थगन को आगे बढ़ाया जाना चाहिए। मंत्री ने जोर दिया कि डब्ल्यूटीओ सुधार पारदर्शी, समावेशी और सदस्य-संचालित प्रक्रिया के माध्यम से होने चाहिए। उन्हें विकास, समानता और गैर-भेदभाव जैसे मूलभूत सिद्धांतों के पालन पर विशेष ध्यान रखना चाहिए। गोयल ने कहा कि खाद्य सुरक्षा के लिए सार्वजनिक भंडारण, विशेष सुरक्षा उपाय और कपास पर स्थायी समाधान लंबित मुद्दे हैं और इन्हें प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाना चाहिए। उन्होंने मछली पकड़ने के लिए व्यापक सब्सिडी समझौते" पर चर्चा की आवश्यकता पर बल दिया, जो गरीब मछुआरों की आजीविका सुरक्षित रखे और संसाधनों के संतुलित उपयोग को सुनिश्चित करे। गोयल ने कहा कि डब्ल्यूटीओ को वैश्विक व्यापार का केंद्र बनाए रखना जरूरी है। सुधारों का लक्ष्य जवाबदेही बढ़ाना, विकास और समावेश को बढ़ावा देना, और गरीब व कमजोर देशों के हितों की रक्षा करना चाहिए। चार दिवसीय मंत्रिस्तरीय सम्मेलन 29 मार्च को समाप्त होगा।

वैश्विक अनिश्चितता से गिरावट के साथ खुले भारतीय शेयर बाजार

- सेंसेक्स 800 से ज्यादा अंक टूटा, निफ्टी 23100 के करीब

मुंबई। हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को भारतीय शेयर बाजार कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच गिरावट के साथ खुला। अमेरिका और ईरान के बीच संभावित युद्धविराम को लेकर जारी अनिश्चितता ने निवेशकों को सतर्क बना दिया है, जिसका असर घरेलू बाजार पर साफ दिखा।

शुरुआती कारोबार में ही बीएसई सेंसेक्स 500 अंकों से अधिक गिरकर 74,883.79 पर खुला। खुलने के तुरंत बाद गिरावट और तेज हो गई। सुबह 9=27 बजे सेंसेक्स 784.99 अंक यानी 1.04 प्रतिशत टूटकर 74,488.46 पर कारोबार करता दिखा। इसी तरह ?निफ्टी 50 भी दबाव में रहा। निफ्टी 23,173.55 पर खुला, लेकिन जल्द ही गिरावट गहराते हुए सुबह 9=31 बजे 270.05 अंक या 1.16 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,082.10 पर पहुंच गया। बाजार में गिरावट की एक बड़ी वजह इंडेक्स हैवीवेट शेयरों में बिकवाली रही।

खासतौर पर एचडीएफसी बैंक और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में कमजोरी ने बाजार पर नकारात्मक दबाव डाला। इसके अलावा, डॉलर के मुकाबले रुपये में आई तेज गिरावट ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया है। कमजोर रुपये से विदेशी निवेशकों का भरोसा डगमगा सकता है, जिससे बाजार में पूंजी निकासी का जोखिम बढ़ जाता है। विशेषज्ञों के अनुसार जब तक वैश्विक स्तर पर स्थिति स्पष्ट नहीं होती, तब तक बाजार में उतार-चढ़ाव बना रह सकता है। ऐसे में निवेशकों को सतर्क रहकर निवेश संबंधी फैसले लेने की सलाह दी जा रही है।

नोकिया ने समर मित्तल और विभा मेहरा को सौंपी भारत की कमान

-कंपनी ने यह बदलाव बिजनेस रणनीति को और बेहतर बनाने किया

नई दिल्ली। नोकिया ने गुरुवार को भारत में अपनी लीडरशिप टीम में बड़े बदलाव का ऐलान किया है। कंपनी ने समर मित्तल को इंडिया कंट्री बिजनेस लीडर और विभा मेहरा को इंडिया कंट्री मैनेजर बनाया है। ये दोनों नियुक्तियां 1 अप्रैल से लागू होंगी। कंपनी का कहना है कि यह बदलाव भारत में अपनी मौजूदगी को मजबूत करने और बिजनेस रणनीति को और बेहतर बनाने के लिए किया गया है।

नए रोल में समर मित्तल भारत में नोकिया की बिजनेस रणनीति का नेतृत्व करेंगे। उनका फोकस टेलीकॉम ऑपरेटरों के साथ साझेदारी बढ़ाने के साथ-साथ एआई, क्लाउड सर्विसेज और एंटरप्राइज सेक्टर में नए अवसर तलाशने पर रहेगा। वहीं दूसरी ओर विभा मेहरा नोकिया के भारत में कुल संचालन को संभालेंगी। वे कंपनी की कम्युनिकेशन, सरकारी संबंध और पब्लिक एंगेजमेंट पर काम करेंगी।

साथ ही वे कंपनी की सीएसआर गतिविधियों और कर्मचारियों से जुड़ी रणनीतियों को भी आगे बढ़ाएंगी। इन दोनों अधिकारियों के पास अपने-अपने क्षेत्रों में लंबा अनुभव है। समर मित्तल के पास टेलीकॉम और आईटी सेक्टर में करीब 30 साल का अनुभव है, और वे पहले मिडिल ईस्ट और अफ्रीका में नोकिया के क्लाउड और नेटवर्क सर्विसेज बिजनेस को संभाल चुके हैं। विभा मेहरा के पास 26 साल से ज्यादा का अनुभव है और वे माइक्रोसॉफ्ट, इंटेल और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज जैसी बड़ी कंपनियों के साथ काम कर चुकी हैं। हाल ही में वे एशिया-प्रशांत क्षेत्र में नोकिया की गवर्नमेंट रिलेशंस हेड रही हैं। रिपोर्ट के मुताबिक कंपनी ने कहा कि दोनों लीडर मिलकर भारत में नोकिया की रणनीति को आगे बढ़ाएंगे ।

जिला कांग्रेस कार्यसमिति की मासिक बैठक आज

सीधी। जिला कांग्रेस कमेटी सीधी की मासिक कार्यसमिति बैठक आज 28 मार्च 2026 को दोपहर 12 बजे जवाहर भवन सीधी में आयोजित की जाएगी। बैठक में मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटीए भोपाल से नियुक्त जिला संगठन प्रभारी दिलीप मिश्रा मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगेए जबकि बैठक की अध्यक्षता जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष ज्ञान सिंह द्वारा की जाएगी।

इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला पदाधिकारीए ब्लॉक अध्यक्षगणए सहयोगी संगठनों के अध्यक्षए विभाग एवं प्रकोष्ठ के अध्यक्षों सहित कांग्रेस के विभिन्न पदाधिकारियों की उपस्थिति अपेक्षित है। जिला कांग्रेस कमेटी ने सभी संबंधित पदाधिकारियों से समय पर उपस्थित होकर अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने का आग्रह किया है। बैठक में संगठनात्मक मजबूती पर रहेगा फोकस एजनसंपर्क अभियान सहित स्थानीय मुद्दों को लेकर चर्चा की जाएगी एवं गत माह तय किए गए कार्यक्रमों की समीक्षा भी की जाएगी।

1 से 4 अप्रैल तक चलेगा 'स्कूल चलें हम' अभियान, 1 अप्रैल को प्रवेशोत्सव

सीधी नवीन शैक्षणिक सत्र 2026-27 के शुभारंभ के साथ जिले में 01 से 04 अप्रैल तक ÷स्कूल चलें हम÷ अभियान संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत 01 अप्रैल को सभी विद्यालयों एवं जिला स्तर पर प्रवेशोत्सव कार्यक्रम आयोजित होगा, जिसमें जनप्रतिनिधियों की सहभागिता से विद्यार्थियों को निःशुल्क पाठ्यपुस्तक एवं साइकिल का वितरण किया जाएगा। साथ ही उत्कृष्ट विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का सम्मान भी किया जाएगा तथा शाला से बाहर रहे बच्चों का नामांकन सुनिश्चित किया जाएगा।

02 अप्रैल को पालकों के साथ सांस्कृतिक एवं खेलकूद गतिविधियों का आयोजन कर उनका विद्यालय से जुड़ाव बढ़ाया जाएगा।

पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में 'प्रयास' पत्रिका का विमोचन

सीधी पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय चुरहट में 'प्रयास' पत्रिका का विधिवत विमोचन किया गया। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी ने बताया कि यह पत्रिका जिलाधिकारी सीधी के मार्गदर्शन तथा उपायुक्त आर. के. वर्मा एवं सहायक उपायुक्त दीक्षा ज्योति मिश्रा के संरक्षण में संपादित की गई है।

पत्रिका के प्रधान संपादक प्राचार्य डॉ. डी.के. त्रिपाठी हैं, जबकि सहायक संपादक के रूप में सुधीर सरोज, श्रीमती रिचा एवं श्री मनीष कुमार दीक्षित का योगदान रहा। यह पत्रिका पीएम श्री योजना के अंतर्गत ÷यंग साइंस राइटर फंड÷ से तैयार की गई है। प्राचार्य ने बताया कि पत्रिका का मुख्य उद्देश्य विद्यालय की प्रगति, छात्रों की रचनात्मक प्रतिभा एवं उनके अनुभवों को कविता, कहानी एवं लेख के माध्यम से समाज तक पहुंचाना है।

विमोचन अवसर पर उप प्राचार्य श्री सुबोध कुमार तिवारी, वरिष्ठ शिक्षक श्री रूपेश कुमार चौधरी, श्री प्रवेश कुमार सिंह, विद्यालय के कैप्टन हर्षित द्विवेदी एवं अनुपमा द्विवेदी सहित समस्त शिक्षक, कर्मचारी एवं छात्र उपस्थित रहे। कार्यक्रम के दौरान छात्रों में उत्साह एवं हर्षोल्लास का वातावरण रहा।

टंसार में 28 मार्च को वृहद विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर

सीधी सचिव, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सीधी ने जानकारी देते हुए बताया कि म.प्र. राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशन में 28 मार्च 2026 (शनिवार) को प्रातः 10.30 बजे वृहद विधिक जागरूकता एवं साक्षरता शिविर आयोजित किया जाएगा।

यह शिविर पीएम श्री शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय टंसार, विकासखण्ड कुसमी, जिला सीधी के प्रांगण में आयोजित होगा।

ट्रैक्टर.ट्रॉली में 1000 लीटर अवैध डीजल बरामद पेट्रोल पंप सीज

जितेन्द्र शर्मा प्रतिनिधि अमरपाटन मैहर जिले में डीजल की कथित कालाबाजारी से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर सर्कुलेट हो रहा हैण् वीडियो सामने आने के बाद प्रशासनिक अमले में हड़कंप मच गया और तत्काल मौके पर पहुंचकर जांच शुरू की गईण् वीडियो में एक ट्रैक्टर.ट्रॉली के जरिए बड़ी मात्रा में डीजल ले जाते हुए देखा जा सकता हैण् बताया जा रहा है कि ट्रॉली में करीब 1000 लीटर डीजल चार ड्रमों में भरकर परिवहन किया जा रहा थाण् जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1 लाख रुपये बताई जा रही है। 'प्रशासन की कार्रवाईए मौके पर पहुंची टीम' मामले की जानकारी लगते ही गंभीरता को देखते हुए प्रशासन ने तुरंत संज्ञान लिया॰कडए तहसीलदार और॑ क्ुच् पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और पूरे घटनाक्रम की जांच शुरू कीण् प्रारंभिक जांच के दौरान संदिग्ध रूप से जुड़े महादेव पेट्रोल पंप पर छापेमार कार्रवाई की गईए जहां से इस डीजल की आपूर्ति होने की आशंका जताई जा रही है। 'स्टॉक रजिस्टर में गड़बड़ीए बढ़ा संदेह' मामले की जांच के दौरान पेट्रोल पंप के स्टॉक रजिस्टर में अनियमितताएं पाई गईंए जिससे मामला और गंभीर हो गया हैण् अधिकारियों ने पंप के रिकॉर्डए बिक्री और स्टॉक से संबंधित दस्तावेजों की बारीकी से जांच शुरू कर दी हैण् प्रशासन यह पता लगाने की कोशिश कर रहा है कि क्या स्टॉक में हेरफेर कर डीजल को अवैध रूप से बाहर भेजा जा रहा था। 'पेट्रोल पंप पर बिक्री अस्थायी रूप से बंद' मामले को गंभीर मानते हुए॰कड आरती सिंह ने बड़ा कदम उठाया हैण् उन्होंने संबंधित पेट्रोल पंप पर अगले आदेश तक पेट्रोल और डीजल की बिक्री पर अस्थायी रोक लगाने के निर्देश दिए हैंए यह कार्रवाई एहतियातन की गई हैए ताकि जांच पूरी होने तक किसी भी प्रकार की अनियमितता को रोका जा सके। ॰कड आरती सिंह का बयान' ॰कड आरती सिंह ने बताया कि मामला संज्ञान में आने के बाद तुरंत जांच शुरू की गई हैण् प्रारंभिक जांच में कुछ अनियमितताएं सामने आई हैंण् संबंधित पेट्रोल पंप की बिक्री पर अस्थायी रोक लगाई गई है और जांच के बाद आवश्यक कार्रवाई की जाएगीण्श् प्रशासन ने आम नागरिकों से अपील की है कि वे अफवाहों पर ध्यान न दें और किसी भी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी तुरंत प्रशासन को देंण् फिलहाल पूरा मामला जांच के अधीन है। जांच पूरी होने के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि यह वास्तव में कालाबाजारी का मामला है या डीजल का परिवहन किसी वैध उद्देश्य से किया जा रहा था।

अवैध कफसिरप के साथ पकड़ाया आरोपी

कोतवाली थाना प्रभारी की तत्परता से मिली बड़ी कामयाबी

सीधी। पुलिस महानिरीक्षक रीवा जोनए रीवा गौरव राजपूत के निर्देशन में चलाए जा रहे अभियान प्रहार 2.0 के अंतर्गत नशे के अवैध कारोबार और तस्करी के विरुद्ध सीधी पुलिस की कार्यवाही निरंतर जारी है। इसी क्रम में पुलिस अधीक्षक सीधी संतोष कोरी के मार्गदर्शन अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविंद श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय अमन मिश्रा की देखरेख में थाना प्रभारी कोतवाली निरीक्षक अभिषेक उपाध्याय के नेतृत्व में कोतवाली पुलिस टीम द्वारा अवैध नशीली दवाओं की तस्करी करने वाले एक आरोपी को गिरफ्तार करने में महत्वपूर्ण सफलता अर्जित की है।

पुलिस के अनुसार दिनांक 26 मार्च 2026 एवं 27 मार्च 2026 की दरमियानी रात पुलिस को मुखबिर के माध्यम से पुख्ता सूचना प्राप्त हुई कि सोनाखांड निवासी एक युवक अपनी स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल पर भारी मात्रा में अवैध नशीली कफसिरप लेकर बेचने की फिराक में जा रहा है। सूचना की गंभीरता को देखते हुए थाना प्रभारी द्वारा तुरंत पुलिस टीम गठित कर कार्यवाही हेतु निर्देशित किया गया।

पुलिस टीम द्वारा सोनाखांड तिराहे पर तत्परता से नाकाबंदी की गई। घेराबंदी के दौरान मुखबिर के बताए अनुसार हुलिए वाला संदिग्ध मोटरसाइकिल सवार पुलिस को आता दिखाए जिसे रोका गया। पूछताछ में उसने अपना नाम अजीत जायसवाल उर्फ लाला पिता राजमणि जायसवाल 24 वर्ष निवासी सोनाखांड बताया। तलाशी लेने पर मोटरसाइकिल पर सामने रखी सीमेंट की बोरी से 40 शीशी अवैध नशीली कफसिरप बरामद की गई।

बरामद दवाओं की अनुमानित कीमत 8ए000 रुपये है। इसके साथ ही अपराध में प्रयुक्त की जा रही नीले रंग की यामाहा आर15 मोटरसाइकिल जिसकी अनुमानित कीमत लगभग 1ण्50 लाख रुपये हैए को भी पुलिस द्वारा जब्त कर लिया गया है। इस पूरी कार्यवाही में कुल लगभग 1ण्58 लाख रुपये का मसरूका जब्त किया गया है।

जल ही जीवन है,जल बचाओ जीवन बचाओ का दिया संदेश

मैहर। जन अभियान परिषद के तत्वाधान में जल गंगा संवर्धन अभियान अंतर्गत प्रस्फुटन गांव तिघराखुर्द सेक्टर क्रमांक एक अमदरा में नवांकुर संस्था सेवावाहिनी द्वारा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति तिघरा खुर्द धनवाही में जल संरक्षण और संवर्धन का आयोजन किया गया। जवारे विसर्जन कार्यक्रम में सेवावाहिनी अध्यक्ष अजय दुबे, इंद्रपाल अध्यक्ष प्रस्फुत समिति और ग्रामीणजन प्रहलाद सिं,ह जगन्नाथ पटेल, प्रेम सिंह, अशोक पटेल, अशोक भाई, बब्ली, रतीभान यादव, केशव तिवारी एवं अरविंद तिवारी आदि ने भाग लिया। और उपस्थितजनो को जल संरक्षण और संवर्धन का संदेश देकर जल ही जीवन है, जल बचाओ, जीवन बचाओ के नारों के साथ जल संचय का संदेश दिया गया।

संतूर वादक अभय रुस्तुम ने दी मनमोहक प्रस्तुति

मैहर। भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं संस्कृति के संरक्षण और प्रसार हेतु समर्पित अंतरराष्ट्रीय संस्था स्पिक मैके द्वारा आयोजित संतूर वादन की लेक्चर डेमोंस्ट्रेशन श्रृंखला अत्यंत सफलता पूर्वक संपन्न हुई। इस श्रृंखला के अंतर्गत देश के सुप्रसिद्ध संतूर वादक पंडित अभय रुस्तुम सोपोरी का 22 मार्च से 26 मार्च तक मैहर प्रवास रहा। इस दौरान उन्होंने जिले के विभिन्न विद्यालयों एवं महाविद्यालयों में विद्यार्थियों को भारतीय शास्त्रीय संगीत की गहराइयों से परिचित कराया। उनके संतूर वादन की मनमोहक प्रस्तुतियों ने विद्यार्थियों एवं श्रोताओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। इस श्रृंखला के अंतर्गत गुरुकुल विद्यालय, बड़ा अखाड़ा, वेद विद्यालय अरकांडी, सरस्वती शिशु मंदिर, शासकीय एकलव्य आवासीय विद्यालय, पीएम श्री हायर सेकेंडरी स्कूल पाल, पीएम श्री शासकीय विवेकानंद महाविद्यालय, सरला विद्या निकेतन एवं विधि विद्यालय ओइला सहित संस्थानों में सफल आयोजन किए ।

सांसद ने उठाया अहम मुद्दा प्रवासी मृतकों के पार्थिव शरीर लाने योजना की मांग

सीधी। लोकसभा क्षेत्र के सांसद डॉण् राजेश मिश्रा ने आज लोकसभा में शून्यकाल के दौरान एक अत्यंत संवेदनशील एवं जनहित से जुड़े मुद्दे को प्रमुखता से उठाया। उन्होंने सीधीए सिंगरौली एवं ब्यौहारी क्षेत्र के उन नागरिकों की समस्या को सदन के समक्ष रखाए जो रोजगारए व्यवसाय या उपचार के लिए अन्य राज्यों में जाते हैं। सांसद ने बताया कि कई बार दुर्भाग्यवश इन लोगों का अन्य प्रदेशों में निधन हो जाता हैए जिसके बाद उनके पार्थिव शरीर को गृह क्षेत्र तक लाने में परिजनों को भारी आर्थिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है।

यह स्थिति विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के लिए अत्यंत पीड़ादायक होती है। डॉण् राजेश मिश्रा ने केंद्र सरकार से इस समस्या के समाधान हेतु एक ठोस योजना बनाने की मांग की। उन्होंने सुझाव दिया कि इसके लिए अलग से बजटीय प्रावधान किया जाए या इसे आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत शामिल किया जाएए ताकि जरूरतमंद परिवारों को राहत मिल सके। सांसद के इस प्रस्ताव को क्षेत्रीय जनभावनाओं से जुड़ा बताते हुए स्थानीय नागरिकों ने सराहना की है। उनका मानना है कि यदि इस दिशा में सरकार ठोस कदम उठाती हैए तो संकट की घड़ी में हजारों परिवारों को बड़ी सहायता मिल सकेगी।

कागजों में सीमित है आहार अनुदान योजना

3 हजार 452 बैगा परिवार की महिलाएं योजना से वंचित

सीधी। अति विशेष पिछड़ी जनजातियों के लिए लागू की गई सरकार की आहार अनुदान योजना का लाभ जमीनी स्तर पर नहीं पहुंच पा रहा है। बैगा और सहरिया परिवारों की महिला मुखियाओं को प्रति माह ?1500 देने के लिए मध्यप्रदेश शासन द्वारा अक्टूबर 2023 में आदेश जारी किया गया थाए लेकिन यह योजना अब तक कागजों में ही दबी हुई नजर आ रही है।बैगा समाज संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष गौरीशंकर बैगा ने योजना को लेकर बरती जा रही लापरवाही पर आरोप लगाते हुए कहा कि शासन का आदेश जारी होने के बावजूद प्रशासन द्वारा इसका प्रभावी क्रियान्वयन नहीं किया गया। उन्होंने बताया कि कुसमी क्षेत्र सहित सीधी जिले में पंचायतों के माध्यम से महिलाओं के आवेदन फार्म भरवाए गए थेए लेकिन आज तक किसी भी हितग्राही को योजना का लाभ नहीं मिल सका।उन्होंने यह भी जानकारी दी कि इस संबंध में कई बार मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर अवगत कराया गया है। हाल ही में जिले में आए प्रदेश के राज्यपाल को भी ज्ञापन सौंपा गयाए लेकिन इसके बावजूद स्थिति जस की तस बनी हुई है।प्रदेश उपाध्यक्ष के अनुसार केवल सीधी जिले में ही 3 हजार 452 पात्र बैगा महिलाएं इस योजना से वंचित हैंए जबकि पूरे प्रदेश में भी अति विशेष पिछड़ी जनजातियों की यही स्थिति बनी हुई है।लापरवाही पर ग्राम छलवारी की शांति बैगाए बकवा की रामबाई बैगा ठाडीपाथर की बसंती बैगा और समितियां बैगा सहित कई महिलाओं ने बताया कि एक वर्ष पूर्व पंचायत के माध्यम से उनके फार्म जमा कराए गए थेए लेकिन अब तक अनुदान राशि नहीं मिली।

खजुरीताल आश्रम में मनाया गया भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव

मैहर। मानसपीठ खजुरीताल में मर्यादा पुरुषोत्तम भगवान श्रीराम का जन्मोत्सव अत्यंत श्रद्धा, उल्लास एवं भव्यता के साथ मनाया गया। इस अवसर पर क्षेत्र के श्रद्धालु बड़ी संख्या में उपस्थित हुए और पूरे वातावरण को भक्तिमय बना दिया। कार्यक्रम के दौरान भजन कीर्तन का आयोजन किया गया जिसमें उपस्थित श्रद्धालुओं ने भावपूर्ण भक्ति गीत गाकर भगवान श्रीराम का गुणगान किया। जगद्गुरु स्वामी रामललाचार्य जी महाराज ने अपने संबोधन में कहा कि भगवान श्रीराम केवल एक आदर्श राजा ही नहीं बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए जीवन जीने की सर्वोत्तम प्रेरणा हैं। उन्होंने कहा कि श्रीराम का जीवन हमें सत्य, मर्यादा, त्याग, कर्तव्यनिष्ठा और धर्म के मार्ग पर चलने की सीख देता है। आज के समय में यदि हम श्रीराम के आदर्शों को अपने जीवन में उतार लें तो परिवार, समाज और राष्ट्र सभी में सुख शांति और समृद्धि स्थापित हो सकती है। उन्होंने आगे कहा कि भगवान श्रीराम ने अपने जीवन में हर परिस्थिति में धैर्य, करुणा और न्याय का परिचय दिया। चाहे वनवास का कठिन समय हो या रावण जैसे अधर्म का अंत करने का संकल्प श्रीराम ने सदैव धर्म का पालन किया। उनके आदर्शों का अनुसरण करते हुए अपने जीवन में सदाचार और सेवा भाव को अपनाना चाहिए।

जिला चिकित्सालय में व्यवस्थाएं सुधारने के निर्देश, कलेक्टर ने किया निरीक्षण

स्वच्छ एवं सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करने के निर्देश

सीधी कलेक्टर विकास मिश्रा द्वारा जिला चिकित्सालय का शुक्रवार को निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए प्रबंधन को स्पष्ट निर्देश दिए कि सभी व्यवस्थाएं दुरुस्त एवं सुव्यवस्थित रखी जाएं। व्यवस्थाओं में सुधार नहीं होने पर लापरवाह अधिकारियों के विरुद्ध कड़ी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।कलेक्टर ने कहा कि जिला चिकित्सालय वह स्थान है जहां मरीज स्वस्थ होने की उम्मीद लेकर आता है, इसलिए अस्पताल परिसर पूर्णतः स्वच्छ, सुरक्षित एवं संक्रमण मुक्त होना चाहिए। उन्होंने स्वच्छता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने पर जोर देते हुए कहा कि यह जिम्मेदारी अस्पताल प्रबंधन के साथ-साथ मरीजों के परिजनों की भी है।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देशित किया कि मरीजों को गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवाएं समय पर उपलब्ध कराई जाएं तथा चिकित्सकों की उपस्थिति नियत समय के अनुसार सुनिश्चित हो। आयुष्मान कार्डधारी हितग्राहियों को निःशुल्क उपचार उपलब्ध कराने एवं पात्र व्यक्तियों के आयुष्मान कार्ड बनाने के भी निर्देश दिए गए।

कलेक्टर ने अस्पताल में उपलब्ध भोजन की गुणवत्ता पर विशेष ध्यान देने, मुख्यमंत्री जननी सुरक्षा योजना एवं मुख्यमंत्री श्रमिक सुरक्षा योजना के अंतर्गत भुगतान समय पर सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही टीबी मरीजों को नियमित दवाइयां उपलब्ध कराने, बेड एवं बेडशीट की पर्याप्त व्यवस्था, खून जांच एवं एक्स-रे सेवाओं की स्थिति की भी जानकारी ली। उन्होंने विद्युत तारों को सुव्यवस्थित करने, चिकित्सकों के कक्ष के बाहर नाम पट्टिका लगाने तथा सुरक्षा कर्मियों की ड्यूटी समयानुसार लगाने के निर्देश दिए।

कक्षा 5वीं एवं 8वीं के वार्षिक परीक्षा परिणाम घोषित, विद्यार्थियों ने किया उत्कृष्ट प्रदर्शन

जिले के अनेक विद्यालयों का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत, मेधावी छात्रों ने बढ़ाया गौरव

सीधीजिला परियोजना समन्वयक, जिला शिक्षा केन्द्र सीधी द्वारा जानकारी दी गई कि वार्षिक परीक्षा 2026 के अंतर्गत कक्षा 5वीं एवं 8वीं के परीक्षा परिणाम घोषित कर दिए गए हैं। इस वर्ष जिले के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए न केवल उच्च अंक अर्जित किए, बल्कि विभिन्न स्तरों पर प्रथम स्थान प्राप्त कर जिले का नाम गौरवान्वित किया है।

जिले स्तर पर कक्षा 5वीं में कु. अंशिका तिवारी (महर्षि पतंजलि मा.शा. झलवार, विकासखण्ड रामपुरनैकिन) ने 96 प्रतिशत (384/400) अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। वहीं कक्षा 8वीं में कु. आराध्या मिश्रा (अशासकीय सर्वोदय हाई स्कूल, सीधी) ने 96.06 प्रतिशत (580/600) अंक अर्जित कर जिले में शीर्ष स्थान प्राप्त किया। विकासखण्ड स्तर पर भी विद्यार्थियों का प्रदर्शन उल्लेखनीय रहा। कुसमी विकासखण्ड में कक्षा 5वीं में कु. जया केवट (गुरूकुल पब्लिक स्कूल, भदौरा) ने 89 प्रतिशत एवं कक्षा 8वीं में उज्जवल चौरसिया ने 94 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। मझौली विकासखण्ड में कक्षा 5वीं में मानसी तिवारी (संस्कार पब्लिक हाई स्कूल, पथरौला) ने 92 प्रतिशत तथा कक्षा 8वीं में स्विंकित विश्वकर्मा (स्वामी विवेकानंद एकेडमी, मझौली) ने 94.83 प्रतिशत अंक प्राप्त कर शीर्ष स्थान अर्जित किया।रामपुरनैकिन विकासखण्ड में कक्षा 8वीं में सपना तिवारी ने 95.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान हासिल किया। सीधी विकासखण्ड में कक्षा 5वीं में अंशिका केवट (ज्योति हा.से. स्कूल) ने 94.05 प्रतिशत अंक प्राप्त किए। सिहावल विकासखण्ड में कक्षा 5वीं में प्रांजलि पटेल (काशी हा.से. अमिलिया) ने 93 प्रतिशत तथा कक्षा 8वीं में देवांशधर द्विवेदी एवं सोनांचल गुप्ता ने 94.67 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया।शासकीय विद्यालयों के विद्यार्थियों ने भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कक्षा 5वीं में वैष्णवी विश्वकर्मा (प्रा. शाला बिसुनीटोला, सीधी) ने 90.08 प्रतिशत अंक प्राप्त कर प्रथम स्थान प्राप्त किया। कक्षा 8वीं में प्राची गौतम (हा.से. स्कूल रैदुअरिया, रामपुरनैकिन) एवं उषा सिंह (हाई स्कूल खैरा) ने 93.33 प्रतिशत अंक प्राप्त कर संयुक्त रूप से प्रथम स्थान प्राप्त किया।

इसी प्रकार विकासखण्डवार शासकीय विद्यालयों में भी कई विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। कुसमी, मझौली, रामपुरनैकिन, सीधी एवं सिहावल विकासखण्डों में कक्षा 5वीं एवं 8वीं के विद्यार्थियों ने उच्च अंक अर्जित कर शीर्ष स्थान प्राप्त किए, जो जिले की शैक्षणिक गुणवत्ता को दर्शाता है।

जिले में इस वर्ष बड़ी संख्या में विद्यालयों का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा। कक्षा 5वीं में कुल 2064 विद्यालयों में से 1613 विद्यालयों ने 100 प्रतिशत परिणाम दर्ज किया,।

कार्यालय :- नगर परिषद रामपुर नैकिन जिला सीधी (म.प्र.)

क्र. 347 / ई– टेन्डर / न. परि. / 2026 — रामपुर नैकिन दिनांक 24/03/2026

:: प्रथम आनलाईन ई-निविदा आमंत्रण सूचना ::

एतद् द्वारा लोकनिर्माण विभाग अंतर्गत पंजीकृत समस्त संविदाकारो को सूचित किया जाता है कि इस निकाय क्षेत्रान्तर्गत वार्ड क्रमांक 14 मे नाली निर्माण कार्य कराया जाना है। अतः इच्छुक संविदाकार निम्न तालिका अनुसार अपनी दरें प्रस्तुत कर सकते है । कार्य की विस्तृत विवरण वेबसाइट www.mptenders.gov.in देखा जा सकता है।

क्र.	सिस्टम टेन्डर नं.	निर्माण कार्य	अनुमानित लागत	धरोहर राशि	निविदा फार्म क्रय शुल्क	आपूर्ति की अवधि (माह)
1	2	3	4	5	6	7
1	2026_UA_494866_pack1	वार्ड क्रमांक 14 मे जगदीश साकेत के घर से रामप्रकाश के घर तक नाली निर्माण।	194409	1944	2000	कार्यादेश जारी होने दिनांक से 03 माह
2	2026_UA_494881_pack1	वार्ड क्रमांक 14 मे विनोद मिश्रा के घर से प्रशान्त तिवारी के घर तक नाली निर्माण।	542167	5421	2000	कार्यादेश जारी होने दिनांक से 03 माह

- निविदा दिनांक 26/03/2026 को 10:30 बजे प्रातः से दिनांक 10/04/2026 को दोपहर 05:30 बजे तक आनलाईन प्राप्त / प्रस्तुत की जा सकती है।
- निविदा स्वीकृत / अस्वीकृत करने का अधिकार निकाय के पास सुरक्षित रहेगा एंव सशर्त निविदा मान्य नही होगी ।
- देयको मे नियमानुसार शासकीय करो की कटौती की जावेगी ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगर परिषद रामपुर नैकिन, जिला सीधी (म.प्र.)

खुशी केवल उन्हीं व्यक्तियों को प्राप्त होती है जो कि दूसरों को खुश करने के लिए प्रयासरत रहते है।
- अज्ञात

रिजर्व बैंक के लिए एक तरफ कुआं दूसरी तरफ खाई

भारतीय रिजर्व बैंक इन दिनों गहरे संकट में फंस गया है। रिजर्व बैंक यदि रुपए को बचाने की कोशिश करता है तो ऐसी स्थिति में वह खाई में गिरने की स्थिति में आता है, विदेशी मुद्रा के भंडार को यदि वह रुपए के बचाने में उपयोग करता है तो गहरे कुएं में गिरना तय है। रिजर्व बैंक को समझ नहीं आ रहा है कि वह किस तरह से स्थिति को संभाले। इजरायल-अमेरिका और ईरान के युद्ध ने भारतीय रिजर्व बैंक को बड़ी मुसीबत में डाल दिया है। डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गई है। कारोबारी उद्योग जगत तथा कच्चे तेल, गैस इत्यादि के आयात के लिए विदेशी मुद्रा की सबसे बड़ी आवश्यक्ता देश को है। रुपए को गिरने से रोकने के लिए पहले भी रिजर्व बैंक ने बहुत सारी विदेशी मुद्रा खर्च कर दी है। वर्तमान अर्थव्यवस्था के लिए विदेशी मुद्रा भंडार भरा होना जरूरी है, लेकिन रिजर्व बैंक में इसकी स्थिति दिन-प्रतिदिन खराब होती जा रही है। डॉलर की मांग लगातार बढ़ती जा रही है। कच्चे तेल और गैस आयात को लेकर भी अतिरिक्त डॉलर की मांग बनी है। पहले रूस से जो कच्चा तेल और गैस आती थी उसका भुगतान डॉलर में नहीं होता था, लेकिन अब डॉलर के ऊपर सभी ओर से दबाव बढ़ता चला जा रहा है। जिसके कारण रिजर्व बैंक के विदेशी मुद्रा भंडार के लिए चुनौतियां बढ़ती चली जा रही हैं। सरकार का दबाव डॉलर के मुकाबले रुपए की कीमत को गिरने से रोकना है। पिछले कई महीने से रिजर्व बैंक डॉलर और विदेशी मुद्रा भंडार के जरिए रुपए की गिरावट को रोक रहा था, लेकिन अब विदेशी मुद्रा भंडार इस स्थिति में आकर खड़ा हो गया है कि अब रिजर्व बैंक ने पर्याप्त मात्रा में विदेशी भंडार और डॉलर को नहीं रखा तो स्थिति और भी खराब हो जाएगी। आर्थिक विशेषज्ञों का मानना है कि अगले कुछ महीने में डॉलर के मुकाबले रुपया 100 रुपये तक पहुंच सकता है। ऐसी स्थिति में देश की अर्थव्यवस्था को काफी बड़ा नुकसान होगा। कच्चे तेल और गैस का 60 फीसदी से अधिक आयात इन दिनों डॉलर मुद्रा में हो रहा है। ईरान और रूस ने भी भारत को कच्चा तेल और गैस देना स्वीकार कर लिया है, लेकिन इसका भुगतान विदेशी मुद्रा में प्राप्त करने की शर्त लगा दी है। ऐसी स्थिति में रिजर्व बैंक को डॉलर और युआन का पर्याप्त भंडार बनाकर रखना होगा। यदि ऐसा नहीं हो पाया तो 1990 में जिस तरह से चंद्रशेखर सरकार को सोना गिरवी रखकर कच्चे तेल का आयात करना पड़ा था, वही स्थिति भविष्य में निर्मित हो सकती है। रिजर्व बैंक के आंकड़े बता रहे हैं की 13 मार्च तक उसके पास 710 अरब डॉलर का भंडार था, मार्च माह में विदेशी निवेशकों ने 12.01 अरब डॉलर जो भारतीय मुद्रा में लगभग 1.10 लाख करोड रुपए होता है वह निकाल लिया है। भारत के विदेशी मुद्रा भंडार में विदेशी मुद्रा सोना, एसडीआर और आईएमएफ के जरिए प्राप्त होती है। विदेशी मुद्रा का भंडार अमेरिकी डॉलर यूरो, युआन और पाउंड पर निर्भर करता है। भारतीय रिजर्व बैंक के पास विदेशी मुद्रा भंडार में 556 अरब डॉलर और 131 अरब डॉलर का सोना है। आरबीआई सोने को बेचता नहीं है, इस स्थिति में रिजर्व बैंक के पास डॉलर के मुकाबले रुपए में आ रही गिरावट को रोकने के लिए मात्र दो तरीके बचते हैं, पहला वह अपने विदेशी मुद्रा भंडार की मुद्राओं को बाजार में बेचे लेकिन इसका असर भारत की आर्थिक स्थिति पर पड़ेगा। दूसरा ब्याज दरों को बढ़ाना पड़ेगा। इससे रुपए की गिरावट कुछ समय के लिए थम सकती है। लेकिन जिस तरह की स्थिति बनी हुई है विदेशी मुद्रा के रूप में विदेश से जो राशि रिजर्व बैंक में आती थी उसमें बड़ी गिरावट आई है। युद्ध के कारण जिस तरह की स्थिति है उसके बाद उसको थाम पाना रिजर्व बैंक के लिए आसान नहीं रहा। डोनाल्ड ट्रंप जब अमेरिका के राष्ट्रपति बने थे तब भारतीय रुपया डॉलर के मुकाबले 84 रुपए का था जो अब 94 रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। पिछले 1 वर्ष में जिस तरह से अमेरिका ने भारत के ऊपर रुस से तेल और कच्चा तेल और गैस लेने पर प्रतिबंध लगाया था उसके बाद से भारत को सारा कच्चा तेल और गैस एवं अन्य सामग्री डॉलर में खरीदनी पड़ रही है, जिसके कारण विदेशी मुद्रा भंडार की स्थिति इन दिनों सबसे ज्यादा खराब है। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय में आर्थिक विशेषज्ञों की कमी इस समस्या को और भी बढ़ा रही है। रिजर्व बैंक और वित्त मंत्रालय में भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी तथा अन्य लोग जिस तरह के निर्णय ले रहे हैं, इसका असर अब भारतीय अर्थव्यवस्था में पढ़ता हुआ दिख रहा है। रिजर्व बैंक में जो आर्थिक विशेषज्ञ हैं उनका मानना है कि यदि यही प्रवाह बना रहा तो 4 से 6 महीने के अंदर 1991 वाली स्थिति विदेशी मुद्रा को लेकर फिर आ सकती है, जिसके कारण भारत का अर्थ संकट बड़ी तेजी के साथ बढ़ेगा।

भविष्य नहीं, वर्तमान का महाविनाशकारी संकट

आज मानव सभ्यता जिस सबसे बड़े संकट के सामने खड़ी है, वह युद्ध, महामारी या आर्थिक मंदी नहीं, बल्कि जलवायु परिवर्तन है। दुनिया आज जलवायु संकट के ऐसे मोड़ पर खड़ी है, जहां हर नया आंकड़ा खतरे की घंटी बनकर सामने आ रहा है। विश्व मौसम विज्ञान संगठन की ताजा रिपोर्ट स्पष्ट करती है कि 2015-2025 का दशक अब तक का सबसे गर्म दौर रहा है। यह केवल एक सांख्यिकीय तथ्य नहीं, बल्कि पृथ्वी के बदलते स्वभाव का गंभीर संकेत है। रिपोर्ट बताती है कि ग्रीनहाउस गैसों का स्तर रिकॉर्ड ऊंचाई पर पहुंच चुका है और पृथ्वी का एनर्जी इम्बैलेंस लगातार बढ़ रहा है। महासागर, जो जलवायु संतुलन के सबसे बड़े नियंत्रक माने जाते हैं, अब 90 प्रतिशत से अधिक अतिरिक्त गर्मी सोख रहे हैं। इसका सीधा अर्थ है कि पृथ्वी का तापमान केवल हवा में ही नहीं, जल और भूमि के भीतर भी बढ़ रहा है। जलवायु परिवर्तन अब धीरे-धीरे आने वाली समस्या नहीं रही, बल्कि यह वर्तमान का संकट बन चुका है। दुनिया के अनेक हिस्सों में असामान्य गर्मी, बाढ़, सूखा, चक्रवात और जंगल की आग जैसी घटनाएं तेजी से बढ़ रही हैं। प्रति का संतुलन बिगड़ रहा है और मौसम का मिजाज अनिश्चित होता जा रहा है। कहीं अत्यधिक वर्षा से बाढ़ आ रही है तो कहीं महीनों तक बारिश नहीं हो रही। यह असंतुलन सीधे-सीधे मानव जीवन, कृषि, जल संसाधनों और अर्थव्यवस्था को प्रभावित कर रहा है। इस बदलते मौसम ने सबसे ज्यादा मनुष्य के स्वास्थ्य पर हमला किया है।

भारत के संदर्भ में यह संकट और भी गंभीर रूप लेता जा रहा है। पिछले कुछ वर्षों में भारत के अनेक शहरों में तापमान 48 से 50 डिग्री तक पहुंच गया, जबकि पहले 45 डिग्री को ही अत्यधिक गर्मी माना जाता था। अब असामान्य गर्मी ने फरवरी और मार्च जैसे महीनों को भी झुलसाना शुरू कर दिया है। हीटवेव की आवृत्ति और तीव्रता दोनों बढ़ रही हैं। इसका असर केवल स्वास्थ्य पर नहीं, बल्कि बिजली, पानी, खेती, श्रम, स्वास्थ्य और अर्थव्यवस्था पर भी पड़ रहा है। बढ़ती गर्मी ने केवल मानव जीवन ही नहीं, बल्कि वन्यजीव, पेड़-पौधे और सम्पूर्ण पारिस्थितिकी तंत्र को भी संकट में डाल दिया है। जलवायु परिवर्तन के पीछे सबसे बड़ा कारण मानव का विकास मॉडल है। कोयला, तेल और गैस जैसे जीवाश्म ईंधनों का अत्यधिक उपयोग, वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण, औद्योगीकरण और संसाधनों का अंधाधुंध दोहन पृथ्वी को लगातार गर्म कर रहा है। आज वैश्विक तापमान लगभग एक लाख 25 हजार वर्षों के उच्चतम स्तर के आसपास पहुंच चुका है। यह स्थिति बताती है कि समस्या प्रकृति में नहीं, बल्कि मानव की जीवनशैली और विकास की दिशा में है।

वर्तमान वैश्विक परिस्थितियां इस संकट को और अधिक खतरनाक बना रही हैं। दुनिया के अनेक हिस्सों में युद्ध की स्थितियां बनी हुई हैं। युद्ध केवल मानव जीवन और अर्थव्यवस्था को ही नष्ट नहीं करते, बल्कि पर्यावरण को भी गहरा नुकसान पहुंचाते हैं। युद्ध में इस्तेमाल होने वाले विस्फोटक, रसायन, धातु, ईंधन और आग से वातावरण में भारी मात्रा में जहरीली गैसें फैलती हैं। तेल भंडारों में आग, रासायनिक संयंत्रों का नष्ट होना और सैन्य गतिविधियां वातावरण में कार्बन उत्सर्जन को कई गुना बढ़ा देती हैं। इस प्रकार युद्ध और जलवायु परिवर्तन मिलकर पृथ्वी को दोहरे संकट की ओर धकेल रहे हैं। भारत सहित दुनिया के लगभग 75 प्रतिशत जिले किसी न किसी जलवायु जोखिम के दायरे में आ चुके हैं। हिमालय के ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं, जिससे गंगा, ब्रह्मपुत्र और सिंधु जैसी नदियों के भविष्य पर प्रश्नचिह्न लग रहा है। दूसरी ओर समुद्र का जलस्तर बढ़ने से मुंबई, कोलकाता और चेन्नई जैसे तटीय शहरों पर खतरा मंडरा रहा है। यदि समुद्र स्तर इसी गति से बढ़ता रहा तो आने वाले दशकों में तटीय आबादी का बड़े पैमाने पर विस्थापन हो सकता है। यह केवल पर्यावरण संकट नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक संकट भी बन सकता है।

स्थिति की गंभीरता को देखते हुए यह स्पष्ट है कि यदि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में तेजी से कटौती नहीं की गई, तो तापमान के नए-नए रिकॉर्ड टूटते रहेंगे और पृथ्वी रहने योग्य स्थान कम होती जाएगी। जल संकट, खाद्य संकट, स्वास्थ्य संकट और प्रवासन जैसी समस्याएं बढ़ेंगी। दुनिया के अनेक वैज्ञानिक अब चेतावनी दे रहे हैं कि यदि तापमान वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित नहीं किया गया, तो पृथ्वी का पारिस्थितिक संतुलन गंभीर रूप से बिगड़ सकता है। लेकिन इस संकट में ही अवसर भी छिपा हुआ है। यह समय विकास मॉडल को बदलने का है। ऊर्जा के क्षेत्र में नवीकरणीय ऊर्जा, जैसे सौर ऊर्जा, पवन ऊर्जा और जल ऊर्जा को बढ़ावा देना होगा। शहरों को कंक्रीट के जंगल बनाने के बजाय हरित शहर बनाना होगा। जल प्रबंधन को जन आंदोलन बनाना होगा। वर्षा जल संचयन, जल पुनर्चक्रण और नदियों के संरक्षण पर गंभीरता से काम करना होगा। कृषि को जलवायु अनुकूल बनाना होगा, कम पानी वाली फसलों और प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देना होगा। साथ ही जिला स्तर पर हीट एक्शन प्लान, जल संरक्षण योजना, वृक्षारोपण अभियान और स्थानीय पर्यावरण संरक्षण कार्यक्रम लागू करने होंगे। जलवायु परिवर्तन से लड़ाई केवल सरकारें नहीं जीत सकतीं, इसके लिए समाज, उद्योग, वैज्ञानिक और आम नागरिक सभी को मिलकर काम करना होगा।

दुनिया की महाशक्तियों के लिए यह समय सबसे बड़ी परीक्षा का समय है। यदि वे केवल आर्थिक विकास और सैन्य शक्ति की दौड़ में ही उलझी रहीं और पृथ्वी के भविष्य की चिंता नहीं की, तो आने वाली पीढ़ियां उन्हें कभी माफ नहीं करेंगी। उन्हें यह समझना होगा कि पृथ्वी बचेगी तो अर्थव्यवस्था भी बचेगी, मानव सभ्यता भी बचेगी और विकास भी बचेगा। यदि पृथ्वी ही तपती और असंतुलित हो गई, तो सारी प्रगति बेकार हो जाएगी। आज आवश्यकता है कि दुनिया की महाशक्तियां कार्बन उत्सर्जन कम करने के लिए कठोर और बाध्यकारी नीतियां बनाएं, जीवाश्म ईंधनों पर निर्भरता कम करें, वनों की कटाई रोकें और हरित प्रौद्योगिकी को बढ़ावा दें। अन्यथा वह दिन दूर नहीं जब पृथ्वी का तापमान इतना बढ़ जाएगा कि अनेक क्षेत्र रहने योग्य नहीं रहेंगे। निश्चित तौर पर जलवायु परिवर्तन अब भविष्य की चुनौती नहीं, वर्तमान का संकट है। यदि आज निर्णायक कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाली पीढ़ियों को एक असंतुलित और तपती हुई पृथ्वी विरासत में मिलेगी।

दो सौ साल की हिंदी पत्रकारिता पर एक विमर्श और अरुण नैथानी का सम्मान!

हिंदी पत्रकारिता के द्विशताब्दी वर्ष में हमें यह विचार करना होगा कि दो सौ साल पहले हमारे पूर्वजों ने किस तरह पत्रकारिता की थी, जो स्वतंत्रता आंदोलन में आम लोगों के मन में चेतना जगा गई। इस अवसर पर हमें भारत की चेतना यात्रा का अवलोकन करते हुए भविष्य का पथ भी तय करना होगा। आज फेक न्यूज का दौर है,ऐसे समय में पत्रकारिता के सामने नई तरह की चुनौतियां हैं। समाज हमेशा सच पर ही विश्वास करता है,ऐसे में पत्रकारों की जिम्मेदारी है कि वे समाज हित को केंद्र में रखकर ही लिखें।यह बात किसी आम व्यक्ति ने नहीं बल्कि मध्यप्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने सप्रे संग्रहालय द्वारा आयोजित हिंदी पत्रकारिता द्विशताब्दी समारोह को संबोधित करते हुए कही है। राज्यपाल 25 मार्च को माधवराव सप्रे स्मृति समाचार पत्र संग्रहालय एवं शोध संस्थान में हिंदी पत्रकारिता की द्वि-शताब्दीज् पर आयोजित समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।उन्होंने कहा कि पत्रकारों का यह दायित्व है कि वे समाज के सामने ऐसा परोसें कि आने वाली पीढ़ी भ्रमित न हो,बल्कि पत्रकारिता पर भरोसा रखे।उन्होंने विश्वास जताया कि इस संदर्भ में होने वाली चर्चाओं से निकले निष्कर्ष समाज को नई दिशा देंगे।ज्ञानतीर्थ सप्रे संग्रहालय की प्रशंसा करते हुए उन्होंने कहा कि विगत पांच वर्षों में पांचवी बार यहां आया हूं और हर बार यहां आकर आत्मिक संतोष मिलता है।वहीं अध्यक्षीय उद्बोधन में बरकतउल्ला विश्वविद्यालय के कुलगुरु डॉ. एसके जैन ने कहा कि एक समय था, जब पत्रकारों की कलम में समाज को नई दिशा देने की क्षमता होती थी,लेकिन समय के साथ बहुत बदलाव आये हैं। उन्होंने कहा कि पहले जो लिखा जाता था उसमें दिल की गहराई होती थी।

आज चैट, जीपीटी और एआई का युग है, ऐसे में मौलिक लेखन प्रभावित हुआ है। माखनलाल चतुर्वेदी पत्रकारिता विश्वविद्यालय के कुलगुरु विजयमनोहर तिवारी ने कहा कि हिंदी के पहले समाचार पत्र उदन्त मार्तण्ड का मूल मंत्र ही था- हिंदुस्तानियों के हित का हेतज्। लेकिन दो दशक की पत्रकारिता में हम इस मूल मंत्र से भटकते जा रहे हैं। इस दौर में मीडिया सहित अन्य क्षेत्रों में बड़े बदलाव आये है, यह बदलाव कई तरह की चुनौतियां भी लेकर आये हैं। तिवारी ने सरकारी संस्थानों में बढ़ते अवकाश और घटते कार्य दिवसों पर भी चिंता जताई। उन्होंने आंकड़ों की सहायता से बताया कि हमारे देश में इतने महापुरुष हैं कि यदि हम एक-एक की जयंती या पुण्यतिथि मनायें तो साल के 200 दिन अवकाशों में ही बीत जायेंगे। इन अवकाशों के चलते संस्थानों के कार्य और कर्मचारियों की कार्यक्षमता बहुत अधिक प्रभावित हो रही है। सप्रे संग्रहालय के संस्थापक विजयदत्त श्रीधर ने बताया कि हिंदी पत्रकारिता की द्वि-शताब्दीज् अवसर पर सप्रे संग्रहालय के संयोजकत्व में देश भर में अनेक आयोजन किए जा रहे हैं। यह आयोजन भी इसी श्रृंखला की एक कड़ी है। उन्होंने बताया कि इसी क्रम में आगामी 30 मई को नईदिल्ली के विज्ञान भवन में एक बड़ा आयोजन होने जा रहा है। जिसमें प्रधानमंत्री की मौजूदगी में पत्रकारिता पर डाक टिकट तथा स्मृति ग्रंथ का लोकार्पण किया जाना प्रस्तावित है। पत्रकारिता के योद्धा रहे गणेश शंकर विद्यार्थी का स्मरण करते हुए, उन्होंने कहा कि विद्यार्थी जी के व्यक्तित्व एवं कृतित्व से न केवल आम नागरिकों को, बल्कि उन युवाओं को भी प्रेरणा ग्रहण करना चाहिए

हनुमान से सीखें संस्कार

जो दूसरे की भावनाओं, रिश्ते की गरिमा और सबके मान-सम्मान को ध्यान में रखकर अपनी यात्रा पर चलते हैं। हनुमानजी उनमें से एक हैं। सुंदरकांड में एक प्रसंग है। हनुमानजी और मेघनाद का युद्ध हो रहा था। मेघनाद बार-बार हनुमानजी पर प्रहार कर रहा था, लेकिन उसका नियंत्रण बन नहीं रहा था। तब उसने हनुमानजी पर ब्रह्मास्त्र का प्रहार किया। हनुमानजी को भी वरदान था कि वह किसी अस्त्र-शस्त्र से पराजित नहीं होंगे। उनका नाम बजरंगी इसीलिए है कि वे वज्रांग हैं। जिसे कह सकते हैं स्टील बॉडी।

जैसे ही शस्त्र चला, हनुमानजी ने विचार किया और तुलसीदासजी ने लिखा -

ब्रह्मास्त्र तेहि सांधा कपि मन कीन्ह बिचार।
जौं न ब्रह्मसर मानउं महिमा मिटइ अपार।।

अंत में उसने ब्रह्मास्त्र का प्रयोग किया, तब हनुमानजी ने मन में विचार किया कि यदि ब्रह्मास्त्र को नहीं मानता हूं तो उसकी अपार महिमा मिट जाएगी। यहां हनुमानजी ने अपने पराक्रम का ध्यान न रखते हुए, ब्रह्माजी के मान को टिकाया। दूसरों का सम्मान बचाते हुए अपना कार्य करना कोई हनुमानजी से सीखें।

दूसरे का मान रखते हुए हम सम्मान अर्जित कर लें, इसमें गहरी समझ की जरूरत है। होता यह है कि जब हम अपनी सफलता, सम्मान या प्रतिष्ठा की यात्रा पर होते हैं, उस समय हम इसके बीच में आने वाले हर व्यक्ति को अपना शत्रु ही मानते हैं। महत्वाकांक्षा पूरी करने के लिए मनुष्य सारे संबंध दांव पर लगा देता है। आज के युग में महत्वाकांक्षी व्यक्ति का न कोई मित्र होता है, न कोई शत्रु। उसे तो सिर्फ अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति करनी होती है। हर संबंध उसके लिए शस्त्र की तरह हैं। लेकिन कुछ लोग ऐसे होते हैं

शुभ संवत 2083, शाके 1948, सौम्य गोष्ठ, चैत्र शुक्ल पक्ष, बसंत ऋतु, गुरु उदय पूर्वे, शुक्रोदय पश्चिमे तिथि, दसवी, शनिवासरे, पुण्य नक्षत्रे, शुभ योगे, गर करणे, कर्क की चंद्रमा, मित्र योग, तथापि उत्तर दिशा की यात्रा शुभ उत्तम फलदायी होगी7

आज जन्म लिए बालक का फल........

आज जन्म लिया बालक योग्य बुद्धिमान, चपल, चतुर, बैंक कर्मचारी, कैशियर, लिपिक, लेखापाल तथा मैनेजर एवं कमीशन एजेंट दलाल तथा कम्प्यूटर इंजीनियर, कम्प्यूटर ऑपरेटर तथा नई उपलब्धि वाला, उत्तम व्यापारी, उद्योगपति होगा।

मेष राशि :- कुटुम्ब की समस्याओं में समय बीते, धन व्यर्थ, व्यय हो, चिन्ता बनी रहेगी।
वृष राशि :- मानसिक बैचेनी क्लेश व आशांति के योग बनेंगे तथा कार्य का भार बढ़ेगा।
मिथुन राशि :- वृथा भ्रमण से धन हानि, आरोप, क्लेश से बचे, स्थिति संदिग्ध रहेगी।
कर्क राशि :- परिश्रम से कुछ सफलता मिले, अर्थ व्यवस्था की अनुकूलता होगी।
सिंह राशि :- मनोबल उत्साहवर्ध हो, कार्यगति में सुधार होगा, कार्य आनंददायक हो।
कन्या राशि :- धन लाभ, आशानुकूल सफलता से हर्ष, व्यक्तिगत मान प्रतिष्ठा।
तुला राशि :- इष्ट मित्र सुखवर्धक होंगे तथा सामाजिक कार्यों में प्रतिष्ठा बढ़ेगी, ध्यान दें।
वृश्चिक राशि :- भाग्य का सितारा प्रबल हो, कार्यगति में सुधार, बिगड़े कार्य अवश्य बनेंगे।
धनु राशि :- कुटुम्ब में धन का व्यय, मानसिक व्यग्रता, स्वभाव में बेचैनी अवश्य बनेगी।
मकर राशि :- चिन्ताएं दूर हो, सफलता के साधन अवश्य जुटाये, कार्य अवश्य ही बनेंगे।
कुंभ राशि :- स्त्रीवर्ग से हर्ष उल्लास, कार्यगति में अनुकूलता तथा चिन्ताएं कम होगी।
मीन राशि :- अधिकारियों से तनाव स्थिगित रखे, मित्रों से विवाद तथा धोखा बनेगा।

आत्महत्या विकल्प नहीं हो सकता?

आज जीवन की सबसे बड़ी कड़वी सच्चाई है कि जीवन में थोडी सी निराशा आई नहीं कि मानव आत्महत्या की ओर अग्रसर हो जाता है । क्या उसे आत्महत्या के आलावा अन्य विकल्प नहीं दिखता ताकि वह इस सोच से आगे बढ़ सके। हमारे समाज को भी इस ओर सोचना होगा कि अगर कोई बेरोजगार है या किसी समस्या से ग्रसित है तो उसे प्यार से आगे बढने का संदेश दें जिससे वह उस निराशा समय से निकल सके। आज के तेज रफ्तार और प्रतिस्पर्धी दौर में मानसिक दबाव, असफलताओं का भय और अकेलेपन की भावना कई लोगों को भीतर से तोड़ रही है। ऐसे में आत्महत्या जैसे खतरनाक विचार मन में आना एक गंभीर सामाजिक और मानवीय संकट का संकेत है। यह केवल व्यक्तिगत कमजोरी नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक संरचना, संवादहीनता और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति उदासीनता का परिणाम भी है। देश में आत्महत्या के आंकड़े तो उपलब्ध नहीं है ? लेकिन आए दिन अखबारों में यह खबर दिल को झकझोर देती है।

अधिकतर खबरें कॉलेज, किसान, व्यवसायी, बेराजगारी से ही आतीं हैं। कारण अलग अलग हो सकते हैं। लेकिन शब्द एक ही आता है हताशा-निराशा? माना कि जीवन के संघर्ष में कुछ समय ऐसा आ जाता है कि जब चारों ओर से अंधेरा दिखाई देता है जो आगे का रास्ता अंधेरा बंद कर देता है। ऐसे में कहीं से एक आशा की किरण दिखाई दे जाये तो कुछ हद तक इन आत्महत्याओं पर रोक लग सकेगी। आज हम एक बात अच्छी तरह समझ लें कि यह काया जो हमें प्रकृतित्व से मिली है। वह अनमोल है इसे वयर्थ नहीं कर सकते जब हमें किसी को जीवन देने का अधिकार नहीं है तो जीवन खत्म करने का अधिकार कहां से मिल जाता है।

अगर हम छात्र जीवन में हैं तो हमें बार बार असफलता हाथ लगती है तो क्या हम इस पर ही निराशा समझ लेंगे? नहीं बरन यह असफलता ही हमें सफलता की कुंजी देती है जिससे जीवन भर हम कभी असफलता की और नहीं देती? आज हम उन सफल महापुरुषों की ओर देखेंगे तो पता चलेगा कि उनके पीछे कितनी असफलताऐं जुड़ी है।

अगर किसान है तो फसल नष्ट होने पर हम निराशा की ओर चले जाते हैं क्योंकि फसल के लिए लिया गया उधार हमें भार मालूम चलता है। ऐसा नहीं है कि अगर एक फसल चौपट हुई है तो जीवन का आधार कहीं से यानी जीवन जीना ही छोड़ दें नहीं हमें आगे बढना होगा । हमें किसान के साथ-साथ ऐसा भी कार्य करना होगा जिससे हमें एक सहायक कार्य भी करना होगा जो कि उसी खेती कार्य से जुड़ा होगा। इसके आलावा अन्य सरकारी सहायता पर ध्यान देना होगा।

इसके अलावा हम व्यवसायी हो या बेराजगार हैं तो हमें निराशा की जरूरत नहीं है। जीवन एक संघर्ष है। इसे ऐसे ही जीना पड़ता है। यह दुनिया है टांका टांकी को एक कुम्हार के घड़े की तरह लें जिसे कुम्हार तैयार करते समय उसमें चोटें मारता है।

आत्महत्या नहीं—जीवन का चयन करें

यह समझना जरूरी है कि जीवन में कठिनाइयाँ स्थायी नहीं होतीं। हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है। लेकिन जब व्यक्ति निराशा के गहरे गर्त में होता है, तो उसे यही अंधेरा स्थायी लगने लगता है। ऐसे समय में सबसे अधिक आवश्यकता होती है—समझ, सहानुभूति और संवाद की।

परिवार, मित्र और समाज की भूमिका यहां अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है। यदि कोई व्यक्ति असामान्य व्यवहार कर रहा है, खुद को अलग-थलग कर रहा है या बार-बार निराशा की बातें कर रहा है, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। समय रहते संवेदनशील बातचीत, सहयोग और पेशेवर मदद किसी की जिंदगी बचा सकती है।सरकार और संस्थाओं को भी मानसिक स्वास्थ्य सेवाओं को सुलभ और सस्ता बनाना होगा। स्कूलों और कार्यस्थलों पर काउंसलिंग की व्यवस्था, जागरूकता अभियान और हेल्पलाइन सेवाओं को मजबूत करना समय की मांग है। मानसिक स्वास्थ्य को शारीरिक स्वास्थ्य जितना ही महत्व देना होगा।सबसे अहम बात—हर व्यक्ति को यह समझना चाहिए कि वह अकेला नहीं है। कठिन समय में मदद मांगना कमजोरी नहीं, बल्कि साहस है। जीवन अनमोल है, और हर समस्या का समाधान संभव है, बस जरूरत है सही दिशा और सहयोग की।आइए, म सब मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं जहां कोई भी व्यक्ति अकेलेपन और निराशा के कारण अपनी जिंदगी खत्म करने का विचार न करे। जीवन चुनें, क्योंकि हर सुबह एक नई उम्मीद लेकर आती है।

आज के तेज रफ्तार और प्रतिस्पर्धात्मक जीवन में मानसिक दबाव एक सामान्य वास्तविकता बन चुका है। पढ़ाई, नौकरी, पारिवारिक जिम्मेदारियां और सामाजिक अपेक्षाएं—इन सबके बीच व्यक्ति कई बार स्वयं को असहाय और अकेला महसूस करने लगता है। ऐसी परिस्थितियों में कुछ लोग आत्महत्या जैसे कठोर कदम के बारे में सोचने लगते हैं। लेकिन यह समझना अत्यंत आवश्यक है कि आत्महत्या किसी भी समस्या का समाधान नहीं, बल्कि स्थायी पीड़ा का कारण है।आत्महत्या एक पल की निराशा का निर्णय होता है, जबकि जीवन अनगिनत संभावनाओं से भरा होता है। कठिनाइयां जीवन का हिस्सा हैं, और हर समस्या का कोई न कोई समाधान अवश्य होता है। जो आज असहनीय लग रहा है, वह समय के साथ हल्का हो सकता है। इतिहास गवाह है कि अनेक महान व्यक्तियों ने गहरे संघर्षों का सामना किया, लेकिन उन्होंने हार नहीं मानी और अंततः सफलता हासिल की।समाज में मानसिक स्वास्थ्य को लेकर अभी भी जागरूकता की कमी है। लोग अपनी भावनाओं को खुलकर व्यक्त नहीं कर पाते, जिससे अंदर ही अंदर तनाव बढ़ता जाता है। ऐसे में जरूरी है कि हम अपने आसपास के लोगों के प्रति संवेदनशील बनें, उनकी बातों को ध्यान से सुनें और उन्हें सहारा दें। परिवार और मित्रों का साथ किसी भी कठिन परिस्थिति में व्यक्ति को संभाल सकता है।शिक्षा संस्थानों और कार्यस्थलों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। काउंसलिंग सेवाएं, तनाव प्रबंधन कार्यक्रम और सकारात्मक वातावरण व्यक्ति के मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में सहायक हो सकते हैं। सरकार और समाज दोनों को मिलकर ऐसे प्रयास करने होंगे जिससे लोग मानसिक समस्याओं को छिपाने के बजाय खुलकर बात कर सकें। यह याद रखना चाहिए कि जीवन अमूल्य है। हर अंधेरी रात के बाद सुबह होती है।

फिल्म वर्ग पहेली- 7155

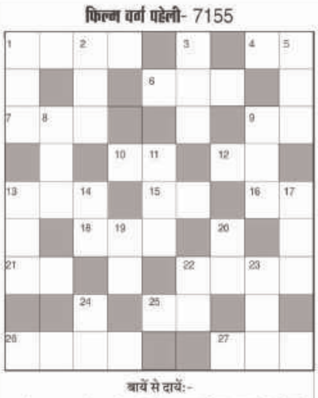

ऊपर से नीचे:-

१. असरानी, रवीना की 'एक लड़की एक लड़का' गीत वाली फिल्म-३
२. 'आँखों के रस्ते' गीत वाली बॉबी देओल रानी मुखर्जी की फिल्म-३
३. गोविंदा, करिश्मा की 'तुमसा कोई प्यारा' गीत वाली फिल्म-३
५. 'चुपके से दिल' गीत वाली राजकुमार, राजेश खन्ना, महालक्ष्मी की फिल्म-३
८. अनिल कपूर, श्रीदेवी, रवीना की 'लड़की है क्या' गीत वाली फिल्म-३
९. 'जागे जागे नैनों में' गीत वाली अमोल पालेकर, रंजीता की फिल्म-३
११. संजय, सलमान, माधुरी की 'जियें तो जियें' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'क्यों तेरी अँखियाँ' गीत वाली सनी, बॉबी, मनीषा की फिल्म-३
१४. डिनो, बिपाशा की 'कितना प्यार है' गीत वाली फिल्म-२
१७. 'रहें ना रहें हम' गीत वाली धर्मेंद्र, सुचित्रा सेन की फिल्म-३
१९. 'मैं चुप रहूँगी' में सुनीलदत्त के साथ नायिका कौन थी?-२
२०. फिल्म 'करीब' में बॉबी देओल के साथ नायिका कौन थी?-२
२२. आफताब, उर्मिला की 'सुना था देखा ना था' गीत वाली फिल्म-२
२३. 'मैं तेरी दुश्मन' गीत वाली ऋषि कपूर, श्रीदेवी की फिल्म-३
२४. जाकिर, शबाना, अरुणा की 'बादल चाँदी बरसाये' गीत वाली फिल्म-२

बायें से दायें:-

१. अमिताभ, सलमान, हेमा, महिमा की 'होरी खेले' गीत वाली फिल्म-४
४. 'सजना तेरे नाल' गीत वाली अमिताभ, जैकी श्रॉफ, मधु सप्रे, कैटरीना कैफ, जीनत, सोमा की फिल्म-२
६. सुनील शेट्टी, सोनाली बेंद्रे की 'तुम से मिलने को' गीत वाली फिल्म-३
७. 'चढ़ गया ऊपर रे' गीत वाली मिथुन, आयशा जुल्का की फिल्म-३
९. अमजद, विनोद मेहरा, बिंदिया की 'पर्दे में कोई बैठा है' गीत वाली फिल्म-२
१०. 'मिलती है झुकती है' गीत वाली आफताब, तुलसी मुखी की फिल्म-२
१२. बलराज साहनी, नूतन की 'तू प्यार का सागर है' गीत वाली फिल्म-२
१३. 'मेरी पैंट भी सैक्सी' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-३
१५. अजय देवगन, पूजा, सोनाली की 'तुम आये तो' गीत वालीफिल्म-२
१६. 'दिल ही दिल में' गीत वाली विवेक ओबेरॉय, दीया की फिल्म-२
१८. अजय, अभिषेक, बिपाशा की 'दिल्ली की सर्दी' गीत वाली फिल्म-३
२१. अमिताभ वाली फिल्म 'याराना' की नायिका कौन थी-२
२३. 'टपका रे टपका' गीत वाली संजयदत्त, माधुरी की फिल्म-४
२५. धर्मेन्द्र, हेमा की 'दुनिया जब जलती है' गीत वाली फिल्म-२
२६. 'अल्हड़ मस्त जवानी' गीत वाली अजय देवगन, ग्रेसी सिंह की फिल्म-४
२७. डिनो मोरिया, बिपाशा की 'जब दिल चुराये' गीत वाली फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 7154

Jagadidaar.com, Bangalore

ईरानी सुरक्षा एजेंसियों ने 15 लोगों को पकड़ा, सैन्य जानकारी दुश्मनों को पहुंचाने का आरोप

तेहरान। ईरानी सुरक्षा एजेंसियों ने इस्फाहन प्रांत में कम से कम 15 लोगों को गिरफ्तार किया है। उन पर आरोप है कि वह संवेदनशील सैन्य जानकारी दुश्मनों को पहुंचा रहे थे। गिरफ्तार किए गए लोगों पर आरोप है कि उन्होंने सैन्य ठिकानों की लोकेशन, हमलों से हुए नुकसान की तस्वीरें और अन्य संवेदनशील जानकारी विदेशी मीडिया को शेयर की। ईरानी अधिकारी इसे देश की सुरक्षा के खिलाफ गंभीर अपराध माना है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक इस्फाहन ईरान का एक अहम औद्योगिक और सैन्य केंद्र है। यहां कई अहम सैन्य अड्डे, मिसाइल फैक्टरियां और परमाणु सुविधाएं भी हैं।

आयरलैंड में नो फोन कोड सख्ती के साथ लागू

आयरलैंड। आयरलैंड में बच्चों को मोबाइल फोन और सोशल मीडिया के बढ़ते प्रभाव से बचाने के लिए «नो फोन कोड» सख्ती के साथ लागू किया गया है। इस पहल के तहत 12 साल से कम उम्र के बच्चों को स्मार्टफोन न देने की अपील की गई है। कई स्कूलों और अभिभावक समूहों ने मिलकर यह निर्णय लिया है, ताकि बच्चों का बचपन स्क्रीन की बजाय खेल मैदान में बीते।रिपोर्ट्स के अनुसार, देश के हजारों अभिभावकों ने इस अभियान का समर्थन किया है। उनका मानना है कि कम उम्र में मोबाइल मिलने से बच्चों की पढ़ाई, मानसिक स्वास्थ्य और सामाजिक व्यवहार पर नकारात्मक असर पड़ता है।

अमेरिकी राष्ट्रपति ने तोड़ी 165 साल पुरानी परंपरा, अब करंसी पर छपेंगे ट्रंप के हस्ताक्षर

वाशिंगटन। संयुक्त राज्य अमेरिका के वित्तीय इतिहास में एक अभूतपूर्व बदलाव होने जा रहा है। पिछले 165 वर्षों की स्थापित परंपरा को तोड़ते हुए अब अमेरिकी डॉलर के नोटों पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के हस्ताक्षर अंकित किए जाएंगे। अमेरिकी ट्रेजरी द्वारा दी गई इस जानकारी के अनुसार, यह ऐतिहासिक कदम अमेरिका की आजादी की 250वीं सालगिरह के उपलक्ष्य में उठाया जा रहा है। साल 1861 में आधुनिक डॉलर नोटों की शुरुआत के बाद यह पहला अवसर होगा जब किसी वर्तमान राष्ट्रपति के हस्ताक्षर मुद्रा पर दिखाई देंगे।

ट्रंप खेल रहे डबल गेम, एक तरह हमले नहीं करने की बात तो दूसरी तरफ भेज रहे सैनिक

वाशिंगटन। ईरान को लेकर ट्रम्प का दोहरा रुख सामने आया है। एक ओर अमेरिका मिडिल ईस्ट में करीब 10,000 एक्स्ट्रा सैनिक भेजने पर विचार कर रहा है, जिससे ट्रम्प के पास सैन्य विकल्प बढ़ सकें। एक रिपोर्ट के मुताबिक रक्षा विभाग के अधिकारियों ने बताया कि इस फोर्स में पैदल सेना और बख्तरबंद गाड़ियां शामिल हैं। यह एक्स्ट्रा सैनिक मिडिल ईस्ट में पहले से मौजूद 5,000 मरीन और पैराट्रूपर्स के साथ जोड़े जाएंगे।

बांग्लादेश के भारत से रिश्ते हो रहे मजबूत, पाकिस्तान को लग रहे एक के बाद एक झटके

ढाका। बांग्लादेश ने 26 मार्च को अपना स्वतंत्रता दिवस पूरे भव्यता और ऐतिहासिक गौरव के साथ मनाया। 1971 में पाकिस्तान के दमनकारी शासन से मिली आजादी का यह जश्न इस साल विशेष मायने रखता है। दक्षिण एशिया की बदलती भू-राजनीति के बीच, ढाका ने एक स्पष्ट संदेश दिया है कि उसकी संप्रभुता और भविष्य की राह 1971 के मुक्ति संग्राम के मूल्यों पर ही टिकी है। शेख हसीना के लंबे शासनकाल के अंत और अगस्त 2024 के घटनाक्रमों के बाद, प्रधानमंत्री तारिक रहमान के नेतृत्व में बनी नई सरकार ने भारत के साथ रणनीतिक संबंधों को एक नई और सकारात्मक दिशा दी है। लेकिन पाकिस्तान को एक के बाद एक झटके लग रहे हैं।

इस बदलते परिदृश्य ने सबसे बड़ा झटका पाकिस्तान को दिया है। अगस्त 2024 में शेख हसीना के देश छोड़ने के बाद जब नोबेल विजेता मुहम्मद यूनुस ने अंतरिम सरकार संभाली थी, तब इस्लामाबाद और ढाका के बीच अचानक बढ़ी नजदीकियों ने नई दिल्ली की चिंताएं बढ़ा दी थीं। उस दौरान सैन्य प्रतिनिधिमंडलों की मुलाकातों और सीधे व्यापार की बहाली से पाकिस्तान को लगा था कि बांग्लादेश अब उसके पाले में आ गया है। हालांकि, फरवरी 2026 के आम चुनावों ने पूरी बाजी पलट दी। बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी की भारी जीत और 17 साल का निर्वासन खत्म कर तारिक रहमान के प्रधानमंत्री बनने के बाद, पाकिस्तान की उम्मीदें धूमिल हो गई हैं।

नई दिल्ली में बांग्लादेशी उच्चायोग द्वारा आयोजित भव्य समारोह ने यह साबित कर दिया कि भारत और बांग्लादेश के रिश्ते किसी एक राजनीतिक दल के मोहताज नहीं हैं, बल्कि ये साझा इतिहास और भौगोलिक वास्तविकता पर आधारित हैं। इस कार्यक्रम में भारत के शीर्ष राजनयिकों की मौजूदगी ने स्पष्ट किया कि भारत, तारिक रहमान प्रशासन के साथ मजबूती से खड़ा है। हाई कमिश्नर रियाज हामिदुल्लाह ने 1971 के उन 1,668 भारतीय सैनिकों के बलिदान को याद किया, जिन्होंने बांग्लादेश की आजादी के लिए अपने प्राण न्यौछावर किए थे। पाकिस्तान का मास्टरप्लान विफल होने का मुख्य कारण 1971 का वह कड़वा सच है जिसे बांग्लादेशी अवाम कभी नहीं भूल सकती। प्रधानमंत्री तारिक रहमान ने 25 मार्च 1971 की रात को पाकिस्तानी सेना द्वारा किए गए ऑपरेशन सर्चलाइट को एक पूर्व नियोजित नरसंहार करार दिया है। उन्होंने वर्तमान पीढ़ी को स्वतंत्रता के मूल्य समझाने के लिए इस क्रूर इतिहास को याद रखने की अपील की है। आर्थिक दृष्टिकोण से भी, गंभीर संकट से जूझ रहा पाकिस्तान बांग्लादेश के लिए कोई ठोस विकल्प नहीं है, जबकि भारत ऊर्जा सुरक्षा और व्यापार के लिए एक अपरिहार्य साझेदार बना हुआ है। तारिक रहमान के नेतृत्व में बांग्लादेश ने इंडिया आउट जैसे नकारात्मक नैरेटिव को खारिज कर यथार्थवाद और आर्थिक प्रगति की राह चुनी है।

शंखनाद, मंत्रों के बीच बालेन शाह ने ली नेपाल के पीएम पद की शपथ

-भ्रष्टाचार पर अंकुश, युवाओं की उम्मीदें पूरी करना और अर्थव्यवस्था को मजबूत करना चुनौती

काठमांडू। रैपर-इंजीनियर बालेन शाह ने शुक्रवार को नेपाल के पीएम पद की शपथ ली। वे 35 साल की उम्र में नेपाल के सबसे युवा पीएम बन गए हैं। शपथ ग्रहण समारोह राष्ट्रपति राम चंद्र पौडेल की उपस्थिति में शीतल निवास में दोपहर 12:34 बजे शुभ मुहूर्त पर संपन्न हुआ। सात ब्राह्मणों ने शंखनाद, 108 युवा ब्राह्मणों द्वारा स्वस्ति वाचन और 107 लामाओं द्वारा बौद्ध मंत्रों का पाठ किया गया।

5 मार्च 2026 को हुए आम चुनाव में आरएसपी ने भारी बहुमत हासिल किया। पार्टी ने 275 सदस्यीय प्रतिनिधि सभा में 182 सीटें जीतीं। बालेन शाह ने खुद चार बार पीएम रह चुके केपी शर्मा ओली को उनके गढ़ झापा-5 सीट से भारी अंतर से मात दी। नेपाल के आम चुनाव में पारंपरिक बड़े दल बुरी तरह हार गए। नेपाली कांग्रेस को सिर्फ 38 सीटें, सीपीएन-यूएलएल को 25 और नेपाल कम्युनिस्ट पार्टी को मात्र 17 सीटें मिलीं। आरएसपी की इस भारी जीत को युवाओं की

जेन-जेड क्रांति का नतीजा माना जा रहा है।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक बालेन राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के नेता हैं। करीब छह महीने पहले ओली सरकार को युवाओं के नेतृत्व वाले जेन-जेड आंदोलन में भ्रष्टाचार, भाई-भतीजावाद और सोशल मीडिया प्रतिबंध के खिलाफ हिंसक प्रदर्शनों के बाद हटा दिया गया था। बालेन पहले काठमांडू के मेयर रह चुके हैं। वे इंजीनियर भी हैं और रैप गानों के जरिए भ्रष्टाचार और युवाओं की समस्याओं को आवाज देते रहे हैं। शपथ लेने के बाद बालेन 15 से 18 मंत्रियों वाला छोटा मंत्रिमंडल बनाने की तैयारी में हैं। उनकी सबसे बड़ी चुनौती भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाना, युवाओं की उम्मीदें पूरी करना और नेपाल की अर्थव्यवस्था को मजबूत करना है। यह नेपाल के लिए एक नया अध्याय है। पारंपरिक दलों की लंबी पकड़ टूटने के बाद आरपीएस की यह लैंडस्लाइड जीत देश की राजनीति को पूरी तरह बदल सकती है। युवा पीढ़ी बालेन से बड़े बदलाव की उम्मीद लगा रही है।

बलूचिस्तान और सिंध में दमन को लेकर वैश्विक मंच पर पाकिस्तान की उड़ाई धज्जियां

जिनेवा। जिनेवा में आयोजित संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) के 61वें सत्र के दौरान पाकिस्तान को एक बार फिर अंतरराष्ट्रीय स्तर पर शर्मिंदगी का सामना करना पड़ा है। इस महत्वपूर्ण सत्र में पाकिस्तान के भीतर हो रहे मानवाधिकारों के गंभीर और व्यवस्थित उल्लंघन को लेकर विभिन्न मानवाधिकार कार्यकर्ताओं और संगठनों ने जमकर प्रहार किया। जापानी मानवाधिकार कार्यकर्ता शुन फुजिकी ने पाकिस्तान के दोहरे मापदंडों को उजागर करते हुए कहा कि लगभग 27 अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार संधियों का हिस्सा होने के बावजूद पाकिस्तान अपने नागरिकों को सुरक्षा देने में पूरी तरह विफल रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि पाकिस्तान में लोगों को जबरन गायब करना, हिरासत में यातनाएं देना और गैर-न्यायिक हत्याएं अब एक सामान्य प्रक्रिया बन चुकी हैं, जिसके कारण लोग या तो देश छोड़ने को मजबूर हैं या निरंतर भय के साए में जी रहे हैं।सत्र के समानांतर ही स्विट्जरलैंड के जिनेवा की सड़कों पर भी पाकिस्तान के खिलाफ जबरदस्त विरोध प्रदर्शन देखने को मिला। बलूच नेशनल मूवमेंट के नेतृत्व में आयोजित इस रैली में बलूचिस्तान प्रांत में हो रहे अत्याचारों के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय समुदाय से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की गई। प्रदर्शनकारियों ने पार्क डेस नेशंस से अपना मार्च शुरू किया, जो मानवाधिकारों के संघर्ष के प्रतीक ब्रोकन चेयर स्मारक तक पहुंचा। इस प्रदर्शन की खास बात यह थी कि इसमें बड़ी संख्या में महिलाएं और पीड़ित परिवारों के सदस्य शामिल हुए, जिनके हाथों में अपने लापता परिजनों की तस्वीरें और न्याय की मांग वाली तख्तियां थीं।मानवाधिकार कार्यकर्ता हकीम बलूच ने पाकिस्तान सरकार पर सनसनीखेज आरोप लगाते हुए बताया कि अकेले पिछले एक वर्ष में ही अपहरण और जबरन गायब किए जाने के 1,300 से अधिक मामले सामने आए हैं।

ड्रेगन की दोहरी नीति- ईरान की सेना को चिपमेकिंग उपकरण (टूल) मुहैया करा रही चीन की कंपनी

बीजिंग। ईरान पर इजरायल और अमेरिका के बढ़ते सैन्य दबाव के बीच चीन की भूमिका अब अंतरराष्ट्रीय चर्चा का केंद्र बन गई है। सार्वजनिक मंचों पर शांति और वार्ता की वकालत करने वाला चीन पर्दे के पीछे ईरान की सैन्य शक्ति को आधुनिक तकनीक से लैस करने के गंभीर आरोपों का सामना कर रहा है।

हाल ही में अमेरिकी प्रशासन के अधिकारियों ने एक चौंकाने वाला दावा किया है, जिसके अनुसार चीन की सबसे बड़ी चिप निर्माता कंपनी, सेमीकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग इंटरनेशनल कॉरपोरेशन, ईरान की सेना को महत्वपूर्ण चिपमेकिंग उपकरण (टूल) मुहैया करा रही है। यह खुलासा ऐसे समय में हुआ है जब चीन खुद को एक निष्पक्ष मध्यस्थ के रूप में पेश करने की कोशिश कर रहा है। अमेरिकी अधिकारियों के मुताबिक, कंपनी पर चीनी सेना से संबंधों के कारण पहले से ही कई प्रतिबंध लागू हैं। जांच में सामने आया है कि लगभग एक साल पहले इस कंपनी ने ईरान को उच्च तकनीक वाले उपकरण भेजने शुरू किए थे।

आशंका जताई जा रही है कि यह व्यापारिक लेन-देन अभी भी जारी है। इतना ही नहीं, यह भी माना जा रहा है कि चीनी कंपनी ईरान के सैन्य अधिकारियों को सेमीकंडक्टर टेक्नोलॉजी और उसके संचालन की तकनीकी ट्रेनिंग भी दे रही है। यदि ये आरोप सिद्ध होते हैं, तो यह अंतरराष्ट्रीय प्रतिबंधों का खुला उल्लंघन होगा, क्योंकि ईरान पर सैन्य तकनीक हासिल करने को लेकर सख्त पाबंदियां आयद हैं। हालांकि, वाशिंगटन स्थित चीनी दूतावास और कंपनी ने अब तक इन दावों पर कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं दी है। चीन हमेशा से यह तर्क देता रहा है कि ईरान के साथ उसके संबंध पूरी तरह से सामान्य और वित्तीय प्रकृति के हैं।

ईरान ने पाक झंडे लगे 10 तेल टैंकरों को गुजरने दिया, यह हमें उनका गिफ्ट है- ट्रंप

वाशिंगन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने दावा किया था कि ईरान ने 10 तेल टैंकरों को गुजरने दिया, यह उनकी तरफ से गिफ्ट है। इन टैंकरों पर पाकिस्तान का झंडा लगा था और ईरान इससे भरोसा जीतना चाहता था। उन्होंने कहा कि ईरान ने भरोसा दिखाने के लिए 8 बड़े तेल टैंकरों को गुजरने दिया और बाद में 2 और भेजे। वहीं ट्रम्प ने कहा कि ईरान के ऊर्जा ठिकानों पर हमले 10 दिन के लिए टाल दिए हैं। नई डेडलाइन अब 6 अप्रैल तय की गई है। उन्होंने कहा कि अमेरिका ईरान के एनर्जी इंफ्रास्ट्रक्चर पर फिलहाल कार्रवाई नहीं करेगा।

उन्होंने बताया कि यह फैसला इसलिए लिया गया ताकि दोनों देशों के बीच चल रही बातचीत को आगे बढ़ने का मौका मिल सके। इससे पहले भी ट्रम्प ईरान के परमाणु ठिकानों पर हमले की योजना को टाल चुके हैं, जिसे अब फिर से आगे बढ़ाया है।

इसी बीच खबरें हैं कि अमेरिका, ईरान के खार्ग द्वीप पर जमीनी हमला कर सकता है। इसके जवाब में ईरान ने बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट को बंद करने की चेतावनी दी है। बता दें बाब-अल-मंदेब रेड सी का एंट्री प्वाइंट है। यह रेड सी को अरब सागर से जोड़ता है। स्वेज नहर तक जाने वाले जहाज इसी रास्ते से गुजरते हैं। दुनिया के करीब 12 फीसदी तेल की सप्लाई यहां से होकर गुजरती है। यह दुनिया का चौथा सबसे बड़ा शिपिंग रूट है। बाब-अल-मंदेब अफ्रीकी देश जिबूती में मौजूद अमेरिकी मिलिट्री बेस इस स्ट्रेट से सिर्फ 30 किमी दूर है। अगर बाब-अल-मंदेब में भी रुकावट आती है, तो मिडिल ईस्ट में चल रहा संघर्ष और बढ़ सकता है।

क्या दक्षिणी लेबनान को नया गाजा बनाने की तैयारी में जुटा इजराइल

हिजबुल्लाह की सैन्य ताकत के साथ सामाजिक आधार खत्म करना

तेलअवीव। लेबनान में जारी संघर्ष ने गंभीर मानवीय और रणनीतिक संकट पैदा कर दिया है। इजरायल और हिजबुल्लाह के बीच बढ़ती टकराहट के बीच दक्षिणी लेबनान के हालात बेहद चिंताजनक हो चुके हैं। हाल के हफ्तों में इजरायली हमलों के कारण बड़े पैमाने पर तबाही और पलायन देखने को मिला है, जिससे यह आशंका है कि कहीं इस क्षेत्र को «नया गाजा» बनाने की रणनीति पर काम नहीं चल रहा।

रिपोर्ट्स के अनुसार, इस संघर्ष में अब तक करीब 1100 लोगों की जान जा चुकी है, जबकि लगभग 12 लाख लोग अपने घर छोड़ चुके हैं। संघर्ष के कारण पूरे-के-पूरे गांव खाली हो गए हैं और जहां पहले सामान्य जीवन चलता था, वहां अब सिर्फ मलबा और सन्नाटा नजर आता है। खेत, बाजार और घर उजड़ चुके हैं, जिससे यह इलाका एक मानवीय त्रासदी का केंद्र बन गया है। वहीं विशेषज्ञों और स्थानीय लोगों का मानना है कि यह सब अचानक नहीं हो रहा, बल्कि एक तय रणनीति के मुताबिक ऐसा किया जा रहा है। यह रणनीति गाजा में अपनाए गए मॉडल से मिलती-जुलती है, जिसके तहत पहले लगातार बमबारी, फिर लोगों को इलाके खाली करने के निर्देश, और अंत में उस क्षेत्र को इस हद तक नष्ट कर देना कि लोग चाहकर भी वापस न लौट सकें। दक्षिणी लेबनान के बिंत जबैल, मरजायौन, हसबाया, नबातियेह और टायर जैसे इलाके इस रणनीति का केंद्र बने हुए हैं।

इन क्षेत्रों का महत्व केवल भौगोलिक नहीं, बल्कि सामाजिक और आर्थिक भी है। यहां शिया मुस्लिम समुदाय की बड़ी आबादी रहती है, जहां हिजबुल्लाह और अमल मूवमेंट का प्रभाव है। साथ ही कुछ हिस्सों में ईसाई समुदाय और फिलिस्तीनी शरणार्थी भी रहते हैं। इस विविध आबादी का विस्थापन न केवल मानवीय संकट को बढ़ाता है, बल्कि क्षेत्रीय सामाजिक ढांचे को भी कमजोर करता है। वर्तमान स्थिति में हजारों लोग अस्थायी शिविरों, स्कूलों या खुले आसमान में जीने को मजबूर हैं। «सेफ जोन» घोषित किए गए क्षेत्रों में भी हमलों की खबरों ने लोगों के बीच भय और अविश्वास को बढ़ाया है। यह स्थिति गाजा जैसी मानवीय त्रासदी की याद दिलाती है। इस पूरी कार्रवाई के पीछे संभावित उद्देश्य को लेकर भी बहस तेज हुई है।

हमें कतर मत समझना, बहुत बुरा मारेंगे पाकिस्तान ने इजरायल को धमकाया

इस्लामाबाद। मध्य पूर्व में अमेरिका और ईरान के बीच जारी भीषण युद्ध के बीच अब पाकिस्तान और इजरायल के बीच भी तनाव चरम पर पहुंच गया है। तेहरान में पाकिस्तानी दूतावास के निकट हुए इजरायली हमलों के बाद पाकिस्तान सरकार से जुड़े एक रणनीतिक फोरम ने इजरायल को सीधे शब्दों में चेतावनी दी है। पाकिस्तान स्ट्रैटेजिक फोरम ने स्पष्ट लहजे में कहा कि इजरायल को यह याद रखना चाहिए कि पाकिस्तान कतर नहीं है।

फोरम ने कड़ा रुख अपनाते हुए कहा कि यदि दुनिया में कहीं भी पाकिस्तानी राजनयिकों को किसी भी तरह का नुकसान पहुंचाया गया, तो इसका अंजाम बहुत बुरा होगा और पाकिस्तान इसका मुंहतोड़ जवाब देगा। यह विवाद तब शुरू हुआ जब इजरायली रक्षा बलों ने शुक्रवार को पुष्टि की कि उन्होंने मध्य तेहरान में ईरानी शासन के आतंकी बुनियादी ढांचे को निशाना बनाते हुए बड़े पैमाने पर सिलसिलेवार हमले किए हैं। इन हमलों के दौरान पाकिस्तानी दूतावास के पास की कई इमारतें क्षतिग्रस्त हो गईं। हालांकि, सूत्रों के अनुसार दूतावास परिसर और वहां तैनात स्टाफ सुरक्षित है, लेकिन हमलों की तीव्रता ने इस्लामाबाद को सुरक्षा को लेकर चौकन्ना कर दिया है। इसी बीच, ईरान ने भी पलटवार करते हुए ऑपरेशन ट्रू प्रॉमिस 4 की 83वीं लहर शुरू कर दी है, जिसमें हाइफा जैसे रणनीतिक इजरायली ठिकानों पर ड्रोन हमले किए गए हैं। एक तरफ जहां पाकिस्तान सैन्य लहजे में चेतावनी दे रहा है, वहीं दूसरी ओर वह पर्दे के पीछे अमेरिका और ईरान के बीच मध्यस्थ की भूमिका भी निभा रहा है। पाकिस्तान के विदेश मंत्री इसहाक डार ने पुष्टि की है कि उनका देश अमेरिका और ईरान के बीच संदेशों के आदान-प्रदान का जरिया बना हुआ है। उन्होंने बताया कि अमेरिका ने शांति स्थापना के लिए एक 15-सूत्रीय प्रस्ताव साझा किया है, जिस पर ईरान विचार कर रहा है। इस शांति पहल में तुर्किये और मिस्र जैसे देश भी पाकिस्तान का सहयोग कर रहे हैं। पाकिस्तानी अधिकारियों का मानना है कि पश्चिम एशिया के इस खूनी संघर्ष को केवल कूटनीति और बातचीत से ही सुलझाया जा सकता है।

ट्रंप का सनसनीखेज दावा कहा- खुफिया एजेंसी ने मुझे बताया ईरान के नए सुप्रीम लीडर गे हैं

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने एक हालिया इंटरव्यू में ईरान के नए सुप्रीम लीडर मोजतबा खामेनेई और ईरान की सैन्य स्थिति को लेकर कई चौंकाने वाले दावे किए हैं। ट्रंप ने दावा किया कि अमेरिकी खुफिया एजेंसी (सीआईए) ने उन्हें जानकारी दी है कि ईरान के नए अयातुल्ला मोजतबा खामेनेई समलैंगिक हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या सीआईए ने विशेष रूप से इस बात की पुष्टि की है, तो ट्रंप ने कहा कि उन्हें ऐसी जानकारी दी गई थी, हालांकि उन्होंने यह भी जोड़ा कि कई अन्य लोग भी इस तरह की बातें कर रहे हैं। ट्रंप ने ईरान के कड़े शरिया कानूनों का परोक्ष रूप से जिक्र करते हुए कहा कि इस तरह की जानकारी नए सुप्रीम लीडर के लिए एक खराब शुरुआत साबित हो सकती है। गौरतलब है कि ईरान में समलैंगिकता पूरी तरह से गैरकानूनी है और वहां इसके लिए मृत्युदंड तक के कड़े प्रावधान हैं। न्यूयॉर्क पोस्ट की एक रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले हफ्ते जब खुफिया ब्रीफिंग के दौरान ट्रंप को यह बताया गया, तो वह काफी हैरान रह गए थे और उन्होंने इस पर आश्चर्य व्यक्त करते हुए प्रतिक्रिया दी थी। हालांकि, ट्रंप ने इन दावों के समर्थन में कोई सार्वजनिक या पुख्ता सबूत पेश नहीं किया है।

ईरान के साथ चल रहे तनाव और पश्चिम एशिया के संघर्ष पर बात करते हुए ट्रंप ने सैन्य मोर्चे पर भी बड़ी जीत का दावा किया। उन्होंने दृढ़ता के साथ कहा कि अमेरिका और इजरायल के संयुक्त प्रयासों ने तेहरान की सैन्य क्षमताओं को लगभग मटियामेट कर दिया है। ट्रंप के अनुसार, अमेरिका सैन्य रूप से यह युद्ध पहले ही जीत चुका है। उन्होंने बताया कि अमेरिकी अभियानों ने ईरान के सैन्य बुनियादी ढांचे के सबसे महत्वपूर्ण हिस्सों को पूरी तरह बेअसर कर दिया है।

अपनी सैन्य उपलब्धियों को गिनाते हुए ट्रंप ने दावा किया कि ईरान की नौसेना और वायु सेना अब लगभग खत्म होने की कगार पर है।

आस्ट्रेलिया में भी ईंधन संकट, पीएम अल्बनीज ने बुलाई मीटिंग कहा- ये बड़ा संकट है

कैनबरा। मध्य पूर्व में ईरान, अमेरिका और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य तनाव ने दुनिया भर में ऊर्जा सुरक्षा को लेकर खतरे की घंटी बजा दी है। इस भू-राजनीतिक अस्थिरता का सीधा असर अब ऑस्ट्रेलिया की ईंधन आपूर्ति पर प?ता दिख रहा है। प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज ने मौजूदा स्थिति पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा है कि हालांकि देश में ईंधन की आपूर्ति फिलहाल अल्पकालिक रूप से स्थिर दिख रही है, लेकिन आने वाले महीनों में चुनौतियां और अधिक ब? सकती हैं। कैनबरा स्थित संसद भवन में आयोजित एक प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान प्रधानमंत्री ने स्पष्ट किया कि सरकार किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए एक मजबूत योजना तैयार करने पर दिन-रात काम कर रही है।

ऑस्ट्रेलिया अपनी जरूरतों के लिए बड़े पैमाने पर अंतरराष्ट्रीय बाजार पर निर्भर है, ऐसे में सरकार मलेशिया और अन्य आसियान देशों के साथ अपने सकारात्मक संबंधों का लाभ उठाने की कोशिश कर रही है ताकि आपूर्ति श्रृंखला बनी रहे। प्रधानमंत्री ने तेल संकट की गंभीरता को देखते हुए आगामी सोमवार को एक नेशनल कैबिनेट की विशेष बैठक भी बुलाई है, जिसमें राज्यों के साथ मिलकर भविष्य की रणनीति तय की जाएगी। जलवायु परिवर्तन और ऊर्जा मंत्री क्रिस बोवेन ने स्थिति का आकलन करते हुए कहा कि देश में पेट्रोल और डीजल की मांग में अचानक भारी वृद्धि हुई है, जिससे क्षेत्रीय ऑस्ट्रेलिया में ईंधन की कमी महसूस की जा रही है। आधिकारिक आंक?ों के अनुसार, देश भर के लगभग 470 सर्विस स्टेशनों पर कम से कम एक प्रकार का ईंधन पूरी तरह खत्म हो चुका है। संकट की गहराई का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि ऑस्ट्रेलिया में वर्तमान में केवल दो घरेलू रिफाइनरियां ही संचालित हो रही हैं। देश अपनी जरूरत का 80 प्रतिशत से अधिक पेट्रोल, डीजल और जेट ईंधन आयात करता है, जिसका अधिकांश हिस्सा एशियाई देशों से आता है। विशेषज्ञों का कहना है कि एशियाई रिफाइनरियां कच्चे तेल के लिए मुख्य रूप से मध्य पूर्व पर निर्भर हैं, जहां से तेल स्ट्रेट ऑफ होर्मुज के रास्ते भेजा जाता है।

रंगसंसार

अल्लू अर्जुन संग अनुष्का कर सकती है कमबैक

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस अनुष्का शर्मा को लंबे समय बाद फिल्म इंडस्ट्री में वापसी करने की तैयारी में देखा जा रहा है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, उन्हें साउथ सुपरस्टार अल्लू अर्जुन के साथ एक बड़ी तेलुगू फिल्म के लिए अप्रोच किया गया है। इस प्रोजेक्ट को डायरेक्टर एटली निर्देशित कर रहे हैं और लीड रोल में बॉलीवुड की बड़ी स्टार दीपिका पादुकोण नजर आएंगी। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, अनुष्का शर्मा इस फिल्म में शामिल होने को लेकर बातचीत कर रही हैं। अगर डील फाइनल होती है, तो यह उनकी पहली तेलुगू फिल्म होगी और लंबे समय बाद बड़े पर्दे पर उनका कमबैक माना जाएगा। अनुष्का शर्मा को आखिरी बार साल 2018 में रिलीज हुई फिल्म "जीरो" में देखा गया था, जिसमें उनके साथ शाहरुख खान और कैटरीना कैफ भी थे। इसके बाद वह किसी लीड रोल में नहीं दिखीं। उन्होंने पूर्व भारतीय क्रिकेटर झूलन गोस्वामी की बायोपिक "चकदा एक्सप्रेस" के लिए भी काम किया था, लेकिन प्रोजेक्ट में देरी और बंद होने की खबरें सामने आई थीं। फैंस और इंडस्ट्री मेंबर्स इस खबर को लेकर उत्साहित हैं और अनुष्का के साउथ फिल्म में डेब्यू की उम्मीद कर रहे हैं। अगर यह डील फाइनल होती है, तो यह उनके करियर के लिए नया अध्याय होगा और उनके फैन्स के लिए भी उत्सुकता का कारण बनेगा।

सितारे जमीन परओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर होगी उपलब्ध

मुंबई । बॉलीवुड फिल्म "सितारे जमीन पर" ने रिलीज होने के बाद दर्शकों का दिल जीत लिया। सुपरस्टार आमिर खान की इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर भी जबरदस्त कमाई की। फिल्म अब ओटीटी प्लेटफॉर्म सोनी लिव पर स्ट्रीमिंग के लिए उपलब्ध होगी। मेकर्स ने इसकी पूरी तैयारी कर ली है और 3 अप्रैल को फिल्म को डिजिटल रिलीज के लिए तय कर लिया गया है। सोनी लिव ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर फिल्म की रिलीज डेट की घोषणा करते हुए लिखा, "किसी के लिए अलग, किसी के लिए नॉर्मल, सबका अपना नॉर्मल होता है।

उम्मीद और सुकून की एक दिल छू लेने वाली कहानी। देखिए सितारे जमीन पर 3 अप्रैल से सिर्फ सोनी लिव पर।" यह घोषणा फैंस के लिए रोमांचक है क्योंकि अब वे घर बैठे ही आमिर खान की इस शानदार फिल्म का अनुभव ले सकेंगे। यह फैसला आमिर खान के पिछले साल के बयान से अलग है, जब उन्होंने कहा था कि फिल्म ओटीटी पर उपलब्ध नहीं होगी। उस समय फिल्म को थिएटर के बाद सीधे यूट्यूब रेंटल पर स्ट्रीम करने की योजना बनाई गई थी। 20 जून को सिनेमाघरों में रिलीज होने के बाद, 1 अगस्त से फिल्म यूट्यूब पर रेंट के जरिए देखी जा सकती थी, जहां दर्शक इसे 100 रुपये देकर स्ट्रीम कर सकते थे। फिल्म के निर्देशक आरएस प्रसन्ना ने कहानी को जीवंत बनाया है। फिल्म में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख लीड रोल में हैं, जबकि आशीष पेंडसे, आरुष दत्ता, आयुष भंसाली, ऋषि शहानी, गोपीकृष्णन के. वर्मा, ऋषभ जैन, वेदांत शर्मा, सिमरन मंगेशकर, संवित देसाई और नमन मिश्रा जैसे कलाकार फिल्म में अहम भूमिका निभा रहे हैं।

यह फिल्म आमिर खान प्रोडक्शंस के बैनर तले बनी है। "सितारे जमीन पर" की कहानी एक बास्केटबॉल कोच के इर्द-गिर्द घूमती है। शराब पीकर गाड़ी चलाने के मामले में फंसने के बाद कोर्ट उसे सजा के तौर पर विशेष बच्चों के एक ग्रुप को बास्केटबॉल सिखाने का आदेश देती है। फिल्म ने न सिर्फ दर्शकों का दिल जीता बल्कि क्रिटिक्स से भी काफी सराहना हासिल की। बॉक्स ऑफिस पर इसने 265 करोड़ रुपये से अधिक की कमाई की है, जो इसे साल की सबसे सफल फिल्मों में शुमार करता है। अब 3 अप्रैल से आमिर खान की यह फिल्म सोनी लिव पर स्ट्रीम होगी।

दैनिक पंचांग

28 मार्च 2026 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

ग्रह	स्थिति	लग्नारंभ समय	
सूर्य	मीन में	मेष	06.52 बजे से
चंद्र	कर्क में	वृष	08.32 बजे से
मंगल	कुंभ में	मिथुन	10.30 बजे से
बुध	कुंभ में	कर्क	12.43 बजे से
गुरु	मिथुन में	सिंह	14.59 बजे से
शुक्र	मेष में	कन्या	17.11 बजे से
शनि	मीन में	तुला	19.22 बजे से
राहु	कुंभ में	वृश्चिक	21.37 ब.से
केतु	सिंह में	धनु	23.53 बजे से
राहुकाल		मकर	01.58 बजे से
9.00 से 10.30		कुंभ	03.44 बजे से
बजे तक		मीन	05.17 बजे से

शनिवार 2026 वर्ष का 87 वा दिन
दिशाशूल पूर्व ऋतु बसंत।
विक्रम संवत् 2083
शक संवत् 1948
मास चैत्र पक्ष शुक्ल
तिथि दशमी 08.46 बजे को समाप्त।
नक्षत्र पुष्य 14.50 बजे को समाप्त।
योग सुकर्मा 20.06 बजे को समाप्त।
करण गर 08.46 बजे तदनन्तर वणिज 20.14 बजे को समाप्त।
चन्द्रायु 8.9 घण्टे
रवि क्रान्ति उत्तर 02° 54'
सूर्य उत्तरायन
कलि अहर्गण 1872662
जूलियन दिन 2461127.5
कलियुग संवत् 5128
कल्पारंभ संवत् 1972949128
सृष्टि ग्रहारंभ संवत् 1955885128
वीरनिर्वाण संवत् 2552
हिजरी सन् 1447
महीना सव्वाल
तारीख 08

दिन का चौघड़िया				रात का चौघड़िया			
काल	05.55 से	07.23 बजे तक		लाभ	05.37 से	07.10 बजे तक	
शुभ	07.23 से	08.51 बजे तक		उद्वेग	07.10 से	08.42 बजे तक	
रोग	08.51 से	10.19 बजे तक		शुभ	08.42 से	10.14 बजे तक	
उद्वेग	10.19 से	11.46 बजे तक		अमृत	10.14 से	11.47 बजे तक	
चर	11.46 से	01.14 बजे तक		चर	11.47 से	01.19 बजे तक	
लाभ	01.14 से	02.42 बजे तक		रोग	01.19 से	02.51 बजे तक	
अमृत	02.42 से	04.10 बजे तक		काल	02.51 से	04.23 बजे तक	
काल	04.10 से	05.37 बजे तक		लाभ	04.23 से	05.56 बजे तक	

चौघड़िया शुभाशुभ- शुभत्व श्रेष्ठ शुभ, अमृत व लाभ, **मध्यम** चर, **अशुभ** उद्वेग, रोग व काल। सभी समय भारतीय मानक समय की मध्य रेखा बिन्दु के आधार पर है अतः आप अपने स्थानीय समयानुसार ही देखें। ■ Jagrutidaur.com, Bangalore

आयुष्मान ने रणवीर को बताया हिंदी सिनेमा का शेर

बॉलीवुड एक्टर रणवीर सिंह की हाल ही में रिलीज हुई फिल्म "धुरंधर 2" बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचा रही है। फिल्म की कहानी, एक्शन और स्टारकास्ट ने दर्शकों का दिल जीत लिया है और इसे पॉजिटिव प्रतिक्रिया मिल रही है। इसी कड़ी में बॉलीवुड के चर्चित एक्टर आयुष्मान खुराना ने भी यह फिल्म देखी और रणवीर सिंह के अभिनय की खुले तौर पर तारीफ की। आयुष्मान ने फिल्म देखने के बाद अपनी इंस्टाग्राम स्टोरी पर लंबा पोस्ट शेयर किया। उन्होंने लिखा कि तीन दिन बीत गए, लेकिन वे अभी भी इस शानदार जासूसी-थ्रिलर की दुनिया से बाहर नहीं निकल पाए हैं। उन्होंने रणवीर सिंह को "हिंदी सिनेमा का शेर" बताते हुए कहा कि उनका परफॉर्मेंस बेहद दमदार और प्रभावशाली था। आयुष्मान ने डायरेक्टर आदित्य धर की टीम को भी खूब सराहा और लिखा कि हम वास्तव में आदित्य धर के युग में जी रहे हैं। आयुष्मान ने आगे कहा कि आदित्य धर केवल एक खास तरह की फिल्मों के मास्टर नहीं हैं, बल्कि हर शैली में उनका निर्देशन अद्भुत है। उन्होंने रणवीर के अलावा फिल्म में अर्जुन रामपाल, आर माधवन, सारा अर्जुन, राकेश बेदी और गौरव गेरा की भी तारीफ की। उनका कहना था कि इस फिल्म ने हिंदी सिनेमा को एक बार फिर शिखर तक पहुँचाया है।

मातृभूमि की नई रिलीज डेट का इंतजार

बॉलीवुड के सुपरस्टार सलमान खान की बहुप्रतीक्षित फिल्म "मातृभूमि" की रिलीज फैंस के लिए फिलहाल टल गई है। पहले यह फिल्म 17 अप्रैल को सिनेमाघरों में आने वाली थी, लेकिन निर्माण कार्य अभी अधूरा होने की वजह से मेकर्स को इसे आगे बढ़ाना पड़ा। सूत्रों के अनुसार, फिल्म के कुछ अहम हिस्से अब भी शूट होने बाकी हैं। यही वजह है कि मेकर्स ने रिलीज को स्थगित करने का निर्णय लिया। फिल्म में सलमान खान के अलावा कई अन्य बड़े कलाकार भी शामिल हैं। फैंस के लिए यह खबर थोड़ी निराशाजनक साबित हो सकती है, क्योंकि वे लंबे समय से फिल्म के बड़े पर्दे पर आने का इंतजार कर रहे थे। हालांकि, मेकर्स ने यह स्पष्ट किया है कि फिल्म की नई रिलीज डेट जल्द ही घोषित की जाएगी। फिल्म की निर्माण में देरी और रिलीज स्थगन किसी भी बड़े प्रोजेक्ट के लिए सामान्य प्रक्रिया मानी जाती है, लेकिन इसके बावजूद फैंस की उत्सुकता और बढ़ गई है। सोशल मीडिया पर फिल्म को लेकर चर्चा पहले से ही जोरों पर है।

पिता और पुत्र चुनाव मैदान में?

पश्चिम बंगाल के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने अर्जुनसिंह को नोआपारा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है।उनके बेटे पवन सिंह को भाटपारा सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। भाजपा परिवारवाद का विरोध करती है। एक ही चुनाव में बाप-बेटे को टिकट देकर भाजपा ने नियमों को ताक पर रख दिया है। कहते हैं, नियम बनते ही तोड़ने के लिए हैं। 75 साल का फार्मूला सभी को याद है। उस नियम से कितने नेताओं की राजनीति खत्म हो गई। नियम सुविधा के लिए बनाए जाते हैं।इसे बीजेपी से अच्छा कोई नहीं जानता है।

चुनाव मैदान में भाजपा के बड़े-बड़े चेहरे?

पश्चिम बंगाल के चुनाव में भाजपा ने शुभेंदु अधिकारी को दो सीट से चुनाव मैदान में उतारा है। दिलीप घोष को भी चुनाव मैदान में उतारा है। पूर्व केंद्रीय मंत्री निशथ प्रमाणिक तथा पूर्व सांसद, अभिनेत्री रूपा गांगुली (महाभारत सीरियल) से अपनी पहचान बनाई थी। इन सभी को पश्चिम बंगाल के चुनाव मैदान में उतारा है।रही सही कसर बाप-बेटे को टिकट देकर भाजपा ने बता दिया है।

विवाद बढने पर करण जौहर ने अपने बयान को लेकर दी सफाई

बीते दिनों बॉलीवुड फिल्ममेकर करण जौहर ने एक इंटरव्यू में कहा था कि वर्तमान समय में एक्टर्स बहुत जल्दी टैलेंट एजेंसी बदल लेते हैं और कभी-कभी यह फैसले उनकी इनसिक्योरिटी की वजह से होते हैं। इस बयान को तुरंत जाह्नवी कपूर से जोड़कर पेश किया गया, जिससे सोशल मीडिया और मीडिया पर काफी चर्चा हुई। विवाद बढ़ने के बाद करण जौहर ने इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट साझा कर स्पष्ट किया कि उनके बयान को गलत तरीके से पेश किया जा रहा है। उन्होंने लिखा कि उनके शब्दों को संदर्भ से हटाकर और तोड़-मरोड़कर पेश किया जा रहा है, जिससे गलतफहमियां पैदा हो रही हैं। करण ने मीडिया से अपील की कि सिर्फ आकर्षक हेडलाईंस बनाने के लिए इंटरव्यू के छोटे हिस्सों को अलग-अलग दिखाना उचित नहीं है। करण जौहर ने यह भी बताया कि कलाकार इंटरव्यू और पॉडकास्ट में खुलकर अपनी राय रखते हैं, लेकिन जब उनकी एक लाइन को अलग संदर्भ में पेश किया जाता है, तो वह भ्रामक बन जाती है। इससे न केवल गलत संदेश जाता है, बल्कि लोग खुलकर बात करने में हिचकिचाने लगते हैं। उनका कहना है कि किसी भी बयान को उसके पूरे संदर्भ में पेश करना चाहिए, केवल एक लाइन को अलग दिखाना लोगों के बीच भ्रम और गलतफहमी फैलाता है। करण जौहर के इस पोस्ट के बाद यह स्पष्ट हो गया कि उनका बयान किसी विशेष कलाकार को निशाना बनाने के लिए नहीं था। उन्होंने अपने संदेश में यह भी जोर दिया कि वे एजेंसी छोड़ने वाले कलाकारों के साथ काम करना जारी रखेंगे और उनका उद्देश्य केवल इंडस्ट्री के बदलते ट्रेंड्स और चुनौतियों पर अपने विचार साझा करना था। इस सफाई के साथ करण जौहर ने सोशल मीडिया पर यह संदेश दिया कि इंटरव्यू और बयानों को तोड़-मरोड़कर पेश करने से न केवल कलाकारों की छवि प्रभावित होती है,

रश्मिका-विजय ने दिल जीता

साउथ के पॉपुलर कपल रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा ने हाल ही में अपने फैंस के प्रति अपनी स्नेहशीलता का उदाहरण पेश किया। हाल ही में इस कपल ने अपनी एक नन्हीं फैन का सपना पूरा किया, जिसने उनकी शादी में शामिल होने की इच्छा जताई थी। दरअसल, बच्ची को शादी में आमंत्रित नहीं किया गया था, जिसके बाद उसने सोशल मीडिया पर एक वीडियो शेयर किया। इसमें उसने मजाकिया अंदाज में कहा कि सभी को लड्डू और खाना मिल रहा है, लेकिन उसे क्यों नहीं बुलाया गया। वीडियो वायरल होते ही यह सीधे विजय देवरकोंडा तक पहुंच गया। इसके बाद कपल ने बच्ची के लिए वादा पूरा किया। हैदराबाद में रश्मिका और विजय ने बच्ची और उसके परिवार को अपने घर बुलाया। वीडियो में विजय बच्ची को गोद में उठाते और घर के अंदर ले जाते दिख रहे हैं। रश्मिका ने उसे प्यार से लड्डू खिलाया और उसके गाल पर किस किया। बच्ची ने कहा, "हम भी दोस्त हैं ना?" इस पर कपल ने मुस्कराकर उसे ढेर सारा प्यार दिया। इस मुलाकात ने न केवल बच्ची बल्कि उसके परिवार को भी अपनापन महसूस कराया।

निर्देशकों की एक नई पीढ़ी का उदय होगा

राम गोपाल वर्मा ने अपनी फिल्म 'सत्या' से 'धुरंधर' की तुलना करते हुए कहा कि उन्हें खुशी है कि 1998 की गैंगस्टर ड्रामा फिल्म आदित्य धर के लिए आधारशिला साबित हुई, जिन्होंने व्यावसायिक फिल्म निर्माण के व्याकरण को बदल दिया है। वर्मा ने 'धुरंधर' और इसके दूसरे भाग 'धुरंधरः द रिवेंज' को लिखने वाले, निर्देशन और सह-निर्माण करने वाले धर की जमकर प्रशंसा की है। वर्मा ने एक साक्षात्कार में कहा, धुरंधर सिर्फ एक फिल्म नहीं है, इसने व्याकरण को बदल दिया, लोगों की मानसिकता को बदल दिया। यह निश्चित रूप से निर्देशकों की एक नई पीढ़ी को जन्म देगी, जो इसे एक मानदंड मानेंगे। फिल्म निमार्ता वर्मा फिल्म 'सत्या' से गैंगस्टर शैली में क्रांति लाने के लिए जाने जाते हैं, जिसने हिंदी सिनेमा में यथार्थवाद को फिर से परिभाषित किया। आदित्य धर द्वारा निर्देशित 'धुरंधर' एक जासूसी एक्शन थ्रिलर है जिसमें जसकीरत सिंह रंगी उर्फ हमजा अली मजारी नामक एक भारतीय एजेंट कराची के आपराधिक अंडरवर्ल्ड में गुप्त रूप से प्रवेश करता है और फिर भारत को निशाना बनाने वाले एक आतंकी नेटवर्क को खत्म करने के लिए काम करता है। वर्मा ने कहा, 'धुरंधर देखने के बाद मुझे लगता है कि आज के निर्देशकों में आदित्य बहुत आगे निकल गए हैं। आदित्य धर, ज्योति देशपांडे और लोकेश धर द्वारा निर्मित फिल्म के दूसरे भाग में अभिनेता आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी की वापसी हुई है।'

राम गोपाल वर्मा ने बताया कि आखिर वो 'धुरंधर' के बारे में क्यों बात कर रहे हैं। लोग मुझसे पूछ रहे हैं कि मैं 'धुरंधर' के बारे में क्यों बात कर रहा हूं। ये इसीलिए क्योंकि आदित्य धर अपने काम को लेकर ईमानदार हैं। उन्होंने 'धुरंधर' बनाई क्योंकि उनके पास कहानी थी बताने के लिए, इसीलिए नहीं कि वो कुछ सिद्ध करना चाहते थे। मैं अपनी घड़ी री-सेट करना चाहता हूं। जैसे अपने कालेज के दिनों मैंस्टीवन स्पीलबर्ग के बारे में सोचता था वैसा ही मैं आदित्य धर के लिए सोचता हूं। मैं आदित्य धर से बहुत प्रभावित हूं। इसमें गलत क्या है? मालूम हो कि वर्मा अमिताभ और अभिषेक संग 'सरकार 4' की शूटिंग करने वाले थे। ये शूटिंग अप्रैल में शुरू होनी थी। लेकिन अब वर्मा ने शूटिंग की योजना को रद्द कर दिया है। उन्होंने ये फैसला 'धुरंधर' की वजह से लिया है। हालांकि, 'सरकार 4' की शूटिंग कब शुरू होगी इसके बारे में वर्मा ने कोई वक्त नहीं बताया।

ओटीटी पर बेजोड़ कहानी वाली फिल्मों का दौर

आरती सक्सेना

वर्ष 2026 में ओटीटी प्लेटफार्म पर कई ऐसी वेब सीरीज और फिल्में प्रदर्शित हो रही हैं जो दर्शकों के लिए एक सौगात साबित होंगी। जहां एक ओर दर्शकों के लिए मनपसंद वेब सीरीज की अगली श्रृंखला जैसे 'पंचायत सीजन 5', 'ग्राम चिकित्सालय सीजन 2', 'सीजन 3', 'दुपहिया सीजन 2' फिर से एक बार ओटीटी पर दस्तक देंगी। वहीं दूसरी तरफ बेजोड़ कहानी वाली फिल्म 'मटका किंग', 'आश्रम-4', यामी गौतम की 'नई नवेली' और अली फजल और सोनाली बेंद्रे की 'राख' फिल्में भी तैयार हैं। इतना ही नहीं इस बार दिग्गज कलाकार ऋतिक रोशन, आलिया भट्ट, कुणाल खेमू, प्रीति जिंटा जैसे बड़े सितारे फिल्म निर्माता की भूमिका में नजर आएंगे। पेश है इन फिल्मों पर एक रपट...

ओटीटी पर इस साल कहानी और मनोरंजन का तूफान देखने को मिलेगा, जिसमें बालीवुड लेकर दक्षिण और हालीवुड की फिल्में नजर आएंगी। दक्षिण में पवन कल्याण अभिनीत उस्ताद भगत सिंह, दुलकार सलमान अभिनीत फिल्म आकाशम लो, ओक तारा, राघव जुयाल अभिनीत 'द पैराडाइज', धनुष अभिनीत 'कारा', हालीवुड फिल्म 'लेडीज फर्स्ट' कामेडी फिल्म, 'रिमार्कबली ब्राइट क्रिएचर्स', 'एनोला होम्स 3' आदि हालीवुड फिल्म दस्तक देंगी। इसके अलावा सीरीज में 'मामला लीगल है 2', 'हिंडोरा 2', 'मुसाफिर', 'गांधारी', पहले लोकतंत्र पर आधारित 'हम हिन्दुस्तानी', 'घूसखोरी पंडित' आदि फिल्में ओटीटी पर नजर आएंगी।

सबसे ज्यादा चर्चा अगर किसी सीरीज की है, तो वो है 'आश्रम-4'। बाबा निराला का किरदार और उसकी कहानी लोगों को काफी पसंद आई थी। पिछले सीजन के बाद से ही लोग इसके अगले सीजन का इंतजार कर रहे हैं और खबर है कि इस पर काम चल रहा है। अगर सब ठीक रहा, तो 2026 में इसका नया सीजन देखने को मिल सकता है। इसके अलावा 'दहाड़ सीजन 2' पर भी सबकी निगाहें टिकी हुई हैं। इस कहानी में सोनाक्षी सिन्हा फिर से पुलिस अधिकारी के किरदार में नजर आ सकती हैं। पहले सीजन की कहानी एक सीरियल किलर पर आधारित थी और लोगों को काफी पसंद आई थी, इसलिए दूसरे सीजन से भी काफी उम्मीदें हैं। इस सीरीज में विजय वर्मा और गुलशन देवैया जैसे कलाकार भी नजर आएंगे, जिससे कहानी और मजबूत होने की उम्मीद है। एक और सीरीज जो चर्चा में है, वो है राख। इस फिल्म में अली फजल मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। वहीं, अगर आपको सच्ची घटनाओं और बिजनेस स्टोरी में दिलचस्पी है, तो 'मेड इंडियाः ए टाइटन स्टोरी' भी आने वाली है। इसमें नसीरुद्दीन शाह जेआरडी टाटा के किरदार में नजर आएंगे। इस सीरीज में दिखाया जाएगा कि टाइटन ब्रांड कैसे बना और कैसे एक भारतीय कंपनी ग्लोबल ब्रांड बनी। इसके अलावा मटका किंग भी काफी चर्चा में है, जिसमें विजय वर्मा नजर आएंगे। यह कहानी 1960 के दौर की होगी, जब मटका जुआ और अंडरवर्ल्ड का बड़ा नेटवर्क हुआ करता था। यानी इसमें क्राइम, पैसा और पावर की कहानी देखने को मिल सकती है।

मेरे और प्रियदर्शन के बीच कभी कोई मतभेद नहीं रहा : अक्षय

अभिनेता अक्षय कुमार और निर्देशक प्रियदर्शन ने कहा है कि उनके बीच कोई मतभेद नहीं है। दोनों अपनी अगली फिल्म 'भूत बंगला' की प्रदर्शन की तैयारी में जुटे हैं, जो उनकी कई सफल हास्य फिल्मों के बाद आ रही है। अक्षय और प्रियदर्शन ने पहली बार वर्ष 2000 में फिल्म 'हेरा फेरी' में साथ काम किया था, जिसे अभिनेता की छवि को हास्य अभिनेता में बदलने का श्रेय दिया जाता है। इसके बाद उनकी जोड़ी ने फिल्म 'गरम मसाला', 'भागम भाग', 'भूल भुलैया', 'दे दना दन' और 'खट्टा मीठा' जैसी फिल्में दीं। लंबे समय तक साथ काम करने के दौरान मतभेद होने के सवाल पर दोनों ने इनकार किया। अक्षय ने कहा, अगर मैं उनसे कहता हूं, 'सर, यह अच्छा लग रहा है?' और वे कहते हैं 'नहीं', तो मैं वह नहीं करता। इसमें कोई मतभेद नही होता। प्रियदर्शन ने कहा, 'फिल्म 'भूत बंगला' 10 अप्रैल को सिनेमाघरों में प्रदर्शित होगी। निर्देशक प्रियदर्शन भूत-प्रेत में विश्वास नहीं करते, जबकि अभिनेता अक्षय कुमार का कहना है कि वह ऊर्जाओं में विश्वास करते हैं। प्रियदर्शन ने कहा कि फिल्म में नवीनता इस बात में है कि इसमें देश में प्रचलित लोककथाओं, अंधविश्वास और काले जादू जैसे तत्वों को शामिल किया गया है। हम इन कमजोरियों का इस्तेमाल कर रहे हैं और इसमें काफी तर्क भी जोड़ रहे हैं। अक्षय ने प्रियदर्शन को उन्हें 'हास्य अभिनेता' से परिचित कराने का श्रेय दिया।

मोहनलाल ने अपनी 100वीं फिल्म की घोषणा की

मशहूर अभिनेता मोहनलाल ने अपनी 100वीं फिल्म की घोषणा की है। इस फिल्म में वह एक बार फिर प्रियदर्शन के साथ काम कर रहे हैं। दोनों ने पहले 40 से अधिक फिल्मों में साथ काम किया है, जिनमें 'पूचक्कोरु मुक्कुथी' (1984), 'थलवट्टम'(1986), 'वेल्लानाकालुडे नाडु' (1988), 'चित्रम' (1988), और 1989 में आई फिल्म 'वंदनम' शामिल हैं। मोहनलाल ने एक पोस्ट साझा करते हुए इस फिल्म घोषणा की और साथ में एक नोट भी लिखा। अभिनेता ने आगामी परियोजना को 'ऐतिहासिक' करार दिया। इसका निर्माण आशीर्वाद सिनेमा के बैनर तले एंटनी पेरुंबवूर करेंगे और बिनु जार्ज अलेक्जेंडर सह-निर्माता होंगे। अभिनेता ने लिखा, कुछ उपलब्धियां सिर्फ एक व्यक्ति की नहीं होतीं। वे उन सभी की होती हैं जो इस सफर के साक्षी बने। मैं और मेरे प्रिय प्रियन (प्रियदर्शन) मेरी 100वीं फिल्म में साथ काम कर रहे हैं, और मेरे लिए इसका जो अर्थ है उसे व्यक्त करने के लिए मेरे पास शब्द नहीं हैं..

शमी से मुझे गेंदबाजी में सहायता मिली : मुकेश कुमार

नई दिल्ली। आईपीएल के इस सत्र में दिल्ली कैपिटल्स की ओर से खेल रहे युवा तेज गेंदबाज मुकेश कुमार ने कहा है कि उन्हें अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी से लगातार सहायता मिलती रही है। मुकेश ने कहा कि शमी मेरे बड़े भाई की तरह हैं, वह मुझे गेंदबाजी को लेकर मार्गदर्शन देने के साथ ही मेरा हौसला भी बढ़ाते रहे हैं। मुकेश के अनुसार उनके गेंदबाजी कौशल के विकास में अनुभवी शमी की बड़ी भूमिका रही है। उन्होंने कहा, ''मैं उनसे बहुत कुछ सीखता हूं। जब भी मैं किसी परेशानानी में होता हूं या चीजें ठीक नहीं चल रही होतीं, तो मैं उनके पास जाता हूं और सवाल पूछता हूं। ऐसे में वह हमेशा मेरी सहायता करते हैं।

पांड्या को मुम्बई इंडियंस की कप्तानी से हटाने के पक्ष में नहीं कैफ

मुम्बई। हार्दिक पांड्या को मुम्बई इंडियंस का कप्तान बनाये जाने के बाद से ही विवाद जारी है। कई पूर्व खिलाड़ियों का मानना है कि पांड्या को कप्तानी देकर गलती की गयी है। इसलिए उन्हें हटाकर सूर्यकुमार यादव को कप्तान बनाया जाना चाहिये। वहीं इसी को लेकर अब पूर्व क्रिकेटर मोहम्मद कैफ का बयान आया है। कैफ ने कहा है कि बार बार बदलाव करना सही नहीं है। इससे टीम को नुकसान ही होगा। इसलिए इस प्रकार के फैसले से बचें। कैफ के अनुसार मुंबई इंडियंस को बार-बार कप्तान बदलने की गलती नहीं करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मुझे नहीं लगता कि कप्तान बदलने कोई बड़ा बदलाव आयेगा।

विराट इस सत्र में ऑरेंज कैप हासिल करेंगे : जितेश

नई दिल्ली। युवा विकेटकीपर बल्लेबाज जितेश शर्मा के अनुसार रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली इस सत्र में सबसे अधिक रन बनाकर ऑरेंज कैप हासिल करेंगे। जितेश ने कहा, विराट इसके साथ ही आईपीएल में सबसे अधिक 973 रन का अपना ही पुराना रिकॉर्ड भी तोड़ सकते हैं। जिस प्रकार से उन्होंने पिछले कुछ समय में खेला है। उससे पता चलता है कि वह काफी अच्छे फार्म में है।विराट के नाम एक सत्र में सबसे ज्यादा रन बनाने का रिकॉर्ड है। उन्होंने साल 2016 के सत्र में 16 मैचों में 973 रन बनाए थे।

बेन डकेट ने नाम लिया वापस, दो साल के बैन की संभावना

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 की शुरुआत से ठीक पहले दिल्ली कैपिटल्स को बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए ओपनिंग करने वाले इंग्लैंड के बल्लेबाज बेन डकेट ने टूर्नामेंट से अपना नाम वापस ले लिया है। ऐसे समय पर लिया गया यह फैसला दिल्ली की तैयारियों पर सीधा असर डाल सकता है, जब सभी टीमें अपनी अंतिम रूप दे रही हैं।

ओलंपिक में ट्रांसजेंडर महिलाओं की एंट्री पर रोक आईओसी ने बदली नीति

नई दिल्ली । इंटरनेशनल ओलंपिक कमेटी (आईओसी) ने ट्रांसजेंडर एथलीटों को लेकर एक बड़ा और अहम फैसला लिया है। नई नीति के तहत 2028 में होने वाले लॉस एंजिल्स ओलंपिक 2028 और भविष्य के सभी ओलंपिक खेलों में ट्रांसजेंडर महिलाएं महिला कैटेगरी के इवेंट्स में हिस्सा नहीं ले सकेंगी। इस निर्णय का उद्देश्य महिलाओं के खेलों में निष्पक्षता और सुरक्षा सुनिश्चित करना बताया गया है। आईओसी की नई गाइडलाइन के अनुसार, अब केवल बायोलॉजिकल महिलाओं, यानी जन्म से महिला खिलाड़ियों को ही महिला वर्ग में भाग लेने की अनुमति दी जाएगी।

इसके लिए खिलाड़ियों को जीन टेस्ट से गुजरना होगा, जिसमें थूक, ब्लड सैंपल या गाल के जरिए सैंपल लिया जा सकता है। हालांकि, जो एथलीट जन्म के समय महिला थे और बाद में खुद को ट्रांसजेंडर के रूप में पहचानते हैं, उन्हें महिला स्पर्धाओं में भाग लेने की छूट दी गई है।आईओसी की अध्यक्ष क्रिस्टी कोवेंट्री ने इस फैसले को विज्ञान और चिकित्सा सलाह पर आधारित बताया है। उन्होंने कहा कि ओलंपिक जैसे उच्चस्तरीय प्रतियोगिताओं में जीत और हार के बीच बहुत कम अंतर होता है, ऐसे में प्रतिस्पर्धा का निष्पक्ष होना बेहद जरूरी है। उनके मुताबिक, बायोलॉजिकल पुरुषों का महिला वर्ग में मुकाबला करना न केवल अनुचित है, बल्कि कुछ खेलों में सुरक्षा के लिहाज से भी जोखिम भरा हो सकता है। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि हर एथलीट के साथ सम्मानजनक व्यवहार किया जाएगा और इस प्रक्रिया के तहत खिलाड़ियों को अपने करियर में केवल एक बार स्क्रीनिंग करवानी होगी। आईओसी का यह कदम सभी खेलों के लिए एक समान नियम लागू करने की दिशा में उठाया गया है, ताकि अलग-अलग खेल संघों द्वारा अलग-अलग मानदंड तय करने की स्थिति समाप्त हो सके।

गौरतलब है कि इससे पहले आईओसी ट्रांसजेंडर महिलाओं को टेस्टोस्टेरोन स्तर के आधार पर प्रतिस्पर्धा में भाग लेने की अनुमति देता था या यह निर्णय संबंधित खेल संघों पर छोड़ दिया जाता था। हालांकि अब आईओसी एक समान और स्पष्ट नीति लागू करना चाहता है। इस बीच, कई अंतरराष्ट्रीय खेल संगठनों ने पहले ही ट्रांसजेंडर एथलीटों की भागीदारी पर प्रतिबंध लगा दिया है।

आईपीएल 2026 का आगाज आज से, ओपनिंग सेरेमनी नहीं होगी

पहले मैच में आरसीबी और एसआरएच होंगें आमने-सामने

नई दिल्ली (ईएमएस)। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 का बहुप्रतीक्षित आगाज शनिवार, 28 मार्च से होने जा रहा है। इस सीजन का पहला मुकाबला डिफेंडिंग चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच खेला जाएगा। यह मुकाबला बेंगलुरु के प्रतिष्ठित एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में आयोजित होगा, जहां फैंस को एक रोमांचक शुरुआत की उम्मीद है।

हालांकि इस बार आईपीएल के उद्घाटन समारोह में बड़ा बदलाव देखने को मिलेगा। आमतौर पर टूर्नामेंट की शुरुआत भव्य ओपनिंग सेरेमनी के साथ होती है, जिसमें कई बड़े सितारे शामिल होते हैं, लेकिन इस बार भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने ओपनिंग सेरेमनी आयोजित नहीं करने का फैसला किया है। इसके पीछे एक संवेदनशील कारण बताया जा रहा है। पिछले सीजन में आरसीबी की जीत के बाद आयोजित विक्ट्री परेड के दौरान भगदड़ मच गई थी, जिसमें कई फैंस की जान चली गई थी। इसी दुखद घटना को ध्यान में रखते हुए बीसीसीआई ने इस बार सादगी के साथ टूर्नामेंट की शुरुआत करने का निर्णय लिया है, ताकि दिवंगत प्रशंसकों को श्रद्धांजलि दी जा सके।

मैच के समय की बात करें तो आरसीबी और एसआरएच के बीच यह मुकाबला भारतीय समयानुसार शाम 7:30 बजे से शुरू होगा। वहीं, टॉस के लिए दोनों टीमों के कप्तान शाम 7 बजे मैदान पर उतरेंगे।

इस हाई-वोल्टेज मुकाबले को लेकर फैंस में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है, खासकर इसलिए क्योंकि यह सीजन की शुरुआत का मैच है। प्रसारण की बात करें तो इस मुकाबले का सीधा प्रसारण स्टार स्पोर्ट्स नेटवर्क पर विभिन्न भाषाओं में किया जाएगा, जिससे देशभर के दर्शक अपनी पसंदीदा भाषा में मैच का आनंद ले सकेंगे। वहीं, डिजिटल प्लेटफॉर्म पर इस मैच की लाइव स्ट्रीमिंग जियोहॉटस्टार ऐप और वेबसाइट पर उपलब्ध रहेगी।

एशियाई खेलों में पदक जीतना रहेगा लक्ष्य : मीराबाई चानू

रायपुर। भारत की ओलंपिक पदक विजेता भारोत्तोलक मीराबाई चानू ने कहा है कि वह राष्ट्रमण्डल खेलों में 48 किलोग्राम वर्ग में ही उतरेंगी पर उसके बाद उन्हें इसे एशियाई खेलों के लिए बदलना होगा। चानू के अनुसार वह आज तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं , इसलिए उनका लक्ष्य इस बार पदक जीतना रहेगा। इस खिलाड़ी के अनुसार बड़े अंतरराष्ट्रीय मुकाबलों के लिए वजन वर्गों में जरुरत के अनुसार बदलाव करना होता है। गौरतलब है कि चानू वह एक दशक से भी अधिक समय से भारत की ओर से विश्व स्तर पर भरोत्तोलन में पदक जीतती रही हैं। इसमें टोक्यो ओलंपिक्स के रजत पदक के साथ ही, तीन विश्व चैंपियनशिप पदक शामिल रहे है पर वह अभी तक एशियाई खेलों में पदक नहीं जीत पायी हैं।

मीराबाई ने पहली बार 19 साल की उम्र में पहली बार एशियाई खेलों में भाग लिया था और 2014 के इंचियोन एशियन गेम्स में वह नौवें स्थान पर रहीं थीं। बाद में पीठ की चोट के कारण उन्हें 2018 के जकार्ता एशियन गेम्स से हटना पड़ा था। वह साल 2022 के हांगझोऊ एशियाई खेलों में पदक के सबसे करीब पहुंची थीं पर फिट नहीं होने के कारण बीच में ही बाहर हो गयी थीं। इसके बाद वह पांच महीने तक खेल से दूर थीं। इस खिलाड़ी ने शानदार वापसी करते हुए 2024 के पेरिस ओलंपिक के लिए क्वालिफाई किया था पर वह पदक जीतने में असफल रहीं थीं।

आईपीएल 2026: पंजाब किंग्स मजबूत दावेदार, लेकिन मिडिल ऑर्डर बना चिंता का विषय

नई दिल्ली। पंजाब किंग्स की टीम इंडियन प्रीमियर लीग 2026 में एक बार फिर खिताब जीतने के इरादे से मैदान में उतरने को तैयार है। पिछले सीजन फाइनल तक का सफर तय करने वाली टीम इस बार भी कागज पर बेहद संतुलित और मजबूत नजर आ रही है। कप्तान श्रेयस अय्यर के नेतृत्व में टीम अपने पहले आईपीएल खिताब के सूखे को खत्म करना चाहेगी। बल्लेबाजी की बात करें तो पंजाब की सलामी जोड़ी प्रियांश आर्या और प्रभसिमरन सिंह पिछले सीजन शानदार लय में नजर आई थी। प्रभसिमरन ने 547 रन बनाए थे, जबकि प्रियांश ने 475 रन जोड़कर टीम को मजबूत शुरुआत दिलाई थी। नंबर तीन पर कप्तान श्रेयस अय्यर ने भी अहम भूमिका निभाई थी और इस बार भी उनसे बड़े प्रदर्शन की उम्मीद रहेगी।

टीम का बैटिंग ऑर्डर इस सीजन और मजबूत हुआ है। मार्कस स्टोइनिस अपनी ऑलराउंड क्षमता से टीम के लिए अहम साबित हो सकते हैं। वहीं शशांक सिंह और नेहल वढेरा जैसे युवा खिलाड़ियों से भी टीम को काफी उम्मीदें हैं। इसके अलावा विष्णु विनोद, मुशीर खान और सूर्यांश शेडगे के रूप में टीम के पास कई भारतीय युवा विकल्प मौजूद हैं, जो जरूरत के अनुसार उपयोगी साबित हो सकते हैं। गेंदबाजी विभाग में भी पंजाब किंग्स संतुलित नजर आ रही है। तेज गेंदबाजी की जिम्मेदारी मार्को जानसेन और अर्शदीप सिंह के कंधों पर होगी। हालांकि शुरुआती मैचों में लॉकी फर्ग्यूसन की कमी खल सकती है। तीसरे तेज गेंदबाज के रूप में वैशाक विजयकुमार या यश ठाकुर को मौका मिल सकता है। साथ ही जेवियर बार्टलेट और बेन ड्वार्शुइस की मौजूदगी से टीम का पेस अटैक और मजबूत हुआ है। स्पिन विभाग की अगुवाई युजवेंद्र चहल करेंगे, जिनका पिछला सीजन शानदार रहा था। उनके साथ हरप्रीत बरार और प्रवीण दुबे जैसे विकल्प भी टीम को संतुलन देते हैं।

हालांकि टीम की सबसे बड़ी कमजोरी मिडिल ऑर्डर को माना जा रहा है। पिछले सीजन के फाइनल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु के खिलाफ इसी विभाग का खराब प्रदर्शन टीम को भारी पड़ा था। स्टोइनिस, वढेरा और शशांक सिंह जैसे बल्लेबाजों में निरंतरता की कमी चिंता का विषय बनी हुई है।

15 के हुए वैभव सूर्यवंशी, धमाकेदार प्रदर्शन से सुर्खियों में

- एक ओवर ने बदली करीम जनत की किस्मत

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट के उभरते सितारे वैभव सूर्यवंशी 27 मार्च को 15 साल के हो गए हैं और इसके साथ ही उनके लिए सीनियर क्रिकेट में आगे बढ़ने का रास्ता और साफ हो गया है। बिहार के समस्तीपुर जिले से ताल्लुक रखने वाले वैभव ने बेहद कम उम्र में ही अपनी प्रतिभा का लोहा मनवा लिया था।

उन्होंने महज 12 साल की उम्र में रणजी ट्रॉफी में डेब्यू कर सबको चौंका दिया था और घरेलू क्रिकेट में शानदार प्रदर्शन के दम पर तेजी से पहचान बनाई। उनकी काबिलियत को देखते हुए आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स ने उन्हें अपनी टीम में शामिल किया। अपने पहले ही आईपीएल सीजन में वैभव ने धमाकेदार प्रदर्शन कर सभी का ध्यान अपनी ओर खींच लिया। खास तौर पर गुजरात टाइटंस के खिलाफ खेले गए मैच में उन्होंने सिर्फ 35 गेंदों में शतक जड़कर क्रिकेट जगत को हैरान कर दिया और 'वंडर बॉय' के रूप में अपनी पहचान मजबूत कर ली।

हालांकि इसी सीजन का एक और पहलू भी काफी चर्चा में रहा, जिसमें उनके प्रदर्शन ने एक अन्य खिलाड़ी के करियर पर गहरा असर डाला। गुजरात टाइटंस ने आईपीएल 2025 में अफगानिस्तान के ऑलराउंडर करीम जनत को 75 लाख रुपये के बेस प्राइस पर खरीदा था। राजस्थान के खिलाफ मैच में उन्हें डेब्यू का मौका मिला, लेकिन यह मैच उनके लिए बेहद मुश्किल साबित हुआ। उस मुकाबले में वैभव सूर्यवंशी के सामने गेंदबाजी करते हुए करीम जनत पूरी तरह दबाव में नजर आए। वैभव ने उनके एक ही ओवर में 3 छक्के और 3 चौके लगाते हुए कुल 30 रन बटोर लिए। इस ओवर के बाद टीम के कप्तान शुभमन गिल ने करीम को फिर गेंदबाजी का मौका नहीं दिया। इतना ही नहीं, पूरे सीजन में वह प्लेइंग इलेवन से बाहर ही रहे और बाद में आईपीएल 2026 के लिए उन्हें टीम से रिलीज भी कर दिया गया।

हालांकि आईपीएल में यह अनुभव उनके लिए निराशाजनक रहा, लेकिन अंतरराष्ट्रीय स्तर पर करीम जनत अफगानिस्तान टीम के लिए अहम खिलाड़ी बने हुए हैं। उन्होंने अब तक 2 टेस्ट, 3 वनडे और 75 टी20 मुकाबले खेले हैं।

आईपीएल 2026: आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणी, ऑरेंज कैप की रेस में जायसवाल-गिल आगे

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज के साथ ही एक बार फिर बल्लेबाजों और गेंदबाजों के बीच कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिलेगी। इस सीजन में जहां युवा खिलाड़ियों से बड़े प्रदर्शन की उम्मीद है, वहीं अनुभवी खिलाड़ियों पर भी अपनी प्रतिष्ठा बनाए रखने का दबाव रहेगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने ऑरेंज कैप और पर्पल कैप के संभावित दावेदारों को लेकर अपनी भविष्यवाणी साझा की है। आकाश चोपड़ा ने अपने विश्लेषण में ऑरेंज कैप के लिए भारतीय बल्लेबाजों पर भरोसा जताया है।

उन्होंने यशस्वी जायसवाल और शुभमन गिल को इस सीजन सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ियों में सबसे आगे माना है। दोनों बल्लेबाज पहले भी शानदार प्रदर्शन कर चुके हैं और ऑरेंज कैप जीतने का अनुभव रखते हैं। चोपड़ा का मानना है कि टी20 क्रिकेट में आमतौर पर सलामी बल्लेबाजों को ज्यादा मौके मिलते हैं, इसलिए इन दोनों खिलाड़ियों की दावेदारी मजबूत है। उन्होंने खास तौर पर यशस्वी जायसवाल को लेकर कहा कि यह उनके लिए 'ब्रेकआउट सीजन' साबित हो सकता है। पिछले कुछ समय में जायसवाल ने जिस तरह का प्रदर्शन किया है, वह उन्हें इस रेस में सबसे आगे खड़ा करता है। चोपड़ा ने यह भी कहा कि शुभमन गिल रन बनाने की भूख के साथ मैदान पर उतरेंगे, जिससे उनके बड़े स्कोर बनाने की संभावना और बढ़ जाती है।

इसके अलावा विराट कोहली और केएल राहुल को भी ऑरेंज कैप के दावेदारों में शामिल किया गया है। कोहली पहले ही दो बार यह खिताब जीत चुके हैं और उनका अनुभव उन्हें इस दौड़ में मजबूत बनाता है। वहीं चोपड़ा का मानना है कि अगर दिल्ली कैपिटल्स अच्छा प्रदर्शन करती है, तो केएल राहुल भी इस रेस में आगे निकल सकते हैं। आकाश चोपड़ा के अनुसार, ऑरेंज कैप जीतने के लिए किसी बल्लेबाज को कम से कम 600 से 650 रन बनाने होंगे। उन्होंने जायसवाल के हालिया आंकड़ों का जिक्र करते हुए बताया कि वह लगातार रन बना रहे हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी शानदार है। यही वजह है कि उनसे इस सीजन में बड़े प्रदर्शन की उम्मीद की जा रही है। आईपीएल 2026 का पहला मुकाबला रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु में खेला जाएगा। ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि क्या आकाश चोपड़ा की भविष्यवाणियां सही साबित होती हैं यानया खिलाड़ी इस रेस में सबको चौंका देता है।

विराट कोहली की ऐतिहासिक पारी ने ऑस्ट्रेलिया से छीनी थी जीत

- 2016 टी20 वर्ल्ड कप-

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट के महान बल्लेबाज विराट कोहली ने अपने करियर में कई यादगार पारियां खेली हैं, लेकिन 27 मार्च 2016 को आईसीसी टी20 विश्वकप 2016 में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेली गई उनकी नाबाद पारी आज भी क्रिकेट इतिहास की सबसे शानदार पारियों में गिनी जाती है। उस मुकाबले में कोहली ने 51 गेंदों में 82 रन बनाकर अकेले दम पर भारत को जीत दिलाई थी।इस अहम मुकाबले में भारत को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए हर हाल में जीत दर्ज करनी थी। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 161 रनों का चुनौतीपूर्ण लक्ष्य रखा था। लक्ष्य का पीछा करने उतरी भारतीय क्रिकेट टीम की शुरुआत अच्छी नहीं रही और टीम ने शुरुआती ओवरों में ही विकेट गंवा दिया। कोहली तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने आए और शुरुआत में परिस्थितियों के अनुसार संभलकर खेले। ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों ने कसी हुई गेंदबाजी करते हुए भारतीय बल्लेबाजों पर दबाव बनाए रखा। 14 ओवर के बाद भारत का स्कोर 94 रन पर 4 विकेट था और टीम को आखिरी 6 ओवरों में 67 रन की दरकार थी। उस समय मैच पूरी तरह ऑस्ट्रेलिया के पक्ष में झुकता नजर आ रहा था। हालांकि, यहीं से कोहली ने अपना असली रंग दिखाया। 30 गेंदों में 35 रन बनाकर खेल रहे कोहली ने अचानक गियर बदला और आक्रामक बल्लेबाजी शुरू कर दी। उन्होंने अगले 21 गेंदों में 47 रन ठोक डाले, जिसमें 7 चौके और 1 छक्का शामिल था। उनकी इस तूफानी बल्लेबाजी ने ऑस्ट्रेलियाई गेंदबाजों की रणनीति को पूरी तरह ध्वस्त कर दिया। कोहली के साथ उस समय दूसरे छोर पर भी महत्वपूर्ण साझेदारी देखने को मिली, लेकिन पूरी पारी का केंद्र बिंदु उनका अकेले दम पर मैच पलटना रहा।

आईपीएल के पहले ही मैच में रिकार्ड बना सकते हैं भुवनेश्वर

मुम्बई । आईपीएल के 19 सत्र के पहले ही मैच में रॉयल चैलेंजस बेंगलुरु (आरसीबी) के तेज गेंदबाज भुवनेश्वर कुमार एक नया रिकार्ड बना सकते हैं। भुवनेश्वर सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले पहले मैच में दो विकेट लेने के साथ ही इस लीग में 200 विकेट लेने वाले पहले तेज गेंदबाज बन जाएंगे। अभी तक इस लीग में स्पिनर यजुवेन्द्र चहल के नाम ही 200 विकेट हैं पर कोई भी तेज गेंदबाज यहां तक नहीं पहुंचा है।

भुवनेश्वर ने अब तक 190 आईपीएल मैचों में 198 विकेट लिए हैं, उनका औसत 27.33 रहा है। इस दौरान उन्होंने 2 बार 5 विकेट और 2 बार 4 विकेट भी लिए हैं। आईपीएल में वह सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाजों में दूसरे नंबर पर हैं। वहीं तेज गेंदबाजों की बात करें तो जसप्रीत बुमराह सूची में दूसरे नंबर पर हैं, उनके नाम 183 विकेट हैं। वहीं वेस्टइंडीज के ड्वेन ब्रावो के नाम भी इतने ही विकेट हैं। आरसीबी ने इस सत्र में भुवनेश्वर को 10.75 करोड़ रुपये में खरीदा था। पिछले सत्र में उन्होंने 14 पारियों में 17 विकेट लिए थे। भुवनेश्वर कुमार का पावरप्ले में रिकॉर्ड शानदार रहा है।

उन्होंने आईपएल में अपने 79 विकेट पावरप्ले में लिए हैं, जो किसी भी गेंदबाज द्वारा सबसे ज्यादा हैं। इस दौरान उनकी इकॉनमी 6.46 रही है।

आईपीएल 2026 से पहले दिग्गजों की भविष्यवाणी टॉप-4 में मुंबई इंडियंस का दबदबा

- पर्पल कैप के लिए वरुण चक्रवर्ती फेवरेट

नई दिल्ली। इंडियन प्रीमियर लीग 2026 के 19वें सीजन के आगाज 28 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु और सनराइजर्स हैदराबाद के बीच बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में हो जाएगा। टूर्नामेंट की शुरुआत से पहले क्रिकेट जगत के कई दिग्गजों ने इस सीजन की टॉप-4 टीमों और पर्पल कैप विजेता को लेकर अपनी-अपनी भविष्यवाणियां कर दी हैं। पूर्व क्रिकेटर फाफ डु प्लेसिस ने टॉप-4 में मुंबई इंडियंस, आरसीबी, पंजाब किंग्स और चेन्नई सुपर किंग्स या दिल्ली कैपिटल्स को जगह दी है। वहीं इरफान पठान ने मुंबई, दिल्ली, पंजाब और राजस्थान रॉयल्स को प्लेऑफ का दावेदार माना है। हरभजन सिंह ने भी मुंबई इंडियंस पर भरोसा जताते हुए सनराइजर्स हैदराबाद और पंजाब किंग्स को टॉप टीमों में शामिल किया है।

क्रिकेट एक्सपर्ट आकाश चोपड़ा, मोहम्मद कैफ और संजय बांगर ने भी मुंबई इंडियंस, दिल्ली कैपिटल्स, आरसीबी और पंजाब किंग्स को टॉप-4 में जगह दी है। वहीं चेतेश्वर पुजारा ने गुजरात टाइटंस, चेन्नई, कोलकाता नाइट राइडर्स और मुंबई को प्लेऑफ के लिए चुना है। कुल मिलाकर ज्यादातर दिग्गजों की पसंद में मुंबई इंडियंस और पंजाब किंग्स का नाम बार-बार सामने आया है, जिससे इन टीमों की मजबूत दावेदारी का संकेत मिलता है।पर्पल कैप को लेकर भी दिलचस्प भविष्यवाणियां सामने आई हैं। फाफ डु प्लेसिस, हरभजन सिंह, चेतेश्वर पुजारा, मोहम्मद कैफ, पीयूष चावला, सबा करीम और लक्ष्मीपति बालाजी जैसे कई दिग्गजों ने वरुण चक्रवर्ती को सबसे बड़ा दावेदार बताया है। वहीं इरफान पठान ने जसप्रीत बुमराह, हनुमा विहारी ने कुलदीप यादव, संजय बांगर ने युजवेंद्र चहल और वरुण एरोन ने हर्षल पटेल को पर्पल कैप का संभावित विजेता बताया है।

स्कूलों में ही बनेंगे और अपडेट होंगे आधार कार्ड

1 अप्रैल से शुरू होगा विशेष अभियान

रीवा /भोपाल (कीर्तिप्रभा)

स्कूलों में अब विद्यार्थियों के आधार कार्ड से जुड़े काम वहीं पूरे किए जाएंगे। इसके लिए 1 अप्रैल से 15 मई 2026 तक विशेष शिविर लगाए जाएंगे, ताकि बच्चों को बाहर जाने की जरूरत न पड़े। राज्य शिक्षा केंद्र और स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा यूआईडीएआई के सहयोग से च्विद्यार्थियों के लिए आधार, अब स्कूल के द्वारज् अभियान का अगला चरण शुरू किया जा रहा है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य बच्चों के लंबित बायोमेट्रिक अपडेट (एमबीयू) को पूरा करना है। इस पहल के तहत स्कूलों में ही आधार नामांकन और अपडेट की सुविधा मिलेगी। करीब 500 से अधिक ऑपरेटर्स को इसके लिए नियुक्त किया गया है। स्कूलों के प्राचार्यों को निर्देश दिए गए हैं कि वे यूडीआईएसई-प्लस पोर्टल पर ऐसे विद्यार्थियों की सूची अपडेट करें, जिनका आधार बायोमेट्रिक अपडेट लंबित है, और उनके लिए रोस्टर तैयार करें।

बच्चों के लिए दो बार बायोमेट्रिक अपडेट जरूरी होता है। पहला 5 साल की उम्र में और दूसरा 15 साल की उम्र में। 15 से 17 वर्ष के बीच यह अपडेट मुफ्त है, जबकि इसके बाद शुल्क देना होता है। अपडेटेड आधार कार्ड स्कूल एडमिशन, प्रतियोगी परीक्षाओं, छात्रवृत्ति और डायरेक्ट बेनिफिट ट्रांसफर जैसी योजनाओं के लिए जरूरी है। साथ ही, इससे छात्रों की अपार आईडी बनाना भी आसान हो जाता है, जिसमें उनके सभी शैक्षणिक रिकॉर्ड डिजिटल रूप से सुरक्षित रहते हैं। इससे पहले हुए अभियान में प्रदेश के 2000 से अधिक स्कूलों में शिविर लगाए गए थे, जिनमें 15 लाख से ज्यादा विद्यार्थियों ने अपने आधार अपडेट कराए थे। अब सरकार का लक्ष्य है कि अधिक से अधिक छात्रों को इस सुविधा का लाभ मिल सके।

स्कूल शिक्षा के बाद अब ट्राइबल शिक्षकों की बारी

शिक्षकों को देनी होगी पात्रता परीक्षा, बढ़ी चिंता

प्रदेश में स्कूल शिक्षा विभाग के बाद अब जनजातीय कार्य विभाग में पदस्थ शिक्षकों के लिए भी शिक्षक पात्रता परीक्षा अनिवार्य कर दी गई है। नए निर्देशों के अनुसार ट्राइबल विभाग के करीब 65 हजार शिक्षकों को यह परीक्षा देनी होगी, जिससे बड़ी संख्या में शिक्षकों के सामने नौकरी को लेकर असमंजस की स्थिति बन गई है। जानकारी के अनुसार विभाग में करीब 95 हजार शिक्षक कार्यरत हैं,

जनजातीय कार्य विभाग के द्वारा जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि यह निर्णय सर्वोच्च न्यायालय के निर्देशों के अनुपालन में लिया गया है। सिविल अपील क्रमांक 1385/2025, 1386/2025 समेत अन्य मामलों में दिए गए आदेशों के आधार पर यह व्यवस्था लागू की जा रही है। साथ ही शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 के प्रावधानों के तहत पात्रता परीक्षा को अनिवार्य बनाया गया है।

निर्देशों के अनुसार प्राथमिक और माध्यमिक स्तर के शिक्षकों को यह पात्रता परीक्षा दो वर्षों के भीतर अनिवार्य रूप से उत्तीर्ण करनी होगी। इसके लिए विभाग ने जुलाई-अगस्त 2026 में विशेष शिक्षक पात्रता परीक्षा आयोजित कराने की तैयारी भी शुरू कर दी है।

रानी तालाब मंदिर परिसर में आयोजित माँ भगवती जागरण कार्यक्रम में शामिल हुए उप मुख्यमंत्री

रीवा (कीर्तिप्रभा). नवरात्रि के उपलक्ष्य में महाअष्टमी पर गत रात्रि रीवा के रानी तालाब मंदिर परिसर में विशाल माँ भगवती जागरण का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि माँ के आशीर्वाद से ही सभी कार्य सफल होते हैं। हम सभी पर माता का आशीर्वाद बना रहे और हमारा रीवा हर क्षेत्र में नित नई उपलब्धियाँ हासिल करता रहे।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि माँ भगवती के जागरण से देवी माँ प्रसन्न होती हैं। प्रतिवर्ष यह आयोजन होता रहे और माता का आशीर्वाद हमको मिलता रहे। उन्होंने कहा कि इस समय मानवता संकट में है। इस संकट से सिर्फ माँ ही उबार सकती हैं। उन्होंने कहा कि माता के दरबार एवं रानी तालाब के चमकने के साथ ही रीवा भी चमकने लगा है। हम सब की प्रार्थना है कि माँ हमें आशीर्वाद देती रहें और रीवा की चमक बरकरार रहे। उप मुख्यमंत्री ने देवी जागरण में भजन की प्रस्तुति देने वाली गायिका यशस्वी की भावपूर्ण प्रस्तुति की सराहना की। कार्यक्रम में नगर निगम अध्यक्ष व्यंकटेश पाण्डेय, जिला भाजपा अध्यक्ष वीरेन्द्र गुप्ता सहित बड़ी संख्या में भक्तगण उपस्थित रहे।

महाशिवशक्ति रिसाल्ट मे सुन्दर कान्ड व विशाल भंन्डारे का आयोजन

प्रभु श्रीराम के जन्मोत्सव रामनवमी का पर्व रीवा शहर का प्रतिष्ठित महाशिवशक्ति रिसाल्ट मे सुन्दर कान्ड व विशाल भन्डारे रा आयोजन किया गया। इस धार्मिक आयोजन मे इटैरा, टिकरी , बरा निराला नगर दरिका नगर अनंतपुर शहित शहर के लोगों ने भाग लिया। महाशिवशक्ति रिसाल्ट के संचालक कौशल प्रसाद ओझा (स्वामी जी) ने बताया कि धर्म, सत्य और मर्यादा के श्रेष्ठतम प्रतीक भगवान राम के जीवन मूल्यों को आत्मसात करने का संदेश दिया है जिनके बताए मार्ग मे चलने से ही मानव समाज का कल्याण है। हमारे संस्थान मे सुन्दर कान्ड व विशाल भन्डारे का आयोजन कई वर्षों से किया जाता है जिसमे क्षेत्र के जन जन का दिली प्रेम रहता है लोग आते है। और अपने भक्ति भाव के साथ आयोजन मे भाग लेते है।

शून्य प्रतिशत ब्याज का लाभ लेने ऋण राशि जमा करने का आज अंतिम दिन

रीवा (कीर्तिप्रभा). जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित अन्तर्गत रीवा और मऊगंज जिले की 148 कृषि साख सहकारी समितियाँ संचालित हैं। इन समितियों द्वारा खरीफ वर्ष 2025 में लगभग 35 हजार किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर 136 करोड़ रुपए का ऋण दिया गया था। इनमें से 33500 किसानों द्वारा 128 करोड़ रुपए ऋण राशि जमा करा दी गई है। इस संबंध में जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक के महाप्रबंधक ज्ञानेन्द्र पाण्डेय ने शेष किसानों से 28 मार्च तक बैंक से ली गई ऋण राशि जमा करने को कहा है, जिससे उन्हें ऋण पर शून्य प्रतिशत ब्याज का लाभ मिल सके। 28 मार्च के बाद जमा होने वाली ऋण राशि मे शून्य प्रतिशत ब्याज का लाभ नही मिलेगा।

पत्थर खदानों पर की गई कार्यवाही, अवैध उत्खनन करने वाले वाहन जप्त

मऊगंज कलेक्टर संजय जैन के निर्देशन में जिले में अवैध खनिज उत्खनन पर लगातार कार्यवाहियाँ की जा रही हैं। गत दिवस हनुमना जनपद अन्तर्गत ग्राम लोढ़ी में खनिज एवं पुलिस के संयुक्त दल द्वारा की गई कार्यवाही में अवैध उत्खनन करने वाले वाहन जप्त किए गए। खनिज अधिकारी सुनित राजपूत से प्राप्त जानकारी के अनुसार अवैध उत्खनन करने पर 1130 फर्शी पत्थर एव ट्रैक्टर ट्राली मे भरे खण्ड पत्थर को संयुक्त निरीक्षण दल द्वारा जप्त किया गया।

पेयजल समस्या के निराकरण के लिए कंट्रोल रूम स्थापित

मऊगंज. ग्रीष्म ऋतु मे जल जनित बीमारियों एवं संभावित पेयजल समस्या के निराकरण के उद्देश्य से जिला एवं विकासखण्ड स्तरीय कंट्रोल रूम स्थापित किए गए है। कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी संजय पाण्डेय से प्राप्त जानकारी के अनुसार खण्ड कार्यालय मऊगंज में सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। पेयजल संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए जिला स्तर पर मोबाइल नम्बर 9021491867 पर संपर्क किया जा सकता है। इसी प्रकार पेयजल संबंधी शिकायतों के समाधान के लिए विकासखण्ड मऊगंज में 8085084545, विकासखण्ड हनुमना मे 9993915589 तथा विकासखण्ड नईगढ़ी के लिए 8269385027 पर सम्पर्क किया जा सकता है।

उप मुख्यमंत्री ने भगवान भैरवनाथ एवं माँ बूढ़ी माता के दर्शन किए

रीवा उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने गत दिवस महाअष्टमी पर गूढ़ के समीप भैरवनाथ मंदिर में भगवान के दर्शन किए। उन्होंने भैरवनाथ लोक में निर्मित कार्यों का निरीक्षण किया तथा प्रगतिरत कार्यों के बारे में जानकारी प्राप्त करते हुए उन्हें शीघ्र पूर्ण करने के निर्देश दिए। उप मुख्यमंत्री ने बूढ़ी माता मंदिर में माता के दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त किया तथा प्रदेशवासियों के सुख-समृद्धि की कामना की।

उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल लक्ष्मीनारायण धाम में आयोजित श्री रामकथा में हुए शामिल

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल पटेहरा ग्राम के श्री लक्ष्मीनारायण धाम के श्री रामकथा कार्यक्रम में शामिल हुए। उन्होंने कथावाचक आचार्य श्री कृष्णाचार्य जी महाराज से आशीर्वाद प्राप्त किया। उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणजनों को संबोधित करते हुए सभी को रामनवमी पर्व की शुभकामनाएं दीं।

चैत्र नवरात्रि में कन्या भोजन के साथ भंडारा हुआ

सीधी। संकट मोचन आईटीआई पडरा में चैत्र नवरात्रि के पावन अवसर पर नवदिवसीय देवी पाठ, प्रतिदिन हवन पुजन हुआ। सद् विप्र समाज सेवा द्वारा अष्टमी के दिन हवन पूर्णाहुति की गई तत्पश्चात कन्या भोज कराया गया और कन्याओं को भेंट स्वरूप दक्षिणा दी गई। उपस्थित जनों ने भंडारे का प्रसाद ग्रहण किया जहां मुख्य रूप से श्रीचंद महाराज नवदुर्गा पूजा में विधि विधान से आचार्य के रूप में रहे,वहीं महात्मा मनोज सिंह अध्यक्ष सद् विप्र समाज सेवा मध्य प्रदेश रहे, अंशुमान सिंह चौहान, दल बहादुर सिंह श्रीगुरु बजरंग संघ प्रांत प्रचारक,धीरेंद्र सिंह परिहार, धीरेंद्र सिंह चौहान,अजय सिंह चौहान, अश्वनी सिंह सरपंच, अरुण सिंह, खुशबू सिंह ,रेखा सिंह प्रतिमा सिंह ,रीना सिंह, मंजू सिंह ,कान्हा सिंह, रीना सिंह परिहार ,बृजेंद्र सिंह चौहान लोहारा, जागृति सिंह बघेल अकौरी, स्वतंत्र सिंह एडवोकेट ,रितेश सिंह , हर्ष सिंह , देवेश प्रताप सिंह, विक्रम सिंह ,शुभम सिंह, नमन सिंह, प्रगति सिंह,प्रतिमा सिंह आदि सम्मिलित रहे।

किसान 28 मार्च तक जमा करें ऋण राशि

रीवा (कीर्तिप्रभा) जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक मर्यादित अन्तर्गत रीवा और मऊगंज जिले में 148 कृषि साख सहकारी समितियाँ संचालित हैं। इन समितियों द्वारा खरीफ वर्ष 2025 में लगभग 35 हजार किसानों को शून्य प्रतिशत ब्याज पर 136 करोड़ रुपए का ऋण दिया गया था।

स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोलई कुशवाहा का योगदान अविस्मरणीय रहेगा - उप मुख्यमंत्री

रीवा (कीर्तिप्रभा) उप मुख्यमंत्री श्री राजेन्द्र शुक्ल ने कहा कि सेमरिया क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोलई कुशवाहा का स्वतंत्रता आंदोलन में दिया गया योगदान अविस्मरणीय रहेगा। उन्होंने देश की आजादी की लड़ाई में अपना सर्वस्व न्योछावर कर दिया। ऐसे महान स्वतंत्रता संग्राम सेनानी के बलिदान से प्रेरणा लेकर देश को आगे ले जाने में हम सभी को समवेत होना है। उप मुख्यमंत्री श्री शुक्ल स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोलई कुशवाहा के जयंती समारोह में आयोजित कृषक सम्मेलन में शामिल हुए। उन्होंने मोलई कुशवाहा की मूर्ति के सम्मुख पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किए।

इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ने कहा कि आज सौभाग्यशाली दिन है, क्योंकि आज भगवान राम का जन्मदिन धूमधाम से मनाया जा रहा है साथ ही इस क्षेत्र के स्वतंत्रता संग्राम सेनानी श्री मोलई कुशवाहा की जयंती है और आज ही कृषक सम्मेलन में प्राकृतिक खेती को अपनाने का संकल्प लिया जा रहा है। स्वयं को एवं अपनी धरती माता को स्वस्थ रखने के लिए प्राकृतिक खेती आवश्यक है। किसान भाईयों को चाहिए कि वह उपलब्ध जमीन में से कुछ हिस्से में प्राकृतिक खेती करें। मानवता को निरोगी रखने का सही साधन प्राकृतिक खेती ही है। उन्होंने कुशवाहा समाज के लोगों से आह्वान किया कि वह प्राकृतिक खेती को अपनाने में अपनी भूमिका का निर्वहन करें क्योंकि उनका कृषि एवं उद्यानिकी के क्षेत्र में अग्रणी स्थान है। रीवा जिले के निवासी प्राकृतिक खेती को अपनाने में आगे आ रहे हैं। गौ माता धरती में जीती जागती देवी की स्वरूप हैं। इनके गोबर और गौमूत्र का उपयोग भगवान के पूजन में किया जाता है। गौ माता के गोबर से निर्मित खाद और कीटनाशक प्राकृतिक खेती के लिए लाभकारी है। उन्होंने प्राकृतिक खेती को जन आंदोलन बनाने के लिए सभी को संकल्पित होने का आह्वान किया। श्री शुक्ल ने चौराहे में सम्राट अशोक की मूर्ति स्थापना किए जाने की बात भी कही।

कार्यक्रम में पूर्व विधायक श्री केपी त्रिपाठी ने कहा कि आज का आयोजन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी मोलई कुशवाहा के लिए सच्ची श्रद्धांजलि है। प्रदेश में इस वर्ष कृषक कल्याण वर्ष मनाया जा रहा है। प्राकृतिक खेती का लाभ लेने और इसको बढ़ावा देने के लिए सेमरिया के लोग सबसे पहले आगे आए हैं। उन्होंने अन्य किसानों से भी इसे अपनाने का आह्वान किया। कोटा ग्राम में आयोजित कृषक सम्मेलन में डॉ एलएम कुशवाहा, प्रदीप सोहगौरा, विमलेश कुशवाहा, राजेन्द्र वर्मा, त्रियुगीनारायण शुक्ल, डॉ राजकिशोर कुशवाहा, सरपंच गेंदाबाई कुशवाहा, अजय शुक्ला, राजेन्द्र विश्वकर्मा, राजेश यादव, रजनीश कुशवाहा, रजनीत कुशवाहा तथा अजीत कुशवाहा सहित जनप्रतिनिधि व बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

स्कूलों में कंप्यूटर खरीदी और मेंटनेंस के नाम पर घोटाला

- मंत्री की नाराजगी के बाद कलेक्टरों को सौंपी गई जांच की जिम्मेदारी

स्कूल शिक्षा विभाग और माध्यमिक शिक्षा मंडल (माशिमं) द्वारा पिछले तीन वर्षों में जारी किए गए टेंडरों को लेकर प्रदेश की राजनीति गरमा गई है। कांग्रेस ने आरोप लगाया है कि 2023 से 2025 के बीच कंप्यूटर, यूपीएस और इंटरैक्टिव बोर्ड की खरीद में करोड़ों रुपये का भ्रष्टाचार हुआ है। इस बीच प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में कंप्यूटर खरीदी और मेंटनेंस के नाम पर बड़ा घोटाला सामने आया है। स्कूलों में कंप्यूटर खरीदी और मेंटनेंस के नाम पर हुए घोटाले को गंभीरता से लेते हुए आयुक्त लोक शिक्षण ने कलेक्टरों को मामले की जांच की जिम्मेदारी दी है। जानकारी के अनुसार, प्रदेश के स्कूल शिक्षा विभाग में कंप्यूटर खरीदी और मेंटनेंस के नाम पर बड़ा घोटाला हुआ है। विभागीय मंत्री ने इस मामले को लेकर नाराजगी जाहिर की है। इसके बाद आयुक्त लोक शिक्षण शिल्पा गुप्ता ने एक पत्र सभी जिलों के कलेक्टर को लिखा है कि वे बीते 3 साल में हुए कामों की जांच करके प्रतिवेदन भेजें। इसमें तीन साल के भीतर जो भी बजट आवंटित हुआ है और उसमें जो निर्माण कार्य हुए हैं, उनकी पूरी जांच करना है। हालांकि इसमें इंटरएक्टिव पैनल के मामले को शामिल नहीं किया है, जबकि इसको लेकर भी कई शिकायतें विभागीय मंत्री और अफसरों को हो चुकी हैं। जांच के लिए कोई समय सीमा तय नहीं की गई है।उधर, जिलों में इस पत्र के बाद कलेक्टरों की तरफ से जांच कमेटी बनाई जा रही है, जो कि कलेक्टरों की निगरानी में ही पूरे मामले की जांच करेगी। दरअसल, मप्र में तीन साल में स्कूलों में जमकर मेंटनेंस काम हुआ है। बीते साल ही करीब 149 करोड़ रुपए स्कूलों में मेंटनेंस के लिए भेजे गए थे, लेकिन इसके लिए भोपाल की ही फर्म को काम दे दिया गया। जिला शिक्षा अधिकारी को बायपास करके बीईओ और प्राचार्य स्तर पर काम कराया गया। रीवा, मैहर और सतना जिले में बिना काम के भुगतान करने का मामला सामने आया। जांच में आरोप सही पाए गए। इसके बाद यह मामला विधानसभा में उठाया गया और मंत्री ने इसमें जांच के निर्देश दिए। हालांकि इस पूरे मामले में मंत्री उदय प्रताप सिंह के निर्देश के बाद तीन अफसरों को हटाने की कार्रवाई कर दी गई है। इनमें डीएस कुशवाह संचालक लोक शिक्षण को सीमेट (राज्य शैक्षिक प्रबंधन प्रशिक्षण संस्थान) का संचालक बनाकर भेजा गया है। वहीं प्रमोद कुमार सिंह सीमेट को लोक शिक्षण में संचालक बनाया गया है। साथ ही विभाग में उप सचिव बनाया गया है। इसके अलावा पीके सिंह बघेल जो कि उप संचालक लोक शिक्षण थे को राज्य शिक्षा केंद्र में पदस्थ किया गया है। गौरतलब है कि विभागीय मंत्री ने आईएएस अफसर की निगरानी में कमेटी बनाकर जांच के आदेश दिए थे, लेकिन फिलहाल इस समिति को बनाने का मामला होल्ड हो गया है।

बस और बल्कर की टक्कर, एनएच-39 में लगा जाम

तेंदुआ में देर रात हुआ भीषण सड़क हादसा

सीधी। नेशनल हाइवे-39 सीधी-रीवा मार्ग में शहर के समीपी तेंदुआ मे देर रात बस और बल्कर की टक्कर हो गई। उक्त सड़क हादसे में दोनो वाहनों को भारी क्षति हुई। वही सड़क हादसे के बाद घटनास्थल के दोनो तरफ वाहनों की लंबी कतारें जाम के चलते लग गई। मिली जानकारी के अनुसार पुष्पवानी बस क्रमांक एमपी 19 पी 7090 खराब होने से तेंदुआ में सड़क के किनारे मंगलवार से खड़ी थी। गुरुवार की रात करीब 2:30 बजे बल्कर क्रमांक एमपी 19 जेडपी 7762 के चालक द्वारा खड़ी बस में लापरवाही पूर्वक टक्कर मार दी गई। इस सड़क हादसे में बल्कर के अगले हिस्से का पूरी तरह से परखच्चा उड़ गया। वहीं बस का अगला हिस्सा भी क्षतिग्रस्त हो गया। गनीमत यह रही कि वाहनों में सवार ड्राइवर एवं क्लीनियर को किसी तरह की चोंटे नहीं आई।

तीन या अधिक संतान वालों को भी मिलेगी सरकारी नौकरी

खत्म होगा 24 साल पुराना दो बच्चों का नियम

प्रदेश में सरकारी नौकरी से जुड़ा करीब 24 साल पुराना दो बच्चों वाला नियम अब खत्म होने की तैयारी में है। सामान्य प्रशासन विभाग ने इस संबंध में प्रस्ताव तैयार कर लिया है, जिसे मुख्यमंत्री से सैद्धांतिक मंजूरी मिल चुकी है। अब इसे जल्द ही कैबिनेट में पेश किया जाएगा। अगर कैबिनेट से मंजूरी मिलती है, तो तीन या उससे अधिक बच्चों वाले लोगों को सरकारी नौकरी से न तो बाहर किया जाएगा और न ही नौकरी पाने से रोका जाएगा। अभी तक इस नियम के कारण कई कर्मचारी और उम्मीदवार प्रभावित हो रहे थे।

साल 2001 में तत्कालीन सरकार ने सिविल सेवा नियमों में बदलाव कर यह प्रावधान लागू किया था। इसके तहत दो से ज्यादा बच्चे होने पर सरकारी नौकरी में नियुक्ति या नौकरी जारी रखने में दिक्कत आती थी। यानी उनको अपात्र माना जाता था। इस बदलाव का सबसे ज्यादा फायदा शिक्षा विभाग को मिलेगा। जानकारी के अनुसार, बड़ी संख्या में शिक्षक ऐसे हैं जो इस नियम से प्रभावित थे। नया नियम लागू होने के बाद उनकी नौकरी सुरक्षित हो जाएगी। इसके अलावा स्कूल शिक्षा, उच्च शिक्षा और स्वास्थ्य विभाग में भी हजारों मामले लंबे समय से लंबित हैं, जिन्हें अब सुलझाया जा सकेगा।

पुराने मामलों पर भी होगा फैसला

सरकार उन कर्मचारियों को भी राहत देने पर विचार कर रही है, जिन्हें तीसरी संतान के कारण नौकरी से हटाया गया था या जिनके मामले कोर्ट में चल रहे हैं। कैबिनेट इन सभी मामलों पर अंतिम निर्णय ले सकती है। बता दें पिछले कुछ वर्षों में इस नियम को लेकर लगातार सवाल उठते रहे हैं। इसे व्यक्तिगत स्वतंत्रता के खिलाफ बताया गया और बदलते सामाजिक हालात के हिसाब से इसे पुराना माना गया। इसी बीच जनसंख्या संतुलन को लेकर भी चर्चा तेज हुई, जिसके बाद सरकार ने इस पर पुनर्विचार शुरू किया।

दूसरे राज्यों में पहले ही बदलाव

मध्य प्रदेश से पहले राजस्थान और छत्तीसगढ़ इस नियम को खत्म कर चुके हैं। वहां तीन या उससे अधिक बच्चों वाले लोग बिना किसी रोक-टोक के सरकारी सेवा में बने रह सकते हैं। सरकार इस प्रस्ताव को जल्द ही कैबिनेट में रख सकती है, जिसके बाद इस नियम को आधिकारिक रूप से लागू कर दिया जाएगा।

स्वत्वाधिकारी प्रकाशक संतोष कुमार मिश्र द्वारा अदिति प्रिंटर्स, वि. वि. मार्ग खुटेही रीवा से मुद्रित एवं प्रकाशित प्रधान संपादक-* संतोष कुमार मिश्र , * स्थानीय संपादक-योगराज तिवारी, आर.एन.आई. नं. 69841/98
प्रधान कार्यालय रीवा- फोन एवं फैक्स नं. 07662-292777,9425330073,9229876961 Email- samacharrewa@gmail.com * पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार।